विराट और अनुष्का लेकर आए हैं सरप्राइज का सुपर डोज

रॉयल बुलेटिन

प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक

तापमान- अधिकतम- 33.00
न्यूनतम- 25.00

ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल पास: टिप्स, ओवरटाइम और सोशल ....

◆ वर्ष 41, अंक 183 RNI No. 43285/85 ◆ संस्करण - नगर ◆ मुजफ्फरनगर, शनिवार, 5 जुलाई, 2025 ◆ आषाढ शुक्ल 10 विक्रमी सम्वत् 2082 ◆ पृष्ठ 8+4=12 ◆ मूल्य 4 रुपया

मथुरा के शाही ईदगाह पर हिंदू पक्ष को 'हाई' झटका

मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने से किया इनकार

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला आया है। कोर्ट ने मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने से इनकार कर दिया है। हिंदू पक्ष को झटका लगा है। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्र की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कोर्ट से मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग की थी, जिस पर कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा शाही ईदगाह और श्रीकृष्णजन्मभूमि विवाद मामले में आज फैसले पर सबकी नजर थी। अदालत ने हिंदू पक्ष को झटका देते हुए अर्जी खारिज कर दी है। इसमें मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की याचिका खारिज कर दी गई है। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह ने मासरे आलम गिरी से लेकर मथुरा के कलेक्टर रहे एफएस ग्राउस तक के समय में लिखी गई इतिहास की पुस्तकों का हवाला दिया था। उन्होंने कहा था कि वहां पहले मंदिर था और मस्जिद होने का कोई साक्ष्य शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष न्यायालय में पेश नहीं कर सका है।

हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने इतिहास की पुस्तकों का हवाला देते हुए कहा था कि वहां पहले मंदिर था। उन्होंने कहा, वहां पर मस्जिद होने का कोई साक्ष्य आज तक शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष न्यायालय में पेश नहीं कर सका। न खसरा खतौनी में मस्जिद का नाम है, न नगर निगम में उसका कोई रिकॉर्ड। न कोई टैक्स दिया जा रहा, बिजली चोरी की रिपोर्ट भी शाही ईदगाह प्रबंध कमेटी के खिलाफ भी हो चुकी है, फिर इसे मस्जिद क्यों कहा जाए। इसलिए मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया जाए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद केस के मंदिर पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने हाई कोर्ट में 5 मार्च 2025 को मथुरा स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किए जाने की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। न्यायाधीश राम मनोहर नारायण मिश्र के न्यायालय में इस प्रार्थना पत्र पर बहस पूरी हो चुकी है। बहस के दौरान सभी हिन्दू पक्षकारों ने महेंद्र प्रताप सिंह की दलीलों का समर्थन किया।

हमारे आपसी रिश्ते भौगोलिक सीमाओं से परे हैं: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री बोले-त्रिनिनाद की प्रधानमंत्री कमला बिहार की बेटी

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार तड़के त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने पीएम कमला प्रसाद बिसेसर को 'बिहार की बेटी' कहा और उन्हें राम मंदिर का मॉडल और सरयू नदी के जल के साथ-साथ प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का जल भी भेंट किया। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय की यात्रा को साहस की मिसाल बताया। पीएम ने कहा- वे (भारतीय प्रवासी) गंगा और यमुना को पीछे छोड़ आए, लेकिन अपने दिल में रामायण को साथ लाए।

उनके योगदान ने इस देश को सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध किया है। वे अपनी मिट्टी छोड़ आए, लेकिन अपने संस्कार नहीं छोड़े। वे सिर्फ प्रवासी नहीं थे, बल्कि एक सभ्यता के दूत थे। पीएम मोदी ने ऐलान किया कि भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को भी ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा- 25 साल पहले मैं यहां आया था। तब से अब तक हमारी दोस्ती और मजबूत हुई है। बनारस, पटना, कोलकाता और दिल्ली भारत के शहर हैं, लेकिन यहां भी इनके नाम की सड़कें हैं। नवरात्रि, महाशिवरात्रि और जन्माष्टमी यहां खुशी, उत्साह और गर्व के साथ मनाए जाते हैं। चौताल और भटक गाना यहां फल-फूल रहे हैं। मैं यहां कई परिचित चेहरों की गर्मजोशी और युवा पीढ़ी की आंखों में उत्सुकता देखता हूं, जो एक साथ जानने और बढ़ने के लिए उत्साहित हैं। हमारे रिश्ते भौगोलिक सीमाओं से परे हैं। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय की श्रीराम के लिए गहरी आस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा- मुझे आपकी प्रभु श्रीराम में गहरी आस्था का पता है। यहां की रामलीला वाकई अनोखी है। मुझे यकीन है कि आप सभी ने 500 साल बाद अयोध्या में रामलला की वापसी का स्वागत किया होगा। आपने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए पवित्र जल और शिला भेजी थी।

पीएम कमला को लोग बिहार की बेटी मानते हैं

मोदी ने इस साल हुए महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा, मैं महाकुंभ का पवित्र जल अपने साथ लाया हूं। मैं कमला जी से अपील करता हूं कि वे संगम और सरयू नदी के पवित्र जल को यहां की गंगा धारा में अर्पित करें। भारतीय प्रवासी हमारा गर्व हैं। आप में से प्रत्येक भारत के मूल्यों और विरासत का राजदूत है। पीएम मोदी ने कहा- हम सिर्फ खून या सरनेम से नहीं, बल्कि अपनेपन की भावना से जुड़े हैं। भारत आपकी ओर देखता है और आपका स्वागत करता है। पीएम कमला जी के पूर्वज बिहार के बक्सर से थे।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को दी मान्यता

- ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश, तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी मान्यता की पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।

हे प्रभु! अब तो हिमाचल प्रदेश पर 'रहम' करो

अब तक 63 मौतें, 500 करोड़ का नुकसान

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने ऐसी तबाही मचाई कि राज्य का सिस्टम ही चरमरा गया। कांगड़ा, मंडी, चंबा और शिमला में भारी बारिश ने बाढ़ और लैंड स्लाइडिंग से 63 लोगों की जान चली गई। सबसे अधिक जनहानि मंडी जिले में हुई, जहां आधिकारिक तौर से 17 लोग मारे गए, जबकि 40 से अधिक अभी भी लापता हैं। लगातार हो रही बारिश से हालात

और भी खराब हो गए हैं। कई जिलों में पुल और सड़कें बह गई हैं। अभी बारिश का तांडव खत्म होने की संभावना भी नहीं है। मौसम विभाग ने 7 जुलाई तक राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राज्य सरकार के मुताबिक, प्राकृतिक आपदा के कारण कम से कम 500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून 20 जून को आया, फिर ऐसा विकराल दिखाया कि पूरे राज्य में आफत आ गई। कई गांव पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। नदियां अभी भी उफनी हुई हैं और बारिश थम नहीं रहा है। रास्तों पर लैड स्लाइडिंग हो रही है और राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

12 घंटे की शिफ्ट, नाइट शिफ्ट में काम कर सकेंगी महिलाएं

- गुजरात में फैक्ट्री ऐक्ट में बड़े संशोधन, अध्यादेश कर दिया जारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने फैक्ट्री एक्ट में संशोधन करके महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की स्वीकृति दे दी है। इसके साथ सरकार ने काम के घंटों में भी बढ़ोतरी कर दी है। राज्य सरकार के इन फैसलों को गुजरात में आर्थिक गतिविधियों को तेज करने से जोड़कर देखा जा रहा है। गुजरात सरकार ने फैक्ट्रीज (गुजरात संशोधन) अध्यादेश, 2025 जारी किया है, जिसमें फैक्ट्रीज एक्ट, 1948 में संशोधन किया गया है।

कोलकाता केस में पुलिस ने किया क्राइम सीन रीक्रिएट

सुबह 4.30 बजे आरोपियों को लेकर कॉलेज पहुंची, 25 जून को हुई थी घटना

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज पहुंची थी। तीनों मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, मौजूदा स्टूडेंट प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब चार घंटे लगे। इसके बाद सभी को पुलिस स्टेशन वापस लाया गया। पुलिस के अफसर ने बताया कि जो नतीजे मिले हैं, उनसे अब महिला के आरोपों से जांच की जाएगी और बाकी सबूतों से पुष्टि की जाएगी।

सुरक्षा गार्ड पिनाकी को दोपहर बाद अदालत में पेश किया जाएगा, क्योंकि उसकी पुलिस रिमांड 4 जुलाई तक है। मामले की जांच फिलहाल कोलकाता पुलिस का डिटेक्टिव डिपार्टमेंट कर रहा है। घटना 25 जून को पश्चिम बंगाल की राजधानी के कस्बा क्षेत्र में साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई।

● उप सेना प्रमुख बोले-दुश्मनों ने देखी 'ऑपरेशन सिंदूर' की धमक

एक बॉर्डर, तीन दुश्मन, हमने तीनों को हराया

कहा-चीन ने हमें हथियारों की टेस्टिंग लैब समझा, तुर्किये ने ड्रोन दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने बड़ा खुलासा किया है। उप सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन पाकिस्तान को लाइव इनपुट दे रहा था। साथ ही चीन ने पाकिस्तान को भारतीय हथियारों के बारे में जानकारी दी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की के ड्रोन और पायलट पाकिस्तान में मौजूद थे। डीजीएमओ वार्ता के दौरान चीन पाकिस्तान को जानकारी दे रहा था। उन्होंने कहा कि हमने एक साथ तीन दुश्मनों को मात दी। उप

सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह फिक्की की तरफ से आयोजित न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज कार्यक्रम में बोल रहे थे। उप सेना प्रमुख सिंह ने कहा कि पूरे अभियान के दौरान वायु रक्षा और उसका संचालन महत्वपूर्ण था। इस बार, हमारे जनसंख्या केंद्रों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन अगली बार, हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक सीमा थी और दो विरोधी थे, वास्तव में तीन। हमें बहुत तेजी से आगे बढ़ना होगा। हम इजराइल को देख रहे हैं। उनके पास आयरन डोम हैं। दूसरे एयर डिफेंस सिस्टम हैं। हमारे पास वैसी सुविधाएं नहीं है क्योंकि हमारा देश विशाल है और इन पर बहुत पैसा खर्च होता है।

पिछले युद्धों की तरह दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते थे

लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की भी तारीफ की। साथ ही टारगेट चुनने, प्लानिंग के अलावा रणनीतिक संदेश, टेक्नोलॉजी और ह्यूमन इंटेलीजेंस के इस्तेमाल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर से कुछ सबक मिले हैं। लीडरशिप का संदेश साफ था। जिस तरह से हमने कुछ साल पहले बर्दाश्त किया, उस तरह से दर्द को सहने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

अमृतसर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग-हथियार गिरोह पकड़ा

- हेरोइन, 5 पिस्तौल और 9.7 लाख ड्रग मनी जब्त; 9 गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो गैंग का पर्दाफाश किया है। एक गैंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशा और हथियार तस्करी में शामिल था, जबकि दूसरा अंतरराज्यीय ड्रग्स और हवाला से जुड़ा हुआ था। इन दोनों मामलों में पुलिस ने कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 1.15 किलो हेरोइन, 5 पिस्तौल (जिसमें 3 ग्लॉक 9 एमएम और 2 चीनी पिस्तौल हैं), कारतूस और 9.7 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद हुई है।

2 बार बीएलओ घर जाएगा, नहीं मिले तो कट जाएगा आपका नाम

- बिहार में चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट पुनरीक्षण पर संग्राम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी ने कमर कस ली है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि 14 पार्टियों ने मिलकर चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रखी है। इस दौरान बिहार के लोगों की भावनाओं के बारे में बताया गया। जिस तरह से यहां 25 दिनों की प्रक्रिया में जो पूरी इलेक्ट्रो प्रोसेस को प्रभावित करने का जो चुनाव आयोग का निर्णय है उसका हम लोगों ने विरोध जताया। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि हम

वोटर लिस्ट का पूर्ण पुनरीक्षण नहीं कर रहे हैं। लेकिन आज की डेट में पिछली बार इलेक्शन कमीशन ने जो प्रिंट किया उसे खारिज करके उसे पूरी तरह से नये सिरे से वोटर लिस्ट तैयार किया जा रहा है हम उसी के रिप्रजेंटेशन में गए थे। इलेक्शन कमीशन का जो रवैया है उसमें हमें तीन बातें मुख्य रूप से बताया गया। इससे साफ जाहिर है कि 20 फीसदी वोटर लिस्ट से हट जाएंगे। ये उन्होंने स्पष्ट तौर से कहा।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु बोले-उड़ने का डर, खुद को बांधकर सोता हूं

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छात्रों से की बात, कहा-रोज योग करता हूं

लखनऊ (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर पहुंचने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश और केरल के छात्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। इस दौरान छात्रों ने अंतरिक्ष में जीवन से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनके शुक्ला ने डिटेल में जवाब दिए।

इस दौरान उन्होंने जीरो ग्रैविटी में तैरते हुए गेंद से खेलकर दिखाया। छात्रों ने पूछा- अंतरिक्ष में कैसे सोते हैं। जवाब में शुक्ला ने बताया- अंतरिक्ष में फर्श या छत जैसी कोई चीज नहीं होती, इसलिए कोई दीवार पर सोता है तो कोई छत पर।

सोते समय खुद को बांधना पड़ता है ताकि तैरते हुए कहीं और न चले जाएं। यूपी के 150 बच्चों और केरल के कोझिकोड जिले के छात्रों को बातचीत के लिए चुना गया था। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु 26 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। वे 41 साल बाद स्पेस में जाने वाले भारतीय हैं। वे एक्सियम मिशन- 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे सभी एस्ट्रोनॉट के साथ स्पेस के लिए रवाना हुए थे और 10 जुलाई को धरती पर वापस आएंगे। छात्रों ने शुभांशु शुक्ला से बातचीत को बेहद प्रेरणादायक बताया।

एफ-35 जेट को केरल से ले जाना पड़ रहा भारी

- आसान नही राह, अमेरिकी इंजीनियरों के छूटेंगे पसीने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन का एफ-35 बी फाइटर जेट 14 जून को तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग के बाद से केरल में खड़ा है। मरम्मत की तमाम कोशिशें नाकाम होने के बाद जेट के कुछ हिस्सों को खोलकर सी-17 ग्लोबमास्टर जैसे विशाल विमान से ले जाए जाने की तैयारी की खबरें हैं। हालांकि, स्टील्थ टेक्नोलॉजी वाले पांचवीं पीढ़ी के इस लड़ाकू विमान को ब्रिटिश रॉयल नेवी के लिए ले जाना आसान नहीं होगा। विमान को सी-17 में ले जाने में भी कई चुनौतियां हैं, जैसे विमान का आकार और इसकी स्टील्थ टेक्नोलॉजी वाले डेटा की सुरक्षा का खतरा। क्योंकि, विमान को ले जाने से पहले उसके पंखों को निकालना जरूरी होगा। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि इसकी स्टील्थ टेक्नोलॉजी का सीक्रेट कोड डिकोड हो सकता है, जिससे यह विमान अपनी गोपनीय ताकत खो देगा। सी-17 ग्लोबमास्टर एक बड़ा सैन्य विमान है।

अनमोल वचन

हमारी संस्कृति में पर्यावरण सुरक्षा को बहुत अधिक महत्व दिया गया है। इसी कारण पंच महायज्ञों में देव यज्ञ (यज्ञ हवन) को ब्रह्मयज्ञ (प्रभु आराधना) के पश्चात दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, परन्तु आज के युग में कुछ व्यक्ति जो यज्ञ हवन के वैज्ञानिक पक्ष और पदार्थ विज्ञान से अनभिज्ञ है, हवन करने की बहुत आलोचना करते हैं, इसे एक मात्र धार्मिक कृत्य मानते हैं कि व्यर्थ ही घी को जलाया जाता है, अन्न को अग्नि में नष्ट किया जाता है। इससे अच्छा है कि किसी को खिला ही दिया जाये, परन्तु वे नहीं जानते कि यज्ञ हवन से संसार का कितना उपकार होता है। यह ज्ञान तो प्राय: सभी को है कि दुर्गंधयुक्त वायु और दूषित जल से प्राणी रोग ग्रस्त हो जाते हैं, जबकि सुगन्धित वायु और शुद्ध जल से रोग नष्ट होते हैं। हम सभी श्वास, मल-मूत्र तथा पसीने के द्वारा संसार में प्रदूषण पैदा करते हैं। हवन में प्रयुक्त धृत तथा सामग्री जो जड़ी बूटियों से युक्त औषधीय गुणों से भरपूर होती है अग्नि में भस्म होकर अपने से हजारों गुणा वायु, जल तथा वनस्पति के प्रदूषण को समाप्त करती है। हमारा कर्त्तव्य बनता है कि जितना हम और हमारा परिवार वायु को प्रदूषित करते हैं उतने परिणाम में तो उस प्रदूषण को कम से कम हमारा उसे शुद्ध करने का दायित्व तो बनता ही है। उससे अधिक करेंगे तो उपकार होगा।

नवजात भ्रूण को कूड़े में फेंकने वाले जीजा-साली भेजे जेल

❒ जीजा-साली के नाजायज रिश्तों में पैदा हुए नवजात की लोक-लाज के डर से फेंका था भ्रूण

मुजफ्फरनगर। शहर के रूड़की रोड पर नवजात का शव फेंकने के मामले में शहर कोतवाली पुलिस ने आरोपी जीजा-साली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि नाजायज रिश्तों में उत्पन्न संतान को जन्म से पहले ही गर्भपात कराकर कूड़े के ढेर पर फेंक दिया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक के अपनी साली से अवैध संबंध थे और गर्भवती होने पर उसे गर्भपात की गोलियां खिलाकर गर्भपात कराया गया था। एसएसपी की सख्ती के चलते रुड़की रोड़ पर कूड़े में मिले नवजात के शव की गुत्थी ना केवल सुलझ गई, बल्कि गुनाहगारों तक पहुंच गई। नाजायज रिश्तों में पैदा हुए नवजात की लोक-लाज के डर से बलि चढ़ा दी थी। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पकड़ में आए जीजा-साली के अपना जुर्म कबलूने के बाद कोतवाली पुलिस ने उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस लाइन में प्रेस

कॉन्फ्रेंस के दौरान एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि 24 जून को रूड़की चुंगी के पास कूड़े में एक नवजात भ्रूण बरामद हुआ था। सीओ सिटी राजू कुमार साव के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम ने शहर क्षेत्र के 122 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया था। लिंक से लिंक जोड़ते हुए कोतवाली पुलिस रामपुरी तक पहुंची थी। जांच पड़ताल के बाद रामपुरी निवासी अभिषेक और उसकी साली प्रिया से पूछताछ की गई। पूछताछ में

पुलिस टीम ने शहर क्षेत्र के 122 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन की किया खुलाशा एसएसपी ने सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम को दस हजार रुपये के पुरस्कार से पुरस्कृत किया

पता चला कि साली प्रिया अपनी बड़ी बहन की देखरेख के लिए उसकी ससुराल आयी थी। इस दौरान जीजा से उसके रिश्ते बन गये थे। चार-पांच महीने बाद उन्हें पता चला कि प्रिया गर्भ से है। इसके बाद लोकलाज के डर से गर्भपात करने का निर्णय लिया गया। घर पर ही प्रतिबंधित दवाईयां खिलाकर गर्भपात कराया गया। इसके बाद नवजात को कूड़े के ढेर पर फेंक दिया गया, लेकिन पुलिस की भागदौड़ के बाद इस पूरी साजिश से पर्दा उठ गया। गौसेवक नीशू की तरफ से मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जीजा अभिषेक और साली प्रिया को गिरफ्तार कर लिया। पत्रकार वार्ता के दौरान सीओ सिटी राजू साव, सीओ खतौली रामाशीष यादव और शहर कोतवाल उमेश रोरिया मौजूद रहे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया, उपनिरिक्षक मोहित कुमार, हैडकांस्टेबल गौरव चौधरी, कांस्टेबल रोहित, ज्योति थाना कोतवाली नगर शामिल रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा उक्त सराहनीय कार्य करने वाली थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम को दस हजार रुपये के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

मुजफ्फरनगर में धार्मिक पहचान अभियान पर घमासान

❒ होटलों पर कर्मियों की पहचान के नाम पर हंगामा, एक पक्ष पर एफआईआर, दूसरे पक्ष को पुलिस नोटिस

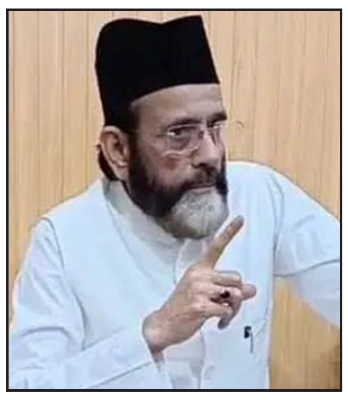

मुजफ्फरनगर। कांवड़ यात्रा से पहले जिले में धार्मिक पहचान को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। योग साधना आश्रम बघरा के पीठाधीश्वर स्वामी यशवीर महाराज द्वारा कांवड़ मार्ग पर होटलों और ढाबों के कर्मचारियों की धार्मिक पहचान के लिए शुरू कराया गया अभियान विवादों के केंद्र में है। पंडित जी वैष्णो ढाबा पर हुई मारपीट की घटना के बाद जहां होटल बंद पड़ा है, वहीं एक पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है और दूसरे पक्ष से जुड़े छह हिंदूवादी नेताओं को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। इस पूरे मामले ने न केवल स्थानीय प्रशासन को उलझा दिया है, बल्कि राजनीतिक और धार्मिक हलकों में भी हलचल मचा दी है। पहले एआईएमआईएम प्रमुख सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस अभियान की निंदा की और अब इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने इसे 'देशी आतंकवाद' करार देते हुए तीखा बयान दिया है।मौलाना तौकीर ने कहा कि कांवड़ यात्रा के नाम पर ढाबों पर कर्मचारियों के कपड़े उतरवाकर धार्मिक पहचान की जा रही है। यह वही मानसिकता है, जो जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमले के दौरान आतंकियों की थी। फर्क सिर्फ इतना है कि वे विदेशी थे, ये देशी हैं। ऐसे लोगों पर भी उसी तरह की सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सब्जी और फल बेचने वालों से यात्रा कैसे अपवित्र हो सकती है, यह समझ से परे है। यदि प्रशासन

❒ इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष ने की तीखी निंदा, कहा-यह देशी आतंकवाद, कार्रवाई होनी चाहिए

की ओर से किसी तरह की पहचान या नेमप्लेट का निर्देश है, तो उसका पालन होना चाहिए, लेकिन इस तरह की जबरन कार्यवाहियां अनुचित हैं। मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिम समुदाय को नसीहत देते हुए कहा कि अगर मुसलमान दाढ़ी और टोपी से अपनी पहचान स्पष्ट करेंगे, तो कोई सवाल नहीं उठेगा। जब तक आप पहचान छिपाते रहेंगे, तब तक ऐसी ही जिल्लत का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि किसी नई परंपरा पर रोक लगाने के नियम सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा की पूरी राजनीति मुस्लिम विरोध पर आधारित है। अगर मुसलमानों का नाम न हो और उनके खिलाफ नफरत न फैलाई जाए, तो भाजपा को चुनाव में मुद्दा ही नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह सत्ता के लिए देश को नुकसान पहुंचाने की राजनीति है।

पहले ओवैसी ने उठाए थे सवाल, साध्वी प्राची ने किया समर्थन

इससे पहले सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि मुजफ्फरनगर में कुछ संगठन होटल जाकर कर्मियों से आधार कार्ड मांग रहे हैं। क्या प्रशासन अब इन्हीं संगठनों के हवाले कर दिया गया है? उधर, साध्वी प्राची ने इस अभियान का समर्थन करते हुए बयान दिया कि थूक और मूत्र जिहाद की मानसिकता से यात्रा अपवित्र होती है। ऐसे में कांवड़ मार्ग पर होटलों और ढाबों पर पहचान की प्रक्रिया जरूरी है।

रेखा गुप्ता के बंगले के रेनोवेशन पर बवाल

❒ 60 लाख के टेंडर में टीवी-एसी से लेकर झूमर और गीजर तक शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। इस बार विवाद की वजह बना है मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बंगले का रेनोवेशन, जिसके लिए लोक निर्माण विभाग (PWD) ने 60 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। खास बात यह है कि यह टेंडर किसी निर्माण कार्य के लिए नहीं, बल्कि केवल साज-सज्जा और इलेक्ट्रिकल फिटिंग के लिए निकाला गया है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ने इसे लेकर सरकार को घेरा है, जबकि आप ने मुख्यमंत्री के बंगले को 'माया महल' की उपमा दे दी है।

रेखा गुप्ता को दो बंगले आवंटित हुए हैं, जिनमें बंगला नंबर-1 को उनके निजी निवास के रूप में रेनोवेट किया जा रहा है। पहले यह बंगला उपराज्यपाल के कार्यालय के रूप में प्रयोग होता था। इस कारण इसके कई कमरों को छोटे-छोटे क्यूबिकल्स में बांट दिया गया था। अब मुख्यमंत्री के रहने के लिए इसे नए सिरे से सजाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता फिलहाल अपने शालीमार बाग स्थित निजी निवास में रह रही हैं। बताया गया था कि वह लुटियंस दिल्ली में नया आवास चाहती थीं, लेकिन उपलब्धता के चलते उन्होंने यह बंगला चुना। जारी टेंडर के अनुसार, बंगले के पहले चरण में इलेक्ट्रिकल और इंटीरियर फिटिंग्स कराई जाएंगी।

विपक्ष ने उठाए सवाल

आम आदमी पार्टी ने इसे 'भाजपा का माया महल' करार देते हुए कहा है कि एक तरफ भाजपा नेता अरविंद केजरीवाल के बंगले पर हमला बोलते हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद सीएम बंगले पर झूमर, स्मार्ट टीवी और लग्जरी आइटम्स पर खर्च कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इसे जनता के पैसों की बर्बादी बताया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा अक्सर केजरीवाल सरकार को 'शीशमहल' मामले में घेरती रही है। अब खुद के मुख्यमंत्री आवास पर लग्जरी खर्च की खबर सामने आने से भाजपा की नैतिक स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

भाजपा सरकार में जैनों पर हो रहा खुला अन्याय: गिरनार तीर्थ विवाद पर होगा आंदोलन

मुजफ्फरनगर- गिरनार तीर्थ पर निर्वाण लड्डू और पूजा सामग्री चढ़ाने से रोके जाने के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। जैन एकता मंच 'युवा शाखा' के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव जैन ने भाजपा सरकार पर जैन समाज के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया है। उन्होंने तीखा बयान देते हुए कहा कि भाजपा सरकार जैन तीर्थ गिरनार पर असामाजिक तत्वों की खुलकर मदद कर रही है, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। गौरतलब है कि गुजरात के जूनागढ़ में स्थित गिरनार पर्वत जैन धर्म का पवित्र तीर्थ स्थल है, जिसकी पांच टोंकें जैन श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पूजनीय मानी जाती हैं। यहीं जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ की तपोस्थली और निर्वाण भूमि मानी जाती है। प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु यहां मोक्ष पर्व के अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाकर पूजा अर्चना करते हैं। लेकिन वर्ष 2016 के बाद से असामाजिक तत्वों की अराजकता और सरकारी प्रतिबंधों के चलते श्रद्धालु निर्वाण लड्डू व अन्य पूजा सामग्री चढ़ाने से वंचित हैं। गौरव जैन ने बताया कि इस वर्ष 2 जुलाई को नेमिनाथ निर्वाण दिवस के अवसर पर जब श्रद्धालु गिरनार यात्रा पर पहुँचे, तो प्रशासन द्वारा पहले ही एक नोटिस बोर्ड लगा दिया गया था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि प्रथम टोंक के बाद यदि कोई श्रद्धालु धार्मिक नारे लगाएगा या उसके पास पूजा सामग्री अथवा लड्डू पाए गए, तो उसके विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस नोटिस की आड़ में कई यात्रियों के साथ बदसलूकी और अभद्रता की गई, जिससे श्रद्धालु आक्रोशित हैं। गौरव जैन ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी समय में जैन समाज को आश्वासन देती है, परन्तु सत्ता में आते ही आंखें मूंद लेती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह खुला धोखा भाजपा को आगामी समय में भारी पड़ेगा, और जैन समाज लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगा। उन्होंने मांग की कि 17 फरवरी 2005 को न्यायालय द्वारा दिए गए आदेशों का तत्काल अनुपालन किया जाए, जिसमें स्पष्ट कहा गया था कि जैन श्रद्धालु अपनी परंपरा के अनुसार पूजा कर सकते हैं और अवैध रूप से स्थापित सभी वस्तुओं को हटाया जाना चाहिए। गौरव जैन ने यह भी चेताया कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो जैन समाज अपने आंदोलन को और तेज करेगा।

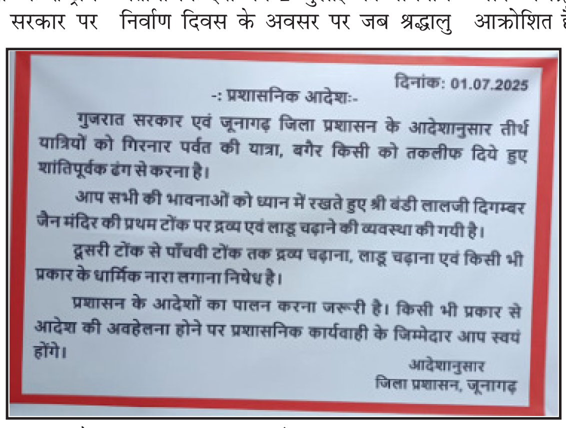

दिनांक: 01.07.2025

-: प्रशासनिक आदेश:-

गुजरात सरकार एवं जूनागढ़ जिला प्रशासन के आदेशानुसार तीर्थ यात्रियों को गिरनार पर्वत की यात्रा, बगैर किसी को तकलीफ दिये हुए शांतिपूर्वक ढंग से करना है।

आप सभी की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए श्री बंडी लालजी दिगम्बर जैन मंदिर की प्रथम टोंक पर द्रव्य एवं लाडू चढ़ाने की व्यवस्था की गयी है।

दूसरी टोंक से पाँचवी टोंक तक द्रव्य चढ़ाना, लाडू चढ़ाना एवं किसी भी प्रकार के धार्मिक नारा लगाना निषेध है।

प्रशासन के आदेशों का पालन करना जरूरी है। किसी भी प्रकार से आदेश की अवहेलना होने पर प्रशासनिक कार्यवाही के जिम्मेदार आप स्वयं होंगे।

आदेशानुसार
जिला प्रशासन, जूनागढ़

मोबाइल कांड में फंसे पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी को मिली जमानत

मुजफ्फरनगर। जेल में बंद पूर्व विधायक शाहनवाज राना के मोबाइल कांड में फंसे बिजनौर के पूर्व विधायक मौहम्मद गाजी की जमानत मंजूर हो गई है। गाजी ढाई माह से जेल में बंद है। जमानत मंजूर होने के बाद एक दो दिन में उनकी रिहाई हो सकती है। मुजफ्फरनगर जेल में रहते हुए पूर्व विधायक शाहनवाज राना के पास से जेल प्रशासन ने मोबाइल बरामद करते हुए एफआईआर कराई थी। पुलिस जांच में आया था कि शाहनवाज के समधी और बिजनौर जिले के पूर्व विधायक मौहम्मद गाजी ने अपने नौकर समीर की आईडी पर सिम उपलब्ध कराया था। नई मंडी पुलिस ने 18 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था, तब से ही गाजी जेल में बंद चल रहे थे। इस प्रकरण में निचली अदालत से जमानत अर्जी निरस्त हो जाने के बाद बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद पूर्व विधायक मौहम्मद गाजी की जमानत को मंजूर कर लिया है। जमानत मिलने पर पूर्व विधायक गाजी और शाहनवाज राना के समर्थकों ने राहत की सांस ली है।

❒ जेल में बंद पूर्व विधायक शाहनवाज राना को अपने नौकर की आईडी पर सिम उपलब्ध कराने में जेल गए थे गाजी

अब इस मामले में जेल में बंद हैं शाहनवाज

सहायक आयुक्त राज्य कर खंड आठ प्रद्युम्न चौधरी ने पिछले साल नौ दिसंबर को सिविल लाइन थाने में सर्व जंबूदीप एक्सपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर पूर्व विधायक के बेटे शाह आजम राना के अलावा कामरान राना, जिया अब्बास जैदी और तौसीफ कुरैशी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। वादी का कहना था कि जंबूदीप एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट लिमिटेड के जीएसटी नंबर के विरुद्ध प्राप्त इनपुट के आधार पर कंपनी की जांच 2018-19 में राज्य कर विशेष अनुसंधान शाखा ने की थी। कंपनी की ओर से जो प्रपत्र प्रस्तुत किए गए, उनमें फर्जी कागजात मिले। राना को पहले जीएसटी टीम पर हुए हमले का आरोपी बनाया गया था।

बम-बम के जयकारों से गूंजने लगा नगर

❒ हरिद्धार से पवित्र गंगा जल लेकर अपने गंतव्यो की और प्रस्थान कर रहे है शिवभक्त

मुजफ्फरनगर। सावन माह के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। शुक्रवार को मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध शिव चौक पर बड़ी संख्या में कांवड़ियों का आगमन शुरू हो गया। शिवभक्तों के बम बम भोले और शहर हर महादेव के गगनभेदी जयघोष से शिव चौक सहित आसपास का इलाका भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। सुबह से ही कांवड़ियों का जत्था शिव चौक पहुंचने लगा। रंग-बिरंगे वस्त्रों में सजे, कंधों पर कांवर लिए भक्तों के चेहरों पर अद्भुत उत्साह और भक्ति का भाव देखा गया। जगह-जगह शिवभक्तों के स्वागत के लिए भंडारे, जलपान और विश्राम की व्यवस्था की गई है। व्यापारियों, स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने श्रद्धालुओं के लिए फल, शरबत, पानी, शीतल पेय और चिकित्सा शिविर भी लगाए हैं। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस ने भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को पुख्ता किया है। शिव चौक और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के जवान तैनात हैं ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। सुरक्षा को देखते हुए सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है।

पुलिस ने बनाई पुख्ता व्यवस्था

प्रशासन ने कांवड़ियों और आमजन से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, अनुशासन बनाए रखें और एक-दूसरे का सहयोग करें। पुलिस अधी क्षक सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त की जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष टीमें तैयार रखी गई हैं।

मेडिकल वेस्ट प्लांट के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों से मिले सांसद हरेन्द्र मलिक

❒ ग्रामीणों के जीवन से बड़ा कोई मुद्दा नहीं, सरकार तक पहुंचाऊंगा आवाज: सांसद

❒ चांदपुर-मखियाली में एक माह से जारी है ग्रामीणों का धरना, बदबू और बीमारियों के खतरे का जताया अंदेशा

मुजफ्फरनगर। चांदपुर-मखियाली क्षेत्र में निमार्णाधीन मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद हरेन्द्र मलिक का समर्थन मिला। सांसद धरना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्रामीणों की बात को सरकार और प्रशासन तक पूरी ताकत के साथ उठाया जाएगा। ग्रामीणों ने सांसद को बताया कि शुरू में प्लांट पर 'आइस फैक्ट्री' का बोर्ड लगाया गया था। लेकिन 25 जून को जब भाजपा लोकतंत्र हत्या दिवस मना रही थी, उसी दिन फैक्ट्री मालिक ने बोर्ड बदलकर 'वेस्ट मेडिकल मैनेजमेंट प्लांट' का बोर्ड लगा दिया। यह देख ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और धरना शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह

पूरी प्रक्रिया धोखे और गुपचुप तरीके से की गई, ताकि स्थानीय जनता को भनक तक न लगे। चांदपुर और आसपास के मखियाली, पंचेंडा, जट मुझेड़ा, तिगरी सहित लगभग 8-10 गांवों के ग्रामीणों ने सांसद को बताया कि पहले से ही इलाके में करीब 20 फैक्ट्रियां मौजूद हैं, जिनसे जल और वायु प्रदूषण फैल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अब मेडिकल वेस्ट प्लांट शुरू हुआ तो बदबू, संक्रामक बीमारियों और पर्यावरणीय संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। धरना दे रहे ग्रामीणों का कहना है कि कई नेता और अधिकारी मौके पर आए, लेकिन सभी सिर्फ आश्वासन देकर चले गए। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद कुछ अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचे, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। इससे ग्रामीणों में प्रशासन को लेकर निराशा और रोष दोनों है। धरना स्थल पर पहुंचे सांसद हरेन्द्र मलिक ने साफ कहा कि ग्रामीणों के जीवन और स्वास्थ्य से बड़ा कोई भी मुद्दा नहीं है। यदि यह प्लांट प्रदूषण को बढ़ावा देता है तो जीवन संकट में आ जाएगा। मैं ग्रामीणों के साथ हूं और सरकार तक उनकी आवाज पहुंचाऊंगा। उन्होंने जिला प्रशासन से भी अपील की कि वे स्थानीय जनता की आपत्तियों को गंभीरता से लें और समस्या का स्थायी समाधान निकालें।

द्वारिका सिटी में दिनदहाड़े चोरी की वारदात पर पहुंचे राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल

❒ पीड़ित परिवार से मिले, अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दिया आश्वासन

❒ योगी सरकार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं': राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल

मुजफ्फरनगर। नगर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल शुक्रवार सुबह द्वारिका सिटी पहुंचे, जहां गुरुवार को एक परिवार के घर में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई थी। मंत्री ने पीड़ित अमित वत्स के आवास पर पहुंचकर उनके परिवार से मुलाकात की, उन्हें सांत्वना दी और प्रशासन को अपराधियों के खिलाफ त्वरित एवं सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मौके पर पहुंचकर जांच अधिकारियों को बुलवाया और पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोरतम कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि योगी सरकार में अपराध और अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं है।मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता जन सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना है। इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि इस मामले में कोई ढिलाई न बरती जाए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। मंत्री के दौरे के दौरान स्थानीय निवासियों ने भी चोरी की घटना को लेकर चिंता जताई और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। लोगों का कहना था कि दिनदहाड़े घर में घुसकर चोरी होना बेहद चिंताजनक है और इससे आमजन में भय का वातावरण बनता है।

अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री के प्रति सतर्क रहें नागरिक: अनिल कुमार

मुजफ्फरनगर। प्रमुख सचिव एवं आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में एवं जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-1, सदर अनिल कुमार द्वारा आज थाना पुरकाजी में थाना प्रभारी के साथ ग्राम प्रधानों, चौकीदारों तथा समाजसेवी और कावंड शिविर संचालकों के साथ कानून व्यवस्था एवं अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री से संबंधित जानकारी साझा करने हेतु बैठक की गई। आहूत बैठक में उपस्थित सभी लोगों को आबकारी निरीक्षक द्वारा अपना सी.यू.जी. मोबाईल नम्बर एवं आबकारी विभाग का टोल फ्री नम्बर उपलब्ध कराते हुए अपील की गई कि यदि किसी भी व्यक्ति को अवैध शराब के निर्माण/बिक्री आदि से सम्बन्धित कोई भी सूचना प्राप्त होती है, तो वह तत्काल उनके मोबाईल नम्बर पर अवगत करायें। सूचना उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जायेगा। आबकारी निरीक्षक अनिल कुमार की अपील का सभी ग्राम प्रधानों, चौकीदारों एवं समाजसेवी गणमान्य नागरिकों तथा कांवड सेवा शिविर संचालकों ने समर्थन करते हुए कहा कि वह बेहद ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं और सभी नागरिकों ने अनिल कुमार को अपना हरसम्भव सहयोग देने का पूर्ण भरोसा दिलाया।

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्रीमती इन्दु, पत्नी श्री अमित कुमार, निवासी 225, गाजावाली, जिला-मुजफ्फरनगर, उ0प्र0 के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं0-MZDA/BP/24-25/0674 के द्वारा अपनी भूमि खसरा नं0-3315, 3316, 3319, 3325 व 3339, मौहल्ला-द्वारिकापुरी, जिला-मुजफ्फरनगर के कुल नेट क्षेत्रफल 118.14 वर्गमी0 पर "व्यावसायिक (दुकान) भवन" के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अवगत कराना है कि प्रश्नगत स्थल खसरा नं0-3315, 3316, 3319, 3325 व 3339, मौहल्ला-द्वारिकापुरी, जिला-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग मुजफ्फरनगर महायोजना-2031(पुनरीक्षित) के अनुसार "आवासीय(400 से 750 व्यक्ति/हेक्टेयर)" भू-उपयोग में दर्शित है। मुजफ्फरनगर महायोजना-2031 (पुनरीक्षित) के जोनिंग रेगूलेशन(मैट्रिक्स) के 2.1 के अनुसार "आवासीय(400 से 750 व्यक्ति/हेक्टेयर)" भू-उपयोग के अन्तर्गत "फुटकर दुकान" की क्रिया सशर्त अनुमन्य उपयोग(न्यूनतम 12 मीटर चौडे मार्ग पर) के अन्तर्गत अनुमन्य है। मुजफ्फरनगर महायोजना-2031(पुनरीक्षित) के जोनिंग रेगूलेशन के अध्याय-11 के प्रस्तर-11.1.6(1) के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/ क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेगूलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य/विशेष अनुमति से अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेगें एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव प्रकाशन तिथि से 01 माह की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल(mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सूचना

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र सं. 964/11/12/2021 में नियमों की जानकारी न होने के कारण मेरे द्वारा पुत्र का नाम अंकित नहीं कराया गया था। मेरे पुत्र का वास्तविक नाम अद्धिक जावला है और भविष्य में भी इसी नाम से जाना जायेगा। नाम पंजीकरण हेतु शपथ पत्र विभाग में प्रस्तुत किया गया है।

निवेदक: गौरव कुमार
गांव-बेलडा, तहसील-जानसठ
जिला-मुजफ्फरनगर
मो. 9888222910

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

❒ शराब छुड़ाएं ❒ धूम्रपान छुड़ाएं

खोई हुई ताकत व जवानी दोबारा प्राप्त करें।

शराबी को लाने/बताने की जरूरत नहीं
जर्दा, तम्बाकू, स्मैक, नौरफीन, अफीम, मारफीन, प्रोक्सीवोन, हैरोइन, चेहरे के अनचाहे बाल हटायें, डोडे (पोस्त), फैंसीडिल, कौरेक्स, मैथाडोन व धूम्रपान से पक्का छुटकारा

सेहत ऐसा अनमोल खजाना है, जिसके सामने दुनिया के सभी खजाने फीके हैं।

दुबले-पतले व्यक्ति का कोई आक र्कि व्यक्तित्व नहीं होता वह चाहे कितना भी शक्तिशाली, दृढ़ व स्वस्थ हो लोग उसे कमजोर ही समझते हैं।

रोजाना मिलें सुबह 10 से शाम 5 बजे

सेहत की बात

दुबले-पतले पिचके गाल हो तो आदमी जवानी में भी बूढ़ा लगने लगता है। शादी-विवाह, दोस्तों, मित्रों के सामने अपने को पेश करने में शर्मिंदगी महसूस होती है।

हमारी दवा से सभी नौजवान लड़के-लड़कियां आसानी से सेहत बना सकते हैं। इस दवा से आपकी भूख बढ़ेगी, खाया-पिया लगेगा, सेहत बनेगी, ताकत पैदा होगी, वजन बढ़ने लगेगा।

यह दवा आपके अंदर के विकारों को दूर करके नया जोश, नयी ताकत, नया खून तेजी से बनाती है। चुस्ती-फूर्ती, पैदा कर तदंरूस्ती बनायेगी। चेहरे पर लाली आयेगी। पिचके हुए गाल भर जायेंगे और आप मोटे-तगड़े, सुन्दर सेहतमंद हो जायेंगे। परामर्श निःशुल्क लें।

शंकर दवाखाना
गली पान, दाल मंडी मुजफ्फरनगर
फोन-0131-2432326, 9719442124

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

शनिवार 5 जुलाई 2025, पृष्ठ-3

व्यापारी नेता संजय मित्तल के खिलाफ नई मंडी थाने में मुकदमा दर्ज, लगे गंभीर आरोप

मुजफ्फरनगर। नयी मंडी में गुड़ मंडी एसोसिएशन के अध्यक्ष और शहर के वरिष्ठ व्यापारी नेता संजय मित्तल एक गंभीर विवाद में घिर गए हैं। शहर के व्यापारी अनुकूल कुच्छल द्वारा संजय मित्तल, तनु शर्मा और अन्य के खिलाफ एक आपराधिक याचिका एसीजेएम कोर्ट में दायर की गई है, जिसमें धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग, जबरन शादी कराने और करोड़ों की ठगी जैसे संगीन आरोप लगाए गए हैं। नयी मंडी में तरंग संगीत केंद्र के संस्थापक स्वर्गीय अनिल विक्षित के पुत्र अनुकूल कुच्छल की ओर से दाखिल की गई याचिका के अनुसार, संजय मित्तल द्वारा उन्हें एक लड़की (तनु शर्मा) से विवाह कराने के नाम पर झांसे में लिया गया। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उन्हें यह जानकारी नहीं दी गई कि लड़की किन्नर है और उन्हें मानसिक दबाव में लाकर शादी के लिए मजबूर किया गया। शादी के बाद जब उन्हें सच्चाई का पता चला तो उन्होंने रिश्ते से इनकार किया, लेकिन इसके बाद ब्लैकमेल कर उनसे लाखों रुपये हड़पने का प्रयास किया गया। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि पीड़ित से 25 लाख रुपये की मांग की गई और इनकार करने पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए। पीड़ित पक्ष का कहना है कि यह सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से संजय मित्तल के माध्यम से कराया गया। अनुकूल कुच्छल ने इस मामले में एसीजेएम देवेंद्र सिंह फौजदार की अदालत में याचिका दाखिल की थी जिनके आदेश पर थाना नई मंडी ने संजय मित्तल व अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोर्ट में प्रस्तुत याचिका के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धाराएं 323, 406,420,504,506,342, 120B धाराएं लगाई गई हैं। इस मामले में संजय मित्तल समेत उनके ड्राइवर हरिशंकर शर्मा, मधु शर्मा, कोमल शर्मा, लवी शर्मा, गणेश कश्यप, ओमकार कश्यप, समेत दो तीन अज्ञात को आरोपी बनाया गया है।

इस पूरे मामले में व्यापारी नेता संजय मित्तल ने सभी आरोपों को बेबुनियाद और निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ एक साजिश के तहत यह झूठा मामला गढ़ा गया है। उन्होंने बताया कि उनके ड्राइवर हरिशंकर शर्मा की बेटी तनु का रिश्ता अनुकूल कुच्छल के साथ किया गया था लेकिन इसमें विवाद होने पर उन्होंने सामाजिक स्तर पर फैसला कराया था, उन पर ये आरोप जानबूझकर उन्हें बदनाम करने के लिए लगाए गए है। संजय मित्तल का कहना है कि वह जल्द ही अदालत में याचिका दाखिल कर इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करवाएंगे। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला प्रयास बताया।

पूर्व प्रधान का अपहरण, मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, छह गिरफ्तार

मुज़फ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज अपहरण कांड सामने आया है। गांव निजामपुर के पूर्व प्रधान कुलदीप का अपहरण कर उन्हें 22 घंटे तक कार में बंधक बनाकर रखा गया। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गोली लगने के साथ गिरफ्तार किया, जबकि चार अन्य आरोपियों को भी दबोच लिया गया। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से फिरौती की रकम, हथियार और एक कार बरामद की है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने पुलिस लाइन में खुलासा करते हुए बताया कि कुलदीप को उनके ही घर से बुलाकर कुछ बदमाश अल्टो कार में जंगलों में घुमाते रहे। इस दौरान उन्हें पीटते हुए लगातार उनके परिवार से रू. 1 लाख की फिरौती मांगी गई। हालांकि, परिवार ने पहले पुलिस को सूचना देने से इनकार किया, लेकिन सुराग मिलने पर पुलिस ने सक्रियता दिखाई और सीओ खतौली, एसओजी, सर्विलांस व मंसूरपुर पुलिस की टीम ने बदमाशों को ट्रैक कर लिया। पुलिस जब बदमाशों के पास पहुंची तो मुठभेड़ हो गई, जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। पूछताछ में पता चला कि पीड़ित कुलदीप के पास हरिद्वार स्थित करोड़ों की संपत्ति की पावर ऑफ अटॉर्नी थी, जिसे हथियाने के उद्देश्य से यह पूरा षड्यंत्र रचा गया। एसएसपी ने बताया कि बदमाश फिरौती के साथ संपत्ति पर दबाव बनाने के लिए कुलदीप को अगवा कर जंगलों में घुमाते रहे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है।

भोपा पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गिरोह के बदमाशों को किया गिरफ्तार

ट्यूबवैल चोरी की घटनाओ को दे रहे थे अंजाम

मोरना। भोपा पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गिरोह को संचालित करने वाले शातिर सरगना सहित उसके पांच साथियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरों से पूछताछ कर क्षेत्र तथा क्षेत्र से बाहर ट्यूबवेल चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए चोरी के सामान को बरामद किया गया है। गिरफ्तार शातिर चोरों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के मोरना- भोपा मार्ग पर चीनी मिल करहेडा राजवाहा पटरी पर छापेमारी की, जहां पुलिस ने संदिग्ध हालत में छः व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्तियों ने अपना नाम सोनू पुत्र गोकल निवासी शुक्रताल, वकील पुत्र नफीस निवासी आजाद चौक, शामली, काला उर्फ सोनू पुत्र राजपाल निवासी कपूरी, थाना नकुड, सहारनपुर, जयकुमार पुत्र रघुवीर निवासी झबीरन, थाना बडगांव, सहारनपुर, रोशन पुत्र सहेला, निवासी लालवाला, थाना चिलकाना, सहारनपुर, युसुफ पुत्र लईक, निवासी माता मंदिर के पास, गौशाला रोड, शामली बताए। पूछताछ के दौरान चोरों ने बताया कि वह सरगना जयकुमार के साथ मिलकर ट्यूबवैल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं। जिनमें जनपद के थाना भोपा सहित ककरौली, फुगाना, बुढाना, भौरा कलां थाना क्षेत्र में चोरी की घटना की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। साथ ही निकटवर्ती राज्य हरियाणा के सोनीपत, पानीपत आदि स्थानों पर भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। थाना भोपा क्षेत्र के गांव जौली के जंगल सहित दो अन्य स्थानों पर ट्यूबवैल पर चोरी करना स्वीकार किया है। चोरों से पुलिस ने तांबे के तार, क्वायल, टूटी मोटर का सामान, केबल, स्टार्टर आदि सामान बरामद हुआ है। जयकुमार, सोनू, काला, रोशन के साथ मिलकर ट्यूबवैल पर चोरी को अंजाम देते थे तथा वकील व युसुफ को सामान लाकर बेचते थे। बाद में वकील व युसुफ भी चोरी की घटनाओं में शामिल हो गये। थाना प्रभारी निरीक्षक ने आगे बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति क्षेत्र मे चोरी की घटना को अंजाम देने की फिराक मे थे।चोरों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

मुज़फ्फरनगर की फर्म के नाम पर 45 करोड़ की जीएसटी चोरी, फर्जीवाड़े में 248 करोड़ के बिल शामिल

मुज़फ्फरनगर। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) मेरठ यूनिट ने 45 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। गिरोह ने फर्जी दस्तावेजों और ओटीपी के सहारे लोगों के नाम पर फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों के इनवॉइस जारी किए। इस गिरोह के जरिए करीब 248 करोड़ रुपये के फर्जी बिल बनाए गए, जिन पर 45 करोड़ रुपये का टैक्स बनता है। गिरोह का सरगना और एक अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। यह मामला मुजफ्फरनगर के खतौली क्षेत्र के गांव बड़सू निवासी अश्वनी गुप्ता की शिकायत के बाद सामने आया। 2 सितंबर 2024 को अश्वनी ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दी थी कि एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला ने उनसे व्हाट्सएप के जरिये आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली का बिल और हाईस्कूल की मार्कशीट मांगी। ओटीपी भी फोन पर ले लिया गया। रजिस्ट्रेशन के नाम पर 1750 रुपये भी ट्रांसफर कराए गए। कुछ ही समय बाद उनके नाम पर के ट्रेडर्स नाम की एक फर्म जीएसटी पोर्टल पर रजिस्टर्ड हो गई, जिसके जरिए करोड़ों के फर्जी बिल अपलोड किए गए। अश्वनी की शिकायत के आधार पर जब जांच की गई, तो पूरे

फर्जीवाड़े की परतें खुलती गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस महानिदेशक, कानून व्यवस्था ने इसकी जांच एसटीएफ को सौंप दी। एसटीएफ मेरठ यूनिट ने तकनीकी सर्विलांस के जरिये गिरोह की लोकेशन ट्रेस कर ली और कर्नाटक के कैपेगोड़ा नगर, बंगलुरू से राजस्थान के रहने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपी राजस्थान के बाड़मेर जिले के रहने वाले हैं और आपस में रिश्तेदार हैं। इनमें रतना राम (गांव गोलिया गरवा, थाना आजीटी), ओमप्रकाश (गांव गोलिया गरवा, थाना आजीटी), हनुमान राम (गांव गोलिया गरवा, थाना आजीटी), बुद्धाराम (गांव दबड़, थाना गुडामालानी), संतोष कुमार (गांव डाबड, थाना गुडामालानी) शामिल हैं। इनके कब्जे से 13 मोबाइल फोन, एक प्रिंटर, विभिन्न कंपनियों की आठ बिल बुक, चार रबड़ की मुहरें, एक नंबरिंग मशीन, चार चेक बुक और तीन कारें बरामद की गईं। सभी आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर मुजफ्फरनगर लाया गया है। एसटीएफ की जांच में सामने आया कि ये आरोपी 100 से अधिक फर्जी कंपनियों के नाम पर ई-वे बिल और इनवॉइस जारी करते थे, जिससे कंपनियों को जीएसटी चोरी का रास्ता मिल जाता था। इन कंपनियों के नाम पर बड़े-बड़े ट्रांजेक्शन दिखाए जाते थे, लेकिन असल में कोई व्यापार नहीं होता था। गिरोह के दो मुख्य सरगना अभी फरार हैं। एसटीएफ ने उनकी पहचान कर ली है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है।

गांव में तमाशा दिखा रहे मदारी को दबंगों ने पीटा, मुकदमा दर्ज

मोरना। खेल तमाशा दिखाकर भीख मांगने वाले मदारी को दबँगो ने मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं मदारी के साथ सरेआम हुई मारपीट की घटना से रोष व्याप्त हो गया। घटना पर संज्ञान लेकर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जडवड़ में बच्चों को खेल तमाशा दिखाने के बाद खाना खा रहे मदारी पर दबंग युवकों ने गाली-गलौज कर हमला करते हुए धारदार से वार लहूलुहान कर दिया। शोर सुनकर आये ग्रामीणों ने मदारी की जान बचाई। पीड़ित शेब अली निवासी मोहल्ला अगवानपुर, थाना मवाना जिला मेरठ ने बताया की वह गन्ना कोल्हू मे मजदूरी का कार्य करता है। बरसात के मौसम मे गांव गांव मे जाकर खेल तमाशा दिखाकर आजीविका चलाता है। गुरुवार को वह जडवड़ गांव में खेलदिखा कर भोजन कर रहा था, तभी गांव कटिया निवासी शौरभ और प्रिंस उर्फ आदित्य वहां आए और अचानक उसके साथ मारपीट करने लगे। दोनो ने गालियां देते हुए उसके साथ अकारण ही मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने थाना ककरौली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुई मीनाक्षी स्वरूप

मुजफ्फरनगर के विकास के लिए बनेगी नई कार्ययोजना

मुजफ्फरनगर। नगरपालिका परिषद् मुजफ्फरनगर की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने देश के पहले शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। यह ऐतिहासिक सम्मेलन हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर के आईसीएटी सेंटर में 3 और 4 जुलाई को आयोजित हुआ, जिसमें देशभर के प्रमुख नगरीय निकायों के अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया था। आयोजन का उद्देश्य नगर विकास, जनसेवा और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करना, नवाचारों से परिचित कराना और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नगर निकायों की भूमिका को स्पष्ट करना रहा। पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि यह मंच नगर निकायों की भूमिका को लेकर संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा, जिसमें उन्होंने मुजफ्फरनगर नगर क्षेत्र के विकास के लिए नई प्रेरणा और दृष्टिकोण प्राप्त किया। उन्होंने सम्मेलन में भाग लेना एक गर्वपूर्ण अनुभव बताते हुए कहा कि अब इस अनुभव और ज्ञान

का उपयोग शहर के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान शहरी प्रशासन, पारदर्शिता, नागरिक संपर्क और सेवा की प्रभावशीलता पर चर्चा हुई, जिसमें कई नवाचारों और योजनाओं की जानकारी मिली। मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि वे इन बिंदुओं को पालिका के सभासदों और अधिकारियों के साथ साझा कर जल्द ही एक ठोस कार्ययोजना तैयार करेंगी, ताकि मुजफ्फरनगर को स्वच्छ, सुंदर और हरित शहर बनाया जा सके। मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि नगरपालिका नागरिकों के जीवन से सीधे जुड़ी इकाई होती है, और इसी भावना से कार्य करते हुए वह पहले दिन से ही जनता की समस्याओं को प्राथमिकता पर रखकर समाधान की दिशा में प्रयासरत रही हैं। उन्होंने सम्मेलन को जनप्रतिनिधियों के लिए एक प्रेरणादायक मंच बताया, जहां लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल समेत कई प्रमुख नेताओं के विचार सुनने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि यह संवाद नगर सेवा को बेहतर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा और पालिका प्रशासन को और अधिक जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में सहायता करेगा। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रमुख उद्यमी गौरव स्वरूप भी मौजूद रहे। पालिका चेयरपर्सन ने कहा कि यह सम्मेलन न केवल नगर विकास की दिशा में नई दिशा प्रदान करता है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के भीतर नई ऊर्जा और संकल्प भी भरता है। जल्द ही एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर मुजफ्फरनगर की जनता को नई सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी।

मोहर्रम जुलूस मार्ग का निरीक्षण, सुरक्षा के लिए सेक्टर स्कीम लागू

मुजफ्फरनगर। आगामी मोहर्रम के जुलूस को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को शिव चौक, भगत सिंह रोड होते हुए नदी रोड तक शिया समुदाय के लोगों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों ने मोहर्रम जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय लोगों द्वारा उठाई गई समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभागों को निराकरण के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, एडीएम प्रशासन, नगर पालिका परिषद की टीम सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने संयुक्त रूप से जुलूस मार्ग की स्थिति का जायज़ा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि मोहर्रम की 10 तारीख को निकलने वाले परंपरागत जुलूस के लिए सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा चुकी है। जिले में सेक्टर स्कीम लागू की गई है, जिसके तहत फोर्स का पर्याप्त डेप्लॉयमेंट किया गया है। सभी प्रमुख चौराहों, मार्गों और नदी क्रॉसिंग पर पुलिस बल तैनात रहेगा। उन्होंने बताया कि जुलूस पारंपरिक मार्ग से ही निकाला जाएगा। नदी क्षेत्र में फिलहाल पानी कम है, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नदी के आर-पार एक मजबूत रस्सी बांधी जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को आसानी से पार कराया जा सके। प्रशासन का उद्देश्य है कि मोहर्रम और अन्य सभी आगामी त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हों। इसी को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को सफाई, प्रकाश व्यवस्था और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

गौ सेवकों ने जंगल से बचाई गौ माता, गो-तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र के मुखियाली गांव में गौ-सेवकों ने समय पर कार्रवाई करते हुए गो-तस्करी के लिए ले जाई जा रही गौ माता को बचा लिया। आरोपित रामकुमार शर्मा को मौके से पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। गौ सेवकों का आरोप है कि आरोपी पहले भी गो-तस्करी में संलिप्त रह चुका है और उसके खिलाफ कई मुकदमे विचाराधीन हैं। जानकारी के अनुसार, पचेंडा गांव निवासी प्रवीण पुत्र जगरोशन सिंह की गाय दूध देना बंद कर चुकी थी। इसी बीच रामकुमार शर्मा नामक व्यक्ति, जो पहले से गो-तस्करी के मामलों में आरोपित रहा है, प्रवीण के घर पहुंचा और खर्च-पानी के नाम पर रू. 1500 लेकर गाय को गौशाला में छुड़वाने की बात कहकर अपने साथ ले गया, लेकिन इसके बाद प्रवीण को संदेह हुआ और उसने रामकुमार को मुखियाली गांव के जंगलों में मोहित नाम के एक युवक और दो अन्य लड़कों के साथ देखा। सभी गाय की तस्करी की योजना बना रहे थे। इस पर प्रवीण ने गौ सेवा दल को सूचना दी। सूचना मिलते ही रोहित त्यागी के नेतृत्व में गौ सेवकों की टीम मौके पर पहुंची और रामकुमार व मोहित को पकड़ लिया, जबकि उनके अन्य साथी फरार हो गए। गौ सेवकों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर चौकी पहुंचाया। पकड़े गए आरोपियों में रामकुमार पर पहले भी दो मुकदमे दर्ज हैं। गौ सेवक रोहित त्यागी ने कहा, हम गौ माता की सेवा में अपना खून भी बहा सकते हैं, लेकिन गौ माता को रोज़ नहीं आने देंगे। गो-तस्करी को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

धारदार हथियारों से हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मोरना। थाना ककरौली क्षेत्र के गांव तेवड़ा निवासी हरेंद्र सैनी ने 10 जून को थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि गांव में उसकी परचून की दुकान है। गांव निवासी एक युवक पर सामान के कुछ रुपए उधार थे। जब वह दुकान पर आया तो पीड़ित ने उससे अपने उधार के रुपए मांगे, जिससे नाराज आरोपी ने अपने साथ के 6 लोगों को बुलाकर पीड़ित पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। थाना पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को रजबहे की पुलिया के पास से मामले में वांछित गांव तेवड़ा निवासी सावेज व साकिब को गिरफ्तार कर चालान किया गया है।

डीएम-एसएसपी ने कांवड़ शिविर संचालकों के साथ की बैठक, दिए निर्देश

मुज़फ्फरनगर। आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। इसी क्रम में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में कांवड़ शिविर संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना रहा। बैठक में डीएम उमेश मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सभी शिविरों के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। शहरी क्षेत्र में नगर मजिस्ट्रेट और ग्रामीण क्षेत्र में संबंधित उप जिलाधिकारी से अनुमति ली जाएगी। उन्होंने शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, टॉयलेट, फायर सेफ्टी, सीसीटीवी कैमरे, कवर की गई विद्युत वायरिंग और आईडी कार्ड जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही प्लास्टिक के प्रयोग से बचने की अपील की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने शिविर संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित कर दी गई है। अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की हिदायत दी गई। इस बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजेन्द्र कुमार, एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, एसपी ग्रामीण आदित्य बंसल, क्षेत्रीय अधिकारी, उप जिलाधिकारी और विभिन्न कांवड़ शिविर संचालक मौजूद रहे।

संपादकीय

500 अरब डॉलर ट्रेड टारगेट से पहले बड़ा पेच?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता महत्त्वपूर्ण चरण में है। दोनों पक्ष इस समझौते के अंतरिम प्रारूप को नौ जुलाई से पहले अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। कई मसलों पर द्विपक्षीय सहमति बन गई है, लेकिन कृषि और डेयरी क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर पेच फंसता नजर आ रहा है। अमेरिकी शुल्क नौ जुलाई से लागू हो जाने की संभावना के बावजूद भारत अपने हितों से कोई समझौता नहीं करना चाहता है।इस सिलसिले में वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव की अगुवाई में वाशिंगटन गए भारतीय दल ने इसके साफ संकेत दिए हैं। हालांकि, भारत चाहता है कि यह व्यापार समझौता जल्द से जल्द हो, लेकिन किसी दबाव में देश के हित की कीमत पर नहीं। इसमें दोराय नहीं कि अगर यह व्यापार समझौता सिरे चढ़ता है तो इससे दोनों देशों को फायदा होगा। मगर, इसके लिए दोनों पक्षों को परस्पर हितों का सम्मान करना होगा, जो अमेरिकी पक्ष की ओर से फिलहाल कुछ मुद्दों पर नजर नहीं आ रहा है।दरअसल, अमेरिका अपने उत्पादों के लिए भारतीय कृषि और डेयरी बाजार में व्यापक पहुंच और शुल्क छूट की मांग कर रहा है। चीन के साथ बढ़ते व्यापार तनाव के कारण अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों को भारत में निर्यात करना चाहता है। लेकिन भारत के लिए इन क्षेत्रों में अमेरिका को शुल्क छूट देना कठिन और चुनौतीपूर्ण है। इसका कारण यह है कि भारत में करोड़ों किसान अपनी आजीविका के लिए खेती में लगे हैं और उनकी जोत का आकार काफी छोटा है।भारत इन क्षेत्रों को लेकर संतुलित समझौते की मांग कर रहा है, ताकि ग्रामीण रोजगार और खाद्य सुरक्षा जैसे अहम मुद्दे सुरक्षित रह सकें। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) की एक रपट में भी भारत की इन चिंताओं का समर्थन कर इन्हें तथ्यों पर आधारित माना गया है। रपट के मुताबकि, अमेरिका को कृषि और डेयरी क्षेत्रों में व्यापक पहुंच उपलब्ध कराने से भारत में कृषि पर निर्भर करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी।अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए इस चरण की वार्ता को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि अमेरिका की ओर से लगाया गया 26 फीसद अतिरिक्त शुल्क नौ जुलाई के बाद लागू हो सकता है। अमेरिका ने इस साल दो अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर यह अतिरिक्त शुल्क लगाया था, लेकिन बाद में इसे नब्बे दिन के लिए टाल दिया गया। हालांकि, अमेरिका का दस फीसद मूल शुल्क अभी भी लागू है।भारत अतिरिक्त 26 फीसद शुल्क से पूरी छूट की मांग कर रहा है। यहां गौर करने वाली बात है कि भारत ने अब तक हस्ताक्षरित किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में अपने डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है। ऐसे में अमेरिका को भारत की चिंताओं को लेकर गंभीरता से विचार करना होगा। अमेरिका डेयरी और कृषि क्षेत्र के अलावा मोटर वाहन विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहन और पेट्रोरसायन उत्पादों पर शुल्क में भी रियायत चाहता है।वहीं, भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए शुल्क छूट की मांग कर रहा है। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 191 अरब अमेरिकी डालर से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 500 अरब डालर तक पहुंचाना है।

किसी भी निर्माण की डिजाइन और प्लानिंग की स्वीकृति के साथ ही प्रशासकीय अनुमोदन शासन स्तर से दिया जाता है. किसी भी निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग सबसे महत्वपूर्ण पक्ष होता है. जब निर्माण में गड़बड़ी के लिए इंजीनियर ही जिम्मेदार हैं, तो फिर शेष पूरे विभाग की क्या जवाबदेही है. प्रशासनिक अक्षमता, गफ़लत और लापरवाही का इस आरओबी से बड़ा दूसरा स्मारक नहीं हो सकता. यह तो मीडिया में उछल गया है. डिजाइन और प्लानिंग की गफलत के कारण ना मालूम कितने निर्माण कार्य अपनी पूरी उपयोगिता साबित नहीं कर पाते. जो लक्ष्य लेकर योजनाएं बनती हैं, खासकर निर्माण विभागों में वह कभी भी पूरी नहीं होतीं।

मॉनिटरिंग क्यों बन गया मनीटरिंग?

(सरयूसुत मिश्रा)

पीडब्ल्यूडी द्वारा राजधानी में बनाए गए नब्बे डिग्री आरओबी ने मध्य प्रदेश की प्रशासनिक छवि को काफी नुकसान पहुंचाया है. इसने वैसा ही काम किया है, जैसा व्यापम के समय प्रदेश को बदनामी मिली थी..!

इसे उद्घाटन से फिलहाल रोक दिया गया है. सुधार के बाद ही यह ओवर ब्रिज चालू हो सकेगा. जब प्रदेश की इतनी बदनामी हुई तो दोषियों के खिलाफ़ एक्शन भी होना ही था. आरओबी की डिजाइनऔर प्लानिंग में शामिल इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है. कुछ रिटायर्ड इंजीनियरों के खिलाफ़ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं. इस मामले में जिस तरह से केवल इंजीनियरों को ही जवाबदेह ठहराया गया है, उससे तो ऐसा लगता है, कि पूरा पीडब्ल्यूडी विभाग केवल इंजीनियरों द्वारा ही चलाया जाता है. फिर मंत्रालय का इतना बड़ा अमला कौन सा काम करता है।

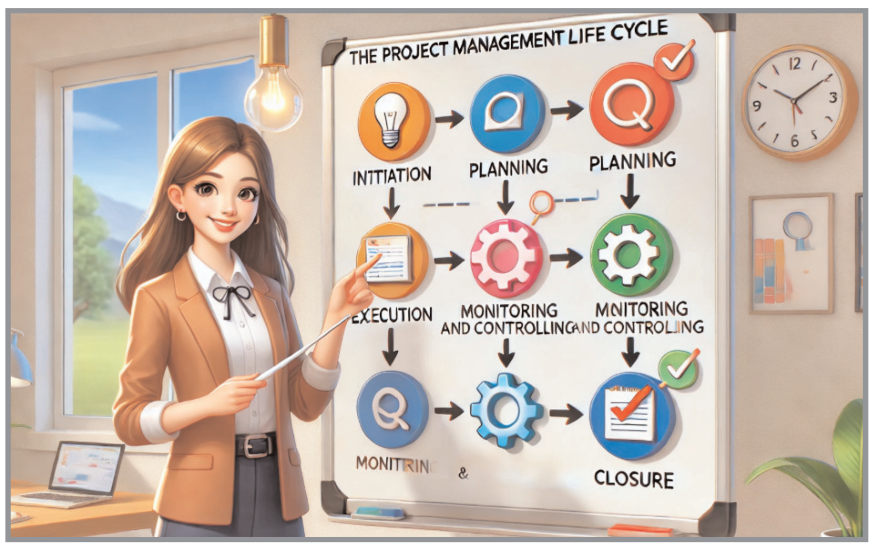

किसी भी निर्माण की डिजाइन और प्लानिंग की स्वीकृति के साथ ही प्रशासकीय अनुमोदन शासन स्तर से दिया जाता है. किसी भी निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग सबसे महत्वपूर्ण पक्ष होता है. जब निर्माण में गड़बड़ी के लिए इंजीनियर ही जिम्मेदार हैं, तो फिर शेष पूरे विभाग की क्या जवाबदेही है. प्रशासनिक अक्षमता, गफ़लत और लापरवाही का इस आरओबी से बड़ा दूसरा स्मारक नहीं हो सकता. यह तो मीडिया में उछल गया है. डिजाइन और प्लानिंग की गफलत के कारण ना मालूम कितने निर्माण कार्य अपनी पूरी उपयोगिता साबित नहीं कर पाते. जो लक्ष्य लेकर योजनाएं बनती हैं, खासकर निर्माण विभागों में वह कभी भी पूरी नहीं होतीं।

जितने भी सिंचाई प्रोजेक्टपूर्ण किए गए हैं, उनकी सिंचाई क्षमता प्रोजेक्टेड क्षमता से कम ही होती है. टेल एंड तक कभी भी सिंचाई सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती. चाहे पावर हाउस का मामला हो या कोई दूसरे निर्माण हों. सभी मामलों में कमोवेश ऐसा ही होता है. यह तो सिस्टम का लगभग स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बन गया है, कि कोई भी निर्माण कार्य ऐस्टीमेटेड लागत और निर्धारित समय में पूरा नहीं होता. परियोजनाओं की लागत बढ़ जाती है।

भोपाल मेट्रो का मामला हमारे सामने है. निर्धारित समय में प्रोजेक्ट अधर में लटका हुआ है और इसकी लागत बेतहाशा बढ़ रही है. यह प्रवृत्ति सिस्टम की एसओपी बन गई है, जब भी कोई निर्माण की दुर्घटना और अक्षमता उजागर होती है, तो तात्कालिक रूप से कुछ जिम्मेदार या गैर जिम्मेदार लोगों को निलंबित कर दंडित करने का प्रचार किया जाता है. निलंबन तो कोई सजा होती नहीं है. धीरे-धीरे जैसे मीडिया से ऐसे मामले ओझल हो जाते हैं, फिर सब कुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है।

शासन में कार्य संचालन के लिए विभिन्न स्तर पर अधिकार और कर्तव्य निर्धारित हैं. बेहतर रिजल्ट के लिए मॉनिटरिंग सबसे ज्यादा जरूरी है और और यही सबसे ज्यादा निग्लेक्टेड या मैनिपुलेटेड है. ऐसे मामलों में मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी वाले स्तर के अधिकारियों को खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

शासन में ट्रेनिंग एक सतत प्रक्रिया होती थी, जो अब लगभग समाप्त सी हो गई है. परफॉर्मेंस को पुरस्कृत करने की प्रवृत्ति भी बेहतर परफॉर्मेंस की प्रेरणा देती है, लेकिन हालत तो ऐसे हो गए हैं, कि सरकारों में सालों तक पदोन्नतियां नहीं मिलतीं. जो कर्मचारी का मौलिक अधिकार है. पदोन्नति में आरक्षण की राजनीति और परफॉर्मेंस के आंकलन में कोई तालमेल ही नहीं होता।

कोई ऐसा साल नहीं जाता जब कोई डैम क्षतिग्रस्त नहीं होता. अब तो हालात यहां तक पहुंच गए हैं, कि हाईवे पर जाम के लिए लोगों के घर से निकलने को ही दोषी ठहरा दिया जाता है. ऐसी असामान्य घटनाएं और प्रवृतियां सिस्टम में देखने को मिल रही हैं, जो व्यवस्था में गिरावट का संकेत करती हैं।

आरओबी पब्लिक के सामने है, इसलिए नब्बे डिग्री की प्रशासनिक और तकनीकी अक्षमता उजागर हो गई है. अगर इसको छुपाने की कोई भी संभावना होती तो फिर यह पब्लिक के सामने आता ही नहीं. ऐसी ना मालूम कितनी अक्षमताएं और लापरवाही हैं, जो सिस्टम की फाइलों में कैद रहती हैं. इनको करने वाले पूरी शानो शौकत के साथ अपना कार्यकाल बिताकर विदा हो जाते हैं. फाइलों में अगर तलाशा जाएगा, तो नब्बे डिग्री नहीं 190 डिग्री तक की लापरवाही और अक्षमता मिल सकती है।

हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आदिवासियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पहुंचते हैं, अभ्यारण में रहने वाले आदिवासियों के घरों को उजाड़ने से नाराज़ होकर मुख्यमंत्री को घटनाक्रम बताते हैं. तत्काल सीहोर डीएफओ का ट्रांसफर कर दिया जाता है. डीएफओ भी एक आदिवासी हैं।

समाचारों में ट्रांसफर्ड डीएफओ कहते हैं, कि सिवनी सेंचुरी देवास जिले में आती है. अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई देवास वन मंडल की है. सीहोर वन मंडल का इससे कोई ताल्लुक नहीं है. इसे कौन सी डिग्री का प्रशासन कहा जाएगा. जो जिम्मेदार नहीं है उसे हटा दिया गया और जो जिम्मेदार है उसे बचा लिया है. सीहोर जिले में जो अभ्यारण प्रस्तावित है, जिसको फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, वह प्रक्रिया 2019 में प्रारंभ हुई थी।

कमलनाथ की सरकार के बाद शिवराज सिंह चौहान स्वयं मुख्यमंत्री रहे. अगर यह अभ्यारण आदिवासियों के हितों के इतना खिलाफ़ था तो उसको उसी दौर में क्यों नहीं नामंजूर कर दिया गया. अभी भी इसे नामंजूर नहीं किया गया है, केवल स्थगित किया गया है।

आदिवासियों के घर उजाड़ने का मामला लगभग हर साल सामने आता है. बारिश में उजाड़ना तो अमानवीयता की पराकाष्ठा है. जब अभ्यारण्य या वनों से कब्जा हटाने के प्लान को डिजाइन किया जाता है, तो क्या नियम कानून और मानवीयता को ध्यान में नहीं रखा जाता. अगर अभ्यारण्य बनाया जाएगा तो फिर उसमें रहने वाले आदिवासियों को हटाना ही पड़ेगा. इसलिए योजना बनाते समय आदिवासियों के पुनर्वसाहट के लिए उन्हें विश्वास में लेकर कार्यक्रम क्यों नहीं बनाए जाते. कुपोषण का अभिशाप अभी भी व्याप्त है. अरबों रुपए खर्च कर भी कुपोषण मुक्त समाज हम नहीं बना पा रहे हैं. यह सब नब्बे डिग्री जैसे ही लापरवाही और अक्षमता का नमूना है।

सुशासन और प्रशासनिक सुधार नीचे से नहीं ऊपर से शुरू होता है. मॉनिटरिंग मनीटरिंग क्यों बन गया, इस पर नजर नीचे से नहीं ऊपर से डालनी पड़ेगी। गलतियां स्वाभाविक हैं, लेकिन उनकी पुनरावृत्ति अपराध है. अगर यह स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बन जाए और ऐसी किसी दुर्घटना के समय ही इस पर नजर जाए तो यह ब्यूरोक्रेटिक कार्यशैली का दोष है. इस दोष का निवारण ज्योतिषी नहीं ब्यूरोक्रेसी ही कर सकती है।

'सेक्युलर' शब्द पर मंथन – क्या संविधान की आत्मा से भटक गया है भारत?

(अभिषेक सिंह)

भारत विविधताओं का देश है, यहाँ धर्म, भाषा, जाति, संस्कृति, सभी में अद्भुत विविधता है और इस विविधता में एकता को बनाए रखने का हमारा अपना अनूठा तरीका है। इसी अनूठे सामाजिक ताने-बाने के कारण 'धर्मनिरपेक्षता' को भारतीय लोकतंत्र के एक मूलभूत स्तंभ के रूप में देखा गया। लेकिन दुर्भाग्यवश, भारतीय राजनीति में इस सिद्धांत का बार-बार दुरुपयोग हुआ। कई राजनीतिक दलों ने 'धर्मनिरपेक्षता' की आड़ में तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा दिया, जिसका परिणाम समाज में आपसी अविश्वास, टकराव और गहरी खाइयों के रूप में सामने आया। धर्मनिरपेक्षता का यह विकृत रूप आज पुनर्विचार की मांग कर रहा है।

जब 1950 में भारतीय संविधान लागू हुआ, तब उसकी प्रस्तावना में 'सेक्युलर' शब्द नहीं था। संविधान निर्माताओं ने सोच-समझकर विशेष रूप से इस शब्द को इस लिए नहीं जोड़ा कि संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 तक पहले से ही धार्मिक स्वतंत्रता, पूजा-पद्धति और धार्मिक संस्थाओं की स्वतंत्रता की गारंटी दी गयी है। भारत की आत्मा पहले से ही धर्मनिरपेक्ष थी, उसमें किसी शब्द विशेष के जोड़ने की आवश्यकता नहीं महसूस हुई।

यह भी स्मरणीय है कि संविधान की मूल हस्तलिखित प्रति, जो अत्यंत कलात्मक शैली में तैयार की गई थी, उसमें भारत की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक परंपराओं के प्रतीक रूप में राम दरबार, महाभारत, गीता, नटराज, गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, और गुरु नानक की चित्रांकन सहित अनेक धार्मिक प्रतीकों को प्रमुख स्थान दिया गया था। यह स्पष्ट दर्शाता है कि संविधान निर्माताओं की दृष्टि में धर्म और संस्कृति भारतीय जीवन का अभिन्न अंग थे। लेकिन 1976 में आपातकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द को प्रस्तावना में जोड़ दिया, यह भी बिना किसी जन चर्चा या संसद में खुली बहस के किया गया। तत्कालीन समय में यह एक राजनीतिक निर्णय था, न कि कोई संवैधानिक आवश्यकता।

'सेक्युलर' शब्द को लेकर सबसे बड़ा भ्रम यह है कि इसका अर्थ होता है, राज्य और धर्म के बीच पूरी तरह से दूरी। यह अवधारणा पश्चिमी देशों में विकसित हुई, जहां चर्च और सरकार के टकराव से धर्मनिरपेक्षता की आवश्यकता पड़ी जबकि भारत में धर्म का अर्थ केवल 'मजहब' नहीं है, हमारे समाज और देश में यह एक नैतिक जीवनशैली, कर्तव्यबोध और सामाजिक संतुलन का प्रतीक है। हमारे यहाँ धर्म जीवन की दिशा है, न कि केवल पूजा की विधि। इसलिए पाश्चात्य मॉडल को भारत पर थोपना न तो तब तार्किक था न ही आज व्यावहारिक है।

भारत के इतिहास में धर्म और राज्य कभी टकराए नहीं। चाहे चंद्रगुप्त मौर्य और चाणक्य का युग हो, सम्राट अशोक का शासन हो या अकबर का 'सुलह-ए-कुल', शासन और धर्म ने मिलकर समाज को दिशा दी है। यह परंपरा हमारे संविधान की आत्मा में भी झलकती है। ऐसे में जब राज्य को धर्म से पूरी तरह अलग करने की बात की जाती है, तो वह भारतीय परंपरा से मेल नहीं खाती। भारत का वास्तविक सेक्युलरिज़्म 'सर्व धर्म समभाव' पर आधारित रहा है, जिसमें सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखा जाता है, न कि धर्म से दूरी बनाकर।

'सेक्युलर' शब्द का प्रस्तावना में जोड़ा जाना एक राजनीतिक चाल बनकर रह गया है। आज यह शब्द वोटबैंक की राजनीति और तुष्टिकरण का प्रतीक बन गया है। इसका व्यवहारिक उपयोग बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को दबाने और अल्पसंख्यकों को विशेष सुविधा देने के रूप में हुआ है। परिणामस्वरूप, समाज में विश्वास की खाई और अधिक गहराती जा रही है। यही कारण है कि लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह शब्द वास्तव में हमारे लोकतंत्र को मजबूत कर रहा है या केवल एक वर्ग को लाभ पहुंचाने का माध्यम बन गया है।

यह समझना जरूरी है कि अगर 'सेक्युलर' शब्द को प्रस्तावना से हटा भी दिया जाए, तब भी भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष बना रहेगा। अनुच्छेद 25 से 28 हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता, आस्था, उपासना और प्रचार का अधिकार देते हैं। जब ये मौलिक अधिकार सुरक्षित हैं, तो केवल एक शब्द को लेकर इतना राजनीतिक हंगामा क्यों? दरअसल, यह बहस शब्दों की नहीं, विचारधारा के इस्तेमाल की है।

'सेक्युलर' शब्द हटाने की मांग का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कोई धर्म विशेष को प्राथमिकता दी जाएगी या धार्मिक स्वतंत्रता खत्म कर दी जाएगी। इसका सीधा अर्थ है कि संविधान को उसकी मूल आत्मा में लौटाना। संविधान ने कभी धर्म का विरोध नहीं किया, केवल यह कहा कि राज्य किसी धर्म के पक्ष में पक्षपात नहीं करेगा। यही भावना बिना 'सेक्युलर' शब्द के भी संविधान में शुरू से मौजूद रही है।

संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' शब्द को जोड़ना न केवल ऐतिहासिक रूप से असंगत रहा, बल्कि व्यवहारिक रूप से भी विवाद और विभाजन का कारण बना है। जब संविधान की मूल भावना धर्मनिरपेक्षता को पहले से ही सुनिश्चित करती है, तब एक राजनैतिक रूप से थोपे गए शब्द को ढोते रहना उचित नहीं। संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' शब्द को हटाने का सुझाव संविधान की मूल आत्मा की ओर लौटने की एक कोशिश है, एक ऐसी आत्मा जो भारतीय परंपरा, सहिष्णुता, समरसता और सद्भाव पर आधारित है। इसलिए यह विषय केवल वैचारिक बहस तक सीमित न रहकर संसद में व्यापक चर्चा और सर्वदलीय सहमति के साथ गहराई से पुनर्विचार के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए, ताकि संविधान की आत्मा को पुनर्स्थापित किया जा सके। (लेखक (राजनीतिक विश्लेषक) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

30 साल में खत्म हो सकते हैं हिमखंड, स्विट्जरलैंड, अमेरिका व कनाडा में तेजी से खत्म हो रहे हैं ग्लेशियर

(शिव शुक्ला)

एक शोध में पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा।

पश्चिमी कनाडा, अमेरिका और स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर बेहद तेज़ी से पिघल रहे हैं। 2021 से 2024 के बीच इन तीन देशों में कुल ग्लेशियर बर्फ का 12 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यही रफ्तार रही, तो जिन ग्लेशियरों के बारे में हम सोचते हैं कि वे 50 वर्षों तक रहेंगे, वे महज 30 वर्षों में ही इतिहास बन सकते हैं।

नेचर में प्रकाशित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में हुए एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस चौंकाने वाली सच्चाई से पर्दा उठाया है। इस अध्ययन से पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा। ग्लेशियरों के इस बड़े नुकसान के पीछे प्रमुख कारण गर्म और शुष्क मौसम को बताया गया है।

प्रदूषण भी जिम्मेदार: सिर्फ मौसम ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण भी इस त्रासदी का कारक बन रहा है। स्विट्जरलैंड में सहारा रेगिस्तान से आई धूल और अमेरिका-कनाडा में जंगल की आग से फैली राख ने ग्लेशियरों को काला कर दिया। यह काला रंग सूर्य की गर्मी को अधिक सोखता है और पिघलने की प्रक्रिया को तीव्र बना देता है।

संयुक्त राष्ट्र ने किया 2025 को विश्व ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित: ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है। यह पहल यूनेस्को, डब्ल्यूएमओ और 35 देशों के 200 से अधिक संगठनों से समर्थित है। इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ ग्लेशियर पुरस्कार शुरू किया है। इसके पहला विजेता अमेरिका के वॉशिंगटन में स्थित दक्षिण कैस्केड ग्लेशियर बना है।

मध्य यूरोप के लगभग 40 प्रतिशत ग्लेशियर गुम...: महासागरों के गर्म होने के बाद ग्लेशियर पिघलना समुद्र के वैश्विक बढ़ते स्तर की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। 2000 से 2023 के बीच ग्लेशियरों ने अपनी बची हुई बर्फ का पांच फीसदी खो दिया है और मध्य यूरोप के लगभग 40 फीसदी ग्लेशियर गायब हो चुके हैं।

नशा मुक्त भारत बनाने की बड़ी चुनौती

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है।

(योगेश कुमार गोयल)

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है।

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

25 हजार का ईनामी गोकश गिरफ्तार

मेरठ। थाना इंचौली पुलिस व देहात स्वाट टीम मेरठ की संयुक्त कार्यवाही में 25 हजार रुपये का इनामी गोकश गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे अपराध रोकथाम एवं अपराधी के गिरफ्तारी के अभियान में थाना इन्चौली पुलिस व देहात स्वाट टीम मेठ्रठ की संयुक्त कार्यवाही में थाना का इनामी गोकश उजैफा पुत्र अनीस उर्फ गोला नि0 ग्राम अजराडा थाना मुण्डाली मेरठ, हाल पता-60 फुटा रोड हरी मस्जिद के पास समर गार्डन थाना लिसाडी गेट जनपद मेरठ उम्र करीब 18 वर्ष को घर से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जान से मारने की धमकी देने का आरोपी ब्रह्मपुरी पुलिस ने बरामद किया

मेरठ। "ऑपरेशन शस्त्र" अभियान के अंतर्गत अवैध शस्त्र दिखाकर जान से मारने धमकी देने का आरोपी थाना ब्रह्मपुरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर बरामद किया गया है। निखिल पुत्र श्यामसिंह निवासी म0न0 707/26 रिठानी थाना परतापुर मेरठ ने थाना में तहरीर दी की मेरा छोटा भाई विवेक ईरिक्शा चलाने का काम करता है जो चौराहे पर अपनी ईरिक्शा को लेकर खडा था और सवारी का इन्तजार कर रखा था तभी मांगेराम पुत्र गुलाब निवासी रिठानी थाना परतापुर मेरठ आया और उसको तमंचा दिखाकर बोला कि तेरी वजह से हम पति पत्नी में झगड़ा हो रहा है और साथ गाली गलौज करने लगा। जब भाई ने शोर मचाया तो मौके पर काफी भीड इक्ट्ठा होने लगी। मांगेराम जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। इस पर थाने में मांगेराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने अवैध शस्त्र दिखाकर जान से मारने धमकी देने वाले अभियुक्त मांगेराम को मुखबिर की सूचना पर बच्चों वाले कब्रिस्तान के पास माधवपुरम से गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से एक अवैध तमन्चा 315 बोर देशी नाजायाज बरामद किया गया।

कांवड़ यात्रा और मोहर्रम के दृष्टिगत चलाया चेकिंग अभियान

मेरठ। कांवड़ यात्रा-2025 एवं मोहर्रम के दृष्टिगत होटल, धर्मस्थलों एवं विभिन्न संवेदनशील महत्वपूर्ण स्थलों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। आगामी कांवड़ यात्रा-2025 एवं मोहर्रम पर्व के सफल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मेरठ के निर्देशन में जनपद में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में आज एसपी अभिसूचना इकाई मेरठ के निकट पर्यवेक्षण में स्थानीय पुलिस एवं अभिसूचना इकाई/एएस चेकिंग टीम द्वारा जनपद के विभिन्न संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर व्यापक संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। इस चेकिंग अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई एवं एएस चेकिंग की गई। 1-थाना सदर बाजार क्षेत्र अंतर्गत बेगमपुल, आबुलैन, कैंट स्टेशन, औघड़नाथ मंदिर एवं भैंसाली बस स्टैंड चेकिंग की गई। 2-थाना परतापुर क्षेत्र में महत्वपूर्ण होटल्स, मेरठ साउथ रैपिड स्टेशन की पार्किंग एवं मुख्य मार्गों पर चेकिंग की गई। 3-थाना टीपीनगर क्षेत्र में ठल्ल-58 स्थित वेदव्यासपुरी क्षेत्र के होटल मेरठ इन, होटल आर्यावर्त एवं होटल हुकुम की सघन जांच की गई।

ट्रैफिक कंट्रोल रूम का एसएसपी ने किया कांवड़ टैफिक कंट्रोल रूम का निरीक्षण

मेरठ। एसएसपी डॉक्टर विपिन ताड़ा ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम में सीसीटीवी के माध्यम से कांवड़ यात्रा की तैयारियों की गहन समीक्षा की। कांवड़ यात्रा-2025 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से एसएसपी मेरठ डॉ.विपिन ताडा चार जुलाई 2025 की रात्रि के समय ट्रैफिक कंट्रोल रूम, मेरठ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों, मुख्य कांवड़ मार्गों, प्रमुख धार्मिक स्थलों, शिवालयों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड के माध्यम से तैयारियों का जायजा लिया गया। इस अवसर पर ड्यूटी/निगरानी हेतु तैनात कर्मचारियों को निम्न महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

सीसीटीवी निगरानी को 247 सक्रिय एवं प्रभावी बनाए रखें ताकि किसी भी आपराधिक या अवांछनीय गतिविधि पर तत्काल नियंत्रण किया जा सके।

यात्रा मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने हेतु समन्वयपूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

किसी भी आपात स्थिति में त्वरित रिस्पांस हेतु इमरजेंसी रिस्पांस टीमों को अलर्ट मोड में तैनात रखा जाए।

सभी पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ करें।

भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक डायवर्जन एवं महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए।

एसएसपी मेरठ द्वारा निर्देशित किया गया कि संपूर्ण कांवड़ यात्रा अवधि के दौरान सीसीटीवी के माध्यम से गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए तथा जनसामान्य को निर्भीक वातावरण प्रदान किया जाए।

एसएसपी ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण, दिए जरूरी दिशा निर्देश

मेरठ। एसएसपी मेरठ डॉक्टर विपिन ताड़ा ने कॉवड़ मार्ग का निरीक्षण कर डयूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आगामी कॉवड़ यात्रा-2025 की तैयारियों के दृष्टिगत एसएसपी मेरठ ने यात्रा मार्गों का स्थलीय भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान एसएसपी द्वारा निर्देशित किया गया- कॉवड़ यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यात्रा मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाए। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में CCTV कैमरों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु कंट्रोल रूम, फायर ब्रिगेड एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए। स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित यात्रा संपन्न कराने हेतु जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

पूर्व एमएलसी भाजपा नेता डॉ. सरोजिनी अग्रवाल की बेटी शिवानी को गिरफ्तार कर सकती है सीबीआई

मेरठ। पूर्व एमएलसी भाजपा नेता डॉ. सरोजिनी अग्रवाल की बेटी शिवानी अग्रवाल पर सीबीआई ने केस दर्ज करने के बाद शिकंजा कस दिया है। सीबीआई इस मामले में डॉ. शिवानी अग्रवाल को कभी भी गिरफ्तारी कर सकती है। सीबीआई हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर सकती है। मेरठ के हापुड रोड स्थित नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज में एमबीबीएस की 50 सीटें बढ़ाने के लिए मेडिकल कॉलेज की तरफ से राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) में आवेदन किया गया था। एनसीआर 150 सीटें हैं। एनएमसी टीम जांच के लिए मेडिकल कॉलेज आई थी। आरोप है कि 50 सीटें बढ़ाने के लिए जो दावे किए गए थे, वे यहां नहीं मिले, बल्कि अनुकूल मान्यता रिपोर्ट के लिए फर्जी फैकल्टी की तैनाती दर्शाई गई। काल्पनिक रोगियों का फैकल्टी से इलाज दिखाया गया था। फैकल्टी की उपस्थिति दिखाने के लिए बायोमेट्रिक से छेड़छाड़ की गई थी। सीबीआई ने शुरूआती जांच के बाद डॉ. शिवानी अग्रवाल के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद उनके आवास और इंस्टीट्यूट पर मंगलवार को छानबीन की गई। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम जो कागजात अपने साथ लेकर गई थी, उसकी पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा दर्ज किए गए केस में साक्ष्य में जुटाए जा रहे हैं। वहीं, अपने बचाव में डॉ. शिवानी अग्रवाल और डा. सरोजिनी अग्रवाल ने अधिवक्ताओं से भी विधिक राय लेनी शुरू कर दी है। अधिवक्ताओं को एफआईआर की कॉपी भी उपलब्ध करा दी गई है।

वन महोत्सव के अंतगर्त एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए आम के पौधे

मेरठ। दिनांक 4 जुलाई 2025 को पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वन महोत्सव के अंतर्गत चाणक्य पुरी स्थित पार्क में आम के पौधे लगाए गए। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल रहे। क्लब निदेशक आयुष गोयल पीयूष गोयल ने कहा कि आम के पेड़ की धार्मिक और सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आम के पत्तों से तोरण बनाए जाते हैं जो नकारात्मक ऊर्जा दूर करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करते हैं। आम के पत्ते और फलों का उपयोग विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और पूजा पाठ में किया जाता है। आम की लकड़ी का प्रयोग हवन में किया जाता है। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल जी ने कहा आम का फल विटामिन से भरपूर और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। सभी लोगों को जीवन में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर हर्ष गोयल, सुमित मिश्रा, अमित गुप्ता, अंकित अरोरा, ऋषभ गौड़, नरेश चंद्र शर्मा, संजय, निधि रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

पेड़ लगाना ही नहीं उसकी सुरक्षा व संरक्षण भी हमारा कर्तव्य-राज्यमंत्री

मेरठ। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने सरंग ऋषि आश्रम में आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान कार्यक्रम में भाग लिया और पौधरोपण किया।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश नरेन्द्र कश्यप द्वारा मेरठ दौरे के दौरान महाभारत कालीन श्री सरंग ऋषि आश्रम, बढ़ला रोड, किला परीक्षितगढ़ (मेरठ) में वन विभाग मेरठ द्वारा आयोजित एक पेड़ माँ के नाम पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने माँ को समर्पित एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को एक-एक वृक्ष लगाकर हरियाली बढ़ाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पेड़ लगाना ही नहीं, उसकी सुरक्षा व संरक्षण भी हमारा कर्तव्य है, ताकि पौधरोपण सार्थक सिद्ध हो।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधरोपण ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े स्थलों को हरित करना और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देना था। इस वृक्षारोपण अभियान में वन विभाग मेरठ के डीएफओ, रेंज अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शबीह-ए-ताबूत, मेंहदी हजरत कासिम निकाली, जुलूसों में अलम-ए-मुबारक बरामद

मेरठ। मौहरर्म की सातवी तारीख हजरत इमाम हसन के बेटे हजरत कासिम की शहादत से जुड़ी हैं शहर सहित जैद्री फार्म, राम बाग कालोनी, लोहिया नगर में सभी मंजलिसों में हजरत कासिम की शहादत बयां की गई शबीह-ए-ताबूत, मेंहदी हजरत कासिम निकाली गयीं और जुलूसों में अलम-ए-मुबारक बरामद हुए। राम बाग कालोनी स्थित सैयद बाकिर जैद्री के अजाखाने से अलम-ए-मुबारक हजरत अब्बास, या हुसैन या अब्बास की सदाओं के बीच बरामद हुआ। पूर्व में मौलाना अम्मार हैदर रिजवी ईरान ने मंजलिस को खिताब करते हुये कहा कि हजरत इमाम हुसैन के उसूलों सब्र और किरदार पर अमल करके ही दुनिया में अमन कायम किया जा सकता है। जुलूस में जावेद रजा, अर्शी नकवी, अयाज हुसैन, मौ0 हसन बबलू, शाह नवाज, नजर मौ0, हसन बबलू, राजा मन्नू आदि ने दर्द भरे नौहे पढ़े। जुलूस जैद्री फार्म, कौमी एकता मार्ग, शाहजलाल हॉल के सामने से गुजरता हुआ पंजेतनी इमामबारगाह जैद्री सोसायटी पहुंचकर सम्पन्न हुआ। जुलूस के प्रबन्धक बाकिर जैद्री, डा0 रेहान जैद्री, सगीर जैद्री, सुहैल जैद्री रहे। हाजी खुर्शीद जैद्री, हैदर ताजपुरी, हाजी अंजुम जैद्री, अली हैदर रिजवी, शहजाद जैद्री, शबीह-उल-हसन, हैदर अब्बास सहित बड़ी संख्या में हुसैनी सौगवार शरीक रहे। इसी क्रम में शहर में छत्ता अली रजा से शाम 6 बजे जुलजनाह का जुलूस, अली हैदर चांद के अजाखाने से बरामद होकर वैली बाजार से गुजरता हुआ मंसबिया घण्टाघर पहुंच कर सम्पन्न हुआ। जुलुस के प्रबन्धक चांद मिया व अंजुमन इमामिया रहे, जुलूस में अंजुमन इमामिया सहित विभिन्न अंजुमनों के नौहेख्वानों व रजाकारों ने मातम व पुरदर्द नौहेख्वानी की। जुलूस में बड़ी संख्या में हुसैनी सौगवार शरीक रहे।

लोहिया नगर में जुलूसः- एल-ब्लाक स्थित नियाज फात्मा के अजाखाने से जुलजनाह का जुलूस बरामद होकर इमाम बारगाह अबू तालिब के-ब्लॉक पहुंच कर सम्पन्न हुआ जिसमें अन्जुमन जुल्फिकारे हैदरी के मातमदारों और नौहेख्वानों ने दर्दभरे नौहे पढ़े।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जमीन कब्जाने वालों पर सख्त हो कार्रवाई : नंद गोपाल गुप्ता नंदी

नोएडा। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि आवंटियों की तरफ से आने वाले आवेदनों व शिकायतों को तय समय में अधिकारी निस्तारित करें। उनको रोककर न रखें। अगर इस तरह की शिकायत मिली तो लापरवाही करने वाले स्टाफ को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में उक्त बातें मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी कही। बैठक में मंत्री ने विभागवार समीक्षा की। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने मंत्री के समक्ष ग्रेटर नोएडा के विकास से जुड़ी परियोजनाओं, वित्तीय स्थिति व अतिक्रमण, फ्लैट बायर्स मसले आदि पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में चल रहे विकास कार्यों को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। कार्मिक विभाग की समीक्षा के दौरान सीईओ ने मंत्री के समक्ष स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाया, जिस पर औद्योगिक विकास मंत्री ने स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए प्रतिनियुक्ति पर तैनाती का आश्वासन दिया। औद्योगिक विकास मंत्री ने ग्रेटर नोएडा को और सुंदर शहर बनाने के लिए ग्रीनरी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कंटीले तारों को हटाकर सुंदर ग्रिल लगाने को कहा है। उन्होंने सेक्टरों के मेनटेनेंस कार्य में लापरवाही करने वाले कॉन्ट्रैक्टरों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। यहां के निवासियों से फीडबैक लेने के लिए बोर्ड लगाकर कॉन्ट्रैक्ट नंबर लिखने को कहा है। औद्योगिक विकास मंत्री ने प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। बैठक में सीईओ के अलावा एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ सुमित यादव, ओएसडी ओएसडी गुंजा सिंह, ओएसडी गिरीश कुमार झा, ओएसडी एनके सिंह, महाप्रबंधक परियोजना एके अरोड़ा, महाप्रबंधक परियोजना लीनू सहगल, ओएसडी राम नयन सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में करंट लगने से किसान की व सड़क हादसे में बच्चे की हुई मौत

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रहने वाले एक बालक समेत दो लोगों की विभिन्न कारणों से मौत हो गई। निमार्णाधीन मकान में एक किसान की करंट लगने से तथा 9 वर्षीय बच्चे की सड़क हादसे में मौत हुई है। वहीं तीन लोग सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। पीड़ित परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामलों की जांच-पड़ताल कर रही है।

थाना ईकोटेक-वन क्षेत्र के अमरपुर गांव में किसान प्रवेश के घर निर्माण का कार्य चल रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक प्रवेश अपने घर में मजदूरों के साथ काम करवा रहा था। इसी बीच पानी की मोटर में करंट आ गया। उसकी चपेट में आकर प्रवेश बुरी तरह झुलस गया। परिवार के लोग उसे नजदीक के एक अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे से गांव में मातम छाया। प्रवेश अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। उनके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि जितेंद्र कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका बेटा अक्षय रावत अपनी मोटरसाइकिल से काशीराम आवास के बाहर जा रहा था, तभी एक कार चालक ने उसे टक्कर मार दिया। इस घटना में उसे गंभीर चोट आई है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि खेरली नहर के पास दो बाइकों की भिड़ंत आपस मे हो गई। इस हादसे में एक नौ साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सरकपुर गांव निवासी निखिल अपने चचेरे भाई नौ वर्षीय प्रीत के साथ बाइक पर सवार होकर दनकौर रेलवे स्टेशन से खेरली नहर के रास्ते अपने घर को लौट रहा था। इसी दौरान जब वह खेरली नहर के पास पहुंचा तो पीछे से तेज रफ्तार से आई दूसरी बाइक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। बताया जाता है कि ओवरटेक की वजह से यह हादसा हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि इस घटना में दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। साथ ही दूसरी बाइक पर सवार ककोड़ के रहने वाले रिहान नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी होने के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंची। इसके बाद पुलिस ने तत्काल तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने बच्चे प्रीत को मृत घोषित कर दिया। घायल निखिल और रिहान की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में बच्चे की मौत के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

रंग संसार

विराट और अनुष्का लेकर आए हैं सरप्राइज का सुपर डोज

मुंबई। दुनिया के सबसे चर्चित कपल्स में से एक विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अब दुबई के साथ अपने पहले डेस्टिनेशन कैंपेन दुबई, रेडी फॉर ए सरप्राइज में नजर आ रहे हैं। इस कैंपेन में दोनों एक-दूसरे को दुबई के ऐसे-ऐसे अनुभवों से सरप्राइज करते हैं, जो इस शहर की इंटेंस, इमोशनल और इंस्पायरिंग साइड को उजागर करते हैं। यह कोई सामान्य ट्रैवल वीडियो नहीं, बल्कि यादों से भरी एक खूबसूरत जर्नी है।इस फिल्म में विराट और अनुष्का कभी दुबई की स्काई-इन्फिनिटी पूल में आराम करते नजर आते हैं, तो कभी ओ बीच क्लब की मस्ती में खो जाते हैं। उनका मानना है कि दुबई हमेशा कुछ नया देता है और हर बार उतना ही अपना लगता है।विराट कोहली ने कहा, इस कैंपेन ने हमें दुबई का एक बिल्कुल नया चेहरा दिखाया। हर बार कुछ अनएक्सपेक्टेड मिलता है फ्लेवर्स, मूड, एनर्जी सब कुछ फ्रेश और फेमिलियर का परफेक्ट बैलेंस।अनुष्का शर्मा कहती हैं, दुबई हमारे लिए हमेशा खास रहा है, लेकिन इस बार यह बहुत पर्सनल हो गया। बिना किसी प्लानिंग के मिली खुशियाँ, छोटे-छोटे पल, वो सुकूनड्ड ये सब इस सफर को यादगार बना गए।दुबई टूरिज्म के सीईओ इस्सम काज़िम ने कहा, विराट और अनुष्का का जुड़ाव दुबई के साथ बहुत ऑर्गैनिक है। उनका चार्म, ईमानदारी और ऑडियंस से कनेक्ट करने की ताकत इस कैंपेन को खास बनाती है। भारत हमारे लिए एक बेहद अहम मार्केट है, और ऐसे पार्टनरशिप्स से हमारी कहानी लोगों के दिल तक पहुंचती है। यह कैंपेन केवल एक वीडियो नहीं, बल्कि सोशल मीडिया, डिजिटल एक्टिवेशन और कई अन्य सरप्राइज के साथ एक व्यापक एंटरटेनमेंट पैकेज है। और यह तो बस शुरूआत है।

राज काज

ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल पासः टिप्स, ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी पर नहीं लगेगा टैक्स

वाशिंगटन। अमेरिका में मिडिल क्लास के लोगों के लिए टैक्स पर बड़ा फैसला लिया गया है। शुक्रवार को अमेरिकी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से डोनाल्ड ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट पास हुआ। इसे 218-214 वोटों से पास किया गया। इसमें टैक्स कटौती और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च में कटौती का भी प्रस्ताव है। बिल पास होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने समर्थकों के बीच जश्न मनाते हुए देखा गया। इस बिल में टिप्स और ओवरटाइम पर कोई टैक्स न लगाए जाने का प्रस्ताव है।ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा, अमेरिका के लिए स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इससे बेहतर तोहफा कोई नहीं हो सकता जितना वन बिग ब्यूटीफुल बिल है। इस बिल के साथ 2024 में आयोवा की जनता से किए गए मेरे हर बड़े वादे को पूरा किया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, जैसा कि मैंने वादा किया था, हम ट्रंप टैक्स कट्स को स्थायी बना रहे हैं और अब न तो टिप्स पर टैक्स होगा, न ओवरटाइम पर टैक्स और न ही सोशल सिक्योरिटी पर टैक्स लगेगा।आयोवा के लिए सबसे अहम ये है कि यह बिल 20 लाख से अधिक पारिवारिक फार्मों को तथाकथित एस्टेट टैक्स या डेथ टैक्स से बचाता है। डोनाल्ड ट्रंप ने वन बिग ब्यूटीफुल बिल के पारित होने की सराहना की। उन्होंने इसे अमेरिका के नए स्वर्ण युग की शुरूआत बताया और शुक्रवार शाम को व्हाइट हाउस में हस्ताक्षर समारोह की घोषणा की। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा, अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकनों ने अभी-अभी ह्यवन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट पारित कर दिया है। हमारी पार्टी पहले से कहीं अधिक एकजुट है।संयुक्त राज्य अमेरिका की जनता पहले से कहीं ज्यादा समृद्ध, सुरक्षित और गर्वित होगी। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून और उन सभी शानदार रिपब्लिकन सांसदों का धन्यवाद, जिन्होंने हमें अपने वादों को पूरा करने में मदद की। ट्रंप ने आगे लिखा, एक साथ मिलकर हम वह सब कर सकते हैं, जिसकी कल्पना भी एक साल पहले तक नहीं की जा सकती थी। हम काम करते रहेंगे और जीतते रहेंगे।

दैनिक राशिफल 05 शनिवार जुलाई, 2025

मेष – कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे।

वृष – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मिथुन – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड़े के आसार रहेंगे।

सिंह – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें।

कन्या – आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

तुला – आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक – भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

धनु – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

मकर – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

कुम्भ – बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

मीन – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दैनिक पंचांग

5 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2025 वर्ष का 186 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 18.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 19.52 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 20.36 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.47 बजे तदनन्तर गर 18.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872396
जूलियन दिन 2460861.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 09
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.13 बजे से
चंद्र	तुला में	सिंह	08.29 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.41 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.06 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.28 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.14 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.47 बजे से
राहुकाल		मेष	00.17 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		वृष	01.57 बजे से
		मिथुन	03.56 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अनियंत्रित ट्रक ने खडी कार में मारी टक्कर, एक बच्ची की मौत, एक दर्जन घायल

शामली। गुरूवार देर रात्रि शहर के बलवा चौराहे पर एक अनियंत्रित ट्रक चालक ने रेड लाईट पर खडी कार में भीषण टक्कर मारकर एक ही परिवार के करीब एक दर्जन लोगों को घायल कर दिया। हादसे में एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

जनपद सहारनपुर क्षेत्र के गंगोह के गांव संगाठेडा निवासी अकरम पुत्र इसलाम अपने परिवार के ही अब्यूब पुत्र अलीहसन, दिलशाद, और शबनम, दिलशाना, समरियाना, समरीन, शाहनुमा, मुरशीदा को लेकर अपनी रिश्तेदारी में कैराना क्षेत्र के गांव जहानपुरा में कार में सवार होकर आये थे। बताया जाता है कि रात्रि करीब साढे 8 बजे वह जहानपुरा से गंगोह के लिए निकले थे। जब वह बलवा चौराहे पर पहुंचे तो इसी दौरान रेड लाईट हो गई, जिसके बाद चालक अकरम ने कार को रोक दी।

आरोप है कि इसी दौरान पीछे से करनाल की ओर से आ रहा एक ट्रक चालक ने अपना संतुलन खोते हुए रेड लाईट पर खडी कार में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि करीब 100 मीटर तक कार घिसटते हुए चली गई और आगे हाईवे पर रखे डिवाईडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार के परखच्चे उड गए और कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों को मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस और ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों को किसी तरह बाहर निकाला। हादसे में एक ढाई वर्ष की मासूम बच्ची महक पुत्री मसरूफ की मौत हो गई, जबकि सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें दिलशाद व शाहनुमा की हालत गंभीर होने के कारण हायर सैंटर के लिए रैफर कर दिया गया है। पुलिस ने देर रात्रि ही आरोपी चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को कब्जे में ले लिया था।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने टीएसआर की अध्यक्ष को बदलने की मांग की

शामली। स्वयं सहायता समूह एओपी की पदाधिकारी महिलाओं ने शुक्रवार को डीएम कार्यालय में शिकायती पत्र देकर टीएसआर प्लाट की एओपी का गठन का कार्यकाल पूरा होने पर टीएसआर की अध्यक्ष को बदलने की मांग की है। शुक्रवार को दिए शिकायती पत्र में उन्होंने कहा कि सीएलएफ आजाद महिला के अन्तर्गत गांव गंगेरू में जीवन ज्योति प्रेरणा महिला लघु उद्योग इकाई स्थापित की गई थी, जिसमें 300 समूह की महिला पदाधिकारियों द्वारा 30 हजार रूपये की धनराशि देकर एओपी का गठन किया था। टीएचआर प्लाट की गाईडलाइन के अनुसार एओपी के पदाधिकारियों को बदलने एवं कार्यकारणी बदलने का दो वर्ष का समय है, जबकि टीएचआर प्लाट की एओपी का गठन हुए दो वर्ष का समय पूरा हो गया है। आरोप है कि टीएसआर प्लाट की अध्यक्ष सविता ने कारोड़ों रूपये की गडबडी की हुई है, जिसकी जांच जिले के उच्चाधिकारियों द्वारा गठित की गई समिति द्वारा प्रामाणित की गई है। जिसकी जानकारी होने पर एओपी की महिलाओं द्वारा लेखा जोखा प्रस्तुत करने की मांग की गई तो उन्होंने हिसाब देने से इंकार कर दिया। महिलाओं ने मामले की जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है। इस अवसर पर मिथलेश, ममता, रूबी, सुनीता, पारूल, आरती, गुलिस्ता आदि मौजूद रही।

कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम व एसपी ने किया मार्ग का निरीक्षण, व्यवस्थाओं को लेकर दिए कड़े निर्देश

शामली। आगामी 11 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और सक्रिय है। जिसको लेकर डीएम अरविन्द कुमार चौहान सिंह व पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के साथ लालूखेड़ी से कैराना रोड नहर पटरी तक कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, शिविरों की व्यवस्था, सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम, अस्थायी चौकियों, वॉच टावर, बेरिकेडिंग, स्वागत द्वार और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच एवं समुचित प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत लालूखेड़ी बुटराडा बॉर्डर से हुई, जहां वॉच टावर और पुलिस चौकी स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

शिव मंदिर खेड़ी बैरागी, बत्तीखेड़ा, नगर पंचायत बनत, कलेक्ट्रेट चौराहा समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्ट्रेट बनत चौराहे पर डीएम ने रूट डायवर्जन के लिए परिवहन विभाग को स्पष्ट और बड़े साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिशासी अधिकारी को मार्ग पर समुचित बेरिकेडिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसडी तिराहा, शिव चौक, वर्मा मार्केट, फव्वारा चौक, विजय चौक होते हुए गुलजारीवाला मंदिर तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया गया। डीएम ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि यात्री मार्ग पर स्थित ट्रांसफार्मरों को कवर किया जाए तथा झूलते तारों को तुरंत ठीक किया जाए।

मार्ग में जिन स्थानों पर हाईवे से जुड़ी आवश्यक मरम्मत या विकास कार्य होने हैं, उन्हें समयबद्ध ढंग से पूरा करने हेतु एनएचएआई को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर एडीएम सत्येन्द्र सिंह, एएसपी संतोष कुमार सिंह, एसडीएम शामली विनय प्रताप सिंह भदौरिया, सीएमओ डॉ. अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

यूरिया खाद वितरण के दौरान आपस में भिड़े किसान, कई चोटिल

❑ ब्लॉक क्षेत्र के गांव शेखूपुरा में स्थित बहुद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी-पैक्स) का मामला

❑ मौके पर पहुंची पुलिस ने व्यवस्था बनवाकर लाइन से वितरित कराया खाद यूरिया

कैराना। ब्लॉक क्षेत्र में स्थित बहुद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी-पैक्स) शेखूपुरा में यूरिया खाद वितरण के दौरान किसानों के दो गुट आपस में भिड़ गए। इस दौरान हुए झगड़े में कई किसान चोटिल हो गए। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए व्यवस्था बनाकर किसानों को यूरिया खाद वितरित कराया। विगत गुरुवार को ब्लॉक क्षेत्र के गांव शेखूपुरा में स्थित बहुद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी-पैक्स) में यूरिया वितरण का कार्य चल रहा था। समिति के कर्मचारी किसानों को लाइन में लगवाकर यूरिया वितरित कर रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान पहले यूरिया हासिल करने को लेकर किसानों के दो गुटों में विवाद हो गया। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने उस वक्त तो आपस में उलझ रहे किसानों को समझा-बुझाकर शांत कर दिया, परन्तु समिति परिसर से बाहर निकलते ही किसानों में फिर से विवाद हो गया। कुछ ही देर में विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे व लात-घूसे चले, जिसमें दोनों गुटों के कई लोग चोटिल हो गए। मामला बिगड़ता देख समिति के कर्मचारियों से डायल-112 पर कॉल करके घटना की सूचना दी। इसके बाद, क्षेत्र में तैनात पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) पर कार्यरत पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने पूरे मामले की जानकारी हासिल की। इसके बाद, समिति कर्मचारियों ने पुलिस की मौजूदगी में यूरिया खाद का वितरण किया। वहीं, समिति सचिव विपिन कुमार का कहना है कि परिवार में महिला की तेरहवीं होने के कारण वह गुरुवार को अवकाश पर थे। समिति कर्मचारियों ने यूरिया वितरण के दौरान कुछ किसानों के आपस में झगड़ने की सूचना उन्हें दी थी। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में यूरिया खाद का वितरण कराया गया।

यूरिया खाद की किल्लत से जूझ रहा जिले का किसान

प्रदेश भर में ज्यादातर जगहों पर किसानों को यूरिया खाद की कमी के चलते परेशानियों से रूबरू होना पड़ रहा है। शामली जनपद में स्थिति कुछ ज्यादा ही खराब बताई गई है। यहां पर खपत के सापेक्ष यूरिया खाद की आपूर्ति करा पाना विभाग एवं प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इस वक्त किसानों को ज्वार, ईंख, धान आदि फसलों में डालने के लिए यूरिया खाद की भारी आवश्यकता पड़ रही है। ऐसे में यूरिया का पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न हो पाना किसानों को मायूस कर रहा है। बताया जा रहा है कि शेखूपुरा समिति में भी पिछले करीब एक माह से यूरिया खत्म हो रखा था।

कांवड़ मार्ग के निरीक्षण को कैराना पहुंचे डीआईजी सहारनपुर

कैराना। डीआईजी सहारनपुर अभिषेक सिंह ने कैराना पहुंचकर यूपी-हरियाणा बॉर्डर पर स्थित यमुना ब्रिज तक कांवड़ मार्ग का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मातहतों को रुट डायवर्जन, ट्रैफिक कंट्रोल एवं दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

शुक्रवार को सहारनपुर क्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक अभिषेक सिंह कैराना पहुंचे। जहां पर उन्होंने यूपी-हरियाणा सीमा पर स्थित यमुना ब्रिज तक कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आगामी श्रावण मास में शुरू होने जा रही कांवड़ यात्रा को लेकर स्थानीय पुलिस-प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में उनके द्वारा सहारनपुर परिक्षेत्र में पड़ने वाले कांवड़ मार्गों का निरीक्षण किया जा रहा है। एक दिन पूर्व मुजफ्फरनगर क्षेत्र में स्थित कांवड़ रुट का निरीक्षण किया गया था, जबकि शुक्रवार को जनपद शामली के कांवड़ मार्ग पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान कांवड़ मार्ग पर पुलिस की ओर से कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं को परखा जा रहा है। साथ ही, जहां किसी भी प्रकार की कमी नजर आ रही है, सम्बंधित अधिकारियों को उसे अविलंब दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया गया है। कांवड़ मार्ग पर होने वाले पुलिस डिप्लॉयमेंट, ट्रैफिक कंट्रोल व रुट डायवर्जन आदि विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी जनहानि को रोकना पुलिस की प्राथमिकता में रहेगा।

इसके अलावा, कांवड़ मार्ग पर लगने वाले सेवा शिविरों, स्वयं सेवी संस्थाओं के जिम्मदार लोगो से भी संवाद स्थापित किया जा रहा है। कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शुमार है। डीआईजी ने स्थानीय अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दौरान यमुना में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा है। इस अवसर पर एसपी शामली रामसेवक गौतम, एएसपी संतोष कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैराना धर्मेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जूनियर हाई स्कूल में शिशु भारती के पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

शामली। शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल में शिशु भारती के पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलश्रेष्ठ सैनी तथा विशिष्ट अतिथि डा. विजय प्रताप, नेत्र चिकित्सक रूपेश कुमार रहे। शिशु भारती की अध्यक्ष अंशिका चौधरी को विशिष्ट अतिथि डा. विजय प्रताप ने पद पद तथा गोपनीयता की शपथ ग्रहण दिलाई। शिशु भारती के शेष छात्र-छात्रओं को अध्यक्ष अंशिका चौधरी ने शपथ ग्रहण कराई।

वंदना विभाग प्रमुख जसमीत, चिकित्सा विभाग प्रमुख प्रियांशी, शारीरिक विभाग प्रमुख दीपांशु गौतम, विद्युत विभाग प्रमुख सक्षम, स्वामी पुस्तकालय विभाग प्रमुख शिवांगी, घोष विभाग प्रमुख केशव शर्मा, विज्ञप्ति विभाग प्रमुख दक्ष पाराशर तथा इशा सैफी, कंप्यूटर विभाग प्रमुख एंजल, सज्जा विभाग प्रमुख अंशिका गोयल रहे। विशिष्ट अतिथि विजय प्रताप ने बताया कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करें तथा अपने बड़ों का सम्मान करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा की एक सच्चा विद्यार्थी वही है जो अनुशासन में रहकर अध्ययन करें। उसको सफलता अवश्य प्राप्त होती है। प्रधानाचार्य संजय सैनी तथा पल्लवी ऐरन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार ने किया। इस अवसर पर रविंद्र कुमार, संजीव बालियान, आशीष जैन, सुधीर कुमार, प्रवेश शर्मा, मंगाराम शर्मा, मोहित कुमार, संदीप कुमार, शिवानी शर्मा, सविता गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गंदेवड़ा संगम घाट पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया

जलालाबाद। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत गंदेवड़ा संगम घाट पर वृक्षारोपण कर कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

जलालाबाद के निकट स्थित गन्देवडा संगम घाट पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओ द्वारा सरकार के सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत वृद्धारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमे हिन्दू संगठनो के साथ वन विभाग द्वारा भी सहभाग किया गया। कार्यक्रम मे विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष प्रदीप पुण्डीर ने कहा है कि पेड़ हमारे जीवन का अमूल्य अंग है जन्म से लेकर मृत्यु तक पेड़ लकड़ी के रूप में हर वक्त हमारे साथ रहता है हमें अपने जीवन में हर शुभ अवसर पर पेड़ लगाकर पर्यावरण को प्रदूशित होने से बचाना है पृथ्वी पर अप्रत्याशित रूप से बढ रहे तापमान को कम करना हो या अपने आने वाले भविष्य को सुरक्षित करना हो तो पेड़ अवश्य लगाये "पेड़ नहीं तो जीवन नहीं के नारे के साथ" सभी उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को पेड़ वितरण किए गए और सभी से पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया और पेड़ लगाने के साथ-साथ में उनकी देखभाल और उनको सुरक्षित रखने की भी जिम्मेदारी के साथ सभी लोगों ने संकल्प लिया और आह्वान किया कि भविष्य में हर शुभ अवसर पर एक पेड़ अवश्य लगाये। कार्यक्रम मे वन विभाग के क्षेत्राधिकारी झिंझाना कृष्णकांत, वन विभाग के अनुभाग अधिकारी जितेंद्र चौहान, वन रक्षक सुनील, संदीप राणा, विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री शालू राणा, जिला सेवा प्रमुख बिन्नी राणा जिला मठ मंदिर प्रमुख भारत भूषण, संजय पुंडीर रामपाल सैनी, समेत बडी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीआईजी सहारनपुर अभिषेक कुमार ने कांवड मार्ग का दौरा किया

शामली। कांवड यात्रा की सकुशलता को लेकर शुक्रवार को डीआईजी सहारनपुर अभिषेक कुमार ने भी कांवड मार्ग का दौरा किया। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को लेकर मुजफ्फरनगर बॉर्डर से शामली, कैराना हरियाणा सीमा तक 80 किलोमीटर पर पडने वाले कांवड मार्ग का निरीक्षण करते हुए दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों के निर्देशित किया गया कांवड यात्रा को सकुशल कराना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होने 24 घंटे कांवड मार्ग पर पुलिस अधिकारियों को तैनात रहने के निर्देश दिऐ। शुक्रवार को डीआईजी अभिषेक कुमार द्वारा सहारनपुर कमिश्नरी के अन्तर्गत आने वाले जीनों जनपदों, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली की कांवड मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ तीनों जनपदों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। डीआईजी ने कहा कि हरियाणा और उत्तराखंड के बोर्डर भी कांवड यात्रा के दौरान पडते है इसलिए पुलिस को अन्तर्राजीय व अन्तरजनदीय समन्वय स्थापित करना पडता है। रोड ठीक करे, शिविरों के स्थान उचित जगह पर हो। नहर या अन्य स्थान पर डूबने की घटना न हो। इसके लिए उचित प्रबंधक करने के निर्देश दिये है।

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान के तहत पौधारोपण किया गया

शामली। कस्बा बनत के गौशाला में पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। शुक्रवार को रतन एकता ट्रस्ट द्वारा वन महोत्सव के अन्तर्गत पौधारोपण किया। उन्होने एक पेड मां के नाम लगाकर दूसरे को भी ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया साथ ही लगाए गए पौधे की सुरक्षा का संकल्प दिलाया। इस दौरान गौशाला में गौवंशों को हरी घास भी खिलाई गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश कुमार व दीपेन्द्र कुमार ने 250 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर दिनेश, दीपेंद्र, मिंटू, सन्नी विर्शाल, मटकी,सुमन, रूबी, मोसीना आदि मौजूद रहे।

युवती के अपहरण में षडयंत्रकारी महिला आरोपी गिरफ्तार

कैराना। पुलिस ने युवती के अपहरण में शामिल षड्यंत्रकारी महिला आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। विगत 25 जून को क्षेत्र निवासी व्यक्ति द्वारा कोतवाली कैराना पर युवती के अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया गया था। शुक्रवार को महिला अपराधों में लिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने युवती के अपहरण के षड्यंत्र में शामिल महिला आरोपी सोमती निवासी मोई पुल के पास वैष्णो ढाबा ग्राम पंजीठ को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। युवती ने बरामदगी के पश्चात अपने बयानों में महिला आरोपी को उसके अपहरण के षड्यंत्र में शामिल होने की बात कही थी।

अवैध चाकू बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कैराना। कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया है। शुक्रवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निर्देशानुसार आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से चाकू बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम व पता इंतजार निवासी ग्राम मोहम्मदपुर राई बताया। पुलिस ने गिरफ्तार किये गए आरोपी के विरुद्ध सम्बंधित धारा में अभियोग पंजीकृत करके उसे जेल भेज दिया है।

350 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कैराना। पुलिस ने चेकिंग के दौरान हरियाणा निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 350 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को जेल भेज दिया है। शुक्रवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम के निर्देशानुसार मादक पदार्थो की तस्करी में लिप्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से पुलिस ने 350 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद होने का दावा किया गया है। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम व पता रंजीत निवासी भावना चौक देवी मंदिर रोड, थाना सदर बाजार पानीपत हरियाणा बताया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की सम्बंधित धारा में अभियोग पंजीकृत करके उसका चालान कर दिया है।

व्यापर मंडल के प्रदेश अध्यक्ष 10 जुलाई से 14 सितंबर तक प्रदेश का दौरा करेंगे

शामली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापर मंडल के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग का 10 जुलाई से 14 सितंबर तक प्रदेश का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा प्रदेश के सभी जिलों व उनकी नगर इकाइयों का वार्षिक प्रदेश दौरा कार्यक्रम 10 जुलाई से शामली जनपद से शुरू होकर 5 सितंबर को लखनऊ में पूरा होगा। फिर 14 सितंबर को गाजियाबाद में चुनावी महासम्मेलन होगा। जहां प्रदेश के प्रांतीय कार्यकारिणी के यानी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री, प्रदेश कोषाध्यक्ष, व प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से पहले से नियुक्त किए गए। चुनाव अधिकारियों की देखरेख में कराया जाएगा। चुनाव दौरे का कार्यक्रम 6 चरणों में होगा। पहले तीन चरणों में 10 जुलाई से 5 अगस्त तक शामली जनपद, मुजफ्फरनगर जनपद, सहारनपुर जनपद के 45 नगर इकाइयों में समीक्षा बैठक होगी। फिर चौथे चरण में 10 अगस्त से 14 अगस्त तक गाजियाबाद, हापुड़, नोएडा ग्रेटर ,नोएडा, दादरी, खुर्जा, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी तक लगभग 14 जिलों का कार्यक्रम होगा।

नाबालिग को ले जाने व दुष्कर्म करने का वांछित आरोपी दबोचा

कैराना। ईंट भट्ठे से किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने एवं दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। विगत 28 जून को कैराना कोतवाली पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर कर ले जाने एवं दुष्कर्म करने के मामले में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। शुक्रवार को एसपी शामली रामसेवक गौतम द्वारा महिला अपराधों में लिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने एवं दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी दिनेश कुमार निवासी ग्राम सिहावली थाना कैला देवी जनपद संभल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का चालान कर दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी दिनेश कुमार कैराना क्षेत्र में स्थित एक ईंट भट्ठे पर कार्य करता था। वहीं से वह किशोरी को अपने साथ ले गया था।

गंगा बैराज में जल स्तर बढ़ने से बाढ़ की आशंका

प्रशासन सतर्क, ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील

मीरापुर। शिवालिक पहाड़ियों पर हो रही मूसलाधार बारिश के चलते गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका प्रभाव मीरापुर स्थित गंगा बैराज पर भी देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को बैराज से 65,944 क्यूसेक पानी का निस्तारण किया गया। हालांकि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। गंगा बैराज के वरिष्ठ अधिकारी बृजेश मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि गंगा का खतरे का निशान 221.5 मीटर निर्धारित है, जबकि शुक्रवार को गंगा का जलस्तर 219.6 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान से नीचे है, परंतु बारिश का सिलसिला जारी रहने के कारण जलस्तर में और वृद्धि की संभावना बनी हुई है। उन्होंने बताया कि

प्रशासन-जल विभाग की टीमें लगातार जलस्तर पर निगरानी बनाए हुए है

शिवालिक क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है, जिससे नदियों में पानी का बहाव तेज हो गया है। इस कारण गंगा के किनारे बसे गांवों को बाढ़ की संभावना को लेकर सतर्क किया गया है। गांवों में प्रशासन द्वारा मुनादी कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की जा रही है। प्रशासन और जल विभाग की टीमें लगातार जलस्तर पर निगरानी बनाए हुए हैं। साथ ही संभावित बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ग्रामीणों ने भी एहतियातन आवश्यक सामान ऊंचाई वाले स्थानों पर रखना शुरू कर दिया है।

मौलाना आदिल मंजूर बोले- कर्बला का जज्बा हर दौर के लिए है मिसाल

मीरापुर। मोहर्रम की 8 तारीख को मीरापुर के मोहल्ला मुस्तर्क स्थित सैयद नजीर हैदर जैदी के आवास पर एक मजलिस का आयोजन किया गया। इस मजलिस को मौलाना आदिल मंजूर जौनपुरी ने खिताब किया। मौलाना ने अपने बयान में कर्बला के शहीदों की कुर्बानियों को याद करते हुए कहा कि हजरत इमाम हसन, इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत इतिहास की वह अमिट कहानी है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि कर्बला का संदेश इंसानियत, सच्चाई और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। मजलिस के दौरान मिन्हाल अब्बास द्वारा पुरअसर नोहा खानी की गई, जिससे उपस्थित जनसमूह की आंखें नम हो गईं। वहीं, मर्सिया ख्वानी नजर हसनैन किथोड़ा द्वारा की गई, जिन्होंने अपने कलाम से माहौल को और अधिक गमगीन बना दिया। इस मजलिस में शिया-सुन्नी दोनों समुदायों के लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत कर एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। मजलिस में मुख्य रूप से सैयद हैदर मेहंदी जैदी, सैयद नजीर हैदर जैदी, शौकत रजा, एजाज हैदर, शाहीन राजा, मजहर अब्बास, शब्बीर हैदर, एनुअल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम पूरी श्रद्धा, अनुशासन और भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजकों ने उपस्थित सभी लोगों का आभार जताते हुए कर्बला के पैगाम को समाज में फैलाने की अपील की।

एसएसपी ने चार सिपाहियों को किया सस्पेंड, विभागीय मर्यादा तोड़ना पड़ा महंगा

मुज़फ्फरनगर। जिले में पुलिस महकमे में अनुशासन बनाए रखने को लेकर सख्त माने जाने वाले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय वर्मा ने शुक्रवार को चार पुलिसकर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की। रतनपुरी थाना में तैनात तीन सिपाहियों और सीओ भोपा कार्यालय में कार्यरत एक सिपाही को अनुशासनहीनता, कर्तव्यहीनता और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ मिली शिकायतों और प्रारंभिक जांच में ये तथ्य सामने आए कि वे विभागीय आचरण का उल्लंघन कर रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने बिना देरी के कार्रवाई करते हुए सभी चारों को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। एसएसपी संजय वर्मा ने कहा, पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोच्च है। यदि कोई भी पुलिसकर्मी विभाग की साख को ठेस पहुंचाता है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। यह कदम जिले के अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी एक चेतावनीपूर्ण संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि कर्तव्य से चूक और अनुशासनहीनता को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रालोद ने हमेशा किसानों, मजदूरों-गरीबों के हित की लड़ाई लड़ी-हाजी शाहनवाज़ लालू

खतौली। केवल रालोद ही ऐसी पार्टी है जो कि सभी जाति वर्गों को आपस में साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है तथा रालोद ही किसानों, मजदूरों, गरीबों, मध्यम वर्ग सहित हर तबके के मेहनतकश लोगों की हितैषी है। सर्व समाज को जोड़कर साथ लेकर चलने की जो परम्परा किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री स्व चौधरी चरण सिंह ने शुरू की थी, इसी परम्परा को स्व चौधरी अजीत सिंह ने आगे बढ़ाया तथा अपने दादा और पिता के नक्शे क़दम पर चलकर अब इसी परम्परा को रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह आगे बढ़ा रहे हैं। उपरोक्त विचार रालोद के सदस्यता अभियान चलाए जाने के अंतर्गत बुआडा रोड पर आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज़ लालू ने व्यक्त करते हुए कहा कि रालोद ने हमेशा किसानों मजदूरों गरीबों के हित की लड़ाई लड़ी है। रालोद ने कभी अपनी विचारधारा और नीतियों से कोई समझौता नहीं किया। समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देना

रालोद की पहली प्राथमिकता में शामिल है। चेयरमैन हाजी शाहनवाज़ लालू ने कहा कि रालोद के सदस्यता अभियान के अंतर्गत लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम किया जा रहा है। मुख्य अतिथि युवा रालोद के जिलाध्यक्ष गज्जू पठान जिला पंचायत सदस्य ने गौरव शर्मा बंटी को युवा रालोद का खतौली नगर अध्यक्ष नियुक्त कर इन्हें पार्टी की जनहितैषी नितियों का प्रचार प्रसार करने का निर्देश देते हुए कहा कि युवा शक्ति देश का भविष्य है। उन्होंने नवनियुक्त युवा नगर अध्यक्ष गौरव शर्मा बंटी से अपनी कार्यकारिणी के माध्यम से बड़ी युवा फौज तैयार कर किसानों मजदूरों गरीबों मध्यम वर्ग सहित सभी लोगों की समस्याओं का निदान तत्परता से कराने के निर्देश इस अवसर पर दिए। बैठक का संचालन करते हुये रालोद क्षेत्रीय महासचिव धर्मेन्द्र तोमर ने बताया कि पार्टी के सदस्यता अभियान के अन्तर्गत खतौली विधान सभा क्षेत्र से अधिक से अधिक सख्या में लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया जायेगा। खतौली विधान सभा अध्यक्ष जगदीश आर्य एडवोकेट ने पार्टी कार्यकताओं से एकजुट होकर सदस्यता अभियान को सफल बनाने का आव्हान किया। नगर अध्यक्ष हाजी नोशाद मोनी ने बताया कि वर्तमान में पार्टी का सदस्यता अभियान जोरो शोरों से चलाया जा रहा है। सदस्यता अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में सभी जाति वर्गों के लोगों को पार्टी से जोड़ा जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से भूपेन्द्र राठी प्रधान, पकंज राठी, दानिश सभासद, राजकुमार तेवतिया, अरविंद गुज्जर, पुष्पेन्द्र चौधरी, राहुल तोमर, सन्तराम प्रधान, दुष्यन्त, दिनेश पांचाल, अमित शर्मा, शाहिद, साजिद, प्रवीण त्यागी, शिवम आचार्य, रोहित आचार्य, सार्थक सैनी, आशुतोष, अंकुर, वंश प्रजापति, पवन सोनू, गौरव चौधरी आदि सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकता उपस्थित रहे।

सांप के डसने से किसान की तबीयत बिगड़ी

मीरापुर। कस्बे के मोहल्ला मुस्तर्क निवासी किसान शाहिद खान पुत्र अब्दुल वाहिद को शुक्रवार सुबह खेत में पानी चलाते समय सांप ने डस लिया। यह घटना उस वक्त हुई जब शाहिद खान ग्राम रसूलपुर के जंगल में स्थित भैरो मंदिर के पास एक तालाब से अपने खेत की नाली साफ कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। सांप के डसते ही शाहिद खान की हालत बिगड़ने लगी और वह शोर मचाने लगे। उनकी आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे अन्य किसान मौके पर पहुंचे और उनके परिजनों को जानकारी दी। परिजन तुरंत उन्हें मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर बताई और उपचार शुरू किया। परिजनों के अनुसार, समय रहते इलाज मिलने के कारण अब उनकी हालत में सुधार हो रहा है और डॉक्टरों ने जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने की संभावना जताई है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोगों ने खेतों में सावधानी बरतने की अपील की है।

बीआईटी में बी.एड. द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

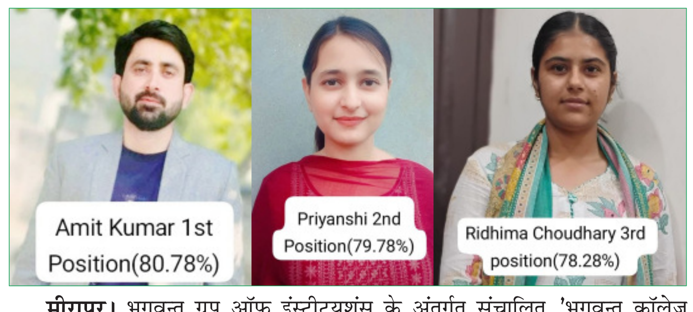

मीरापुर। भगवन्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अंतर्गत संचालित 'भगवन्त कॉलेज ऑफ एजुकेशन' के बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्रों का परीक्षा परिणाम मां शाकंभरी विश्वविद्यालय द्वारा घोषित कर दिया गया है। इस वर्ष के परिणाम में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। अमित कुमार ने ८०.78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं प्रियांशी ने 79.78 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान तथा रिद्धिमा चौधरी ने 78.28 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपने कठिन परिश्रम को दिया। इस उपलब्धि पर संस्थान में हर्ष का माहौल है। निदेशक डॉ. अनुराग विजय अग्रवाल, सह निदेशक डॉ. पुष्पनील वर्मा, जनरल मैनेजर सीए दुष्यंत कुमार, डीन डॉ. अजय सिंह, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ. कावेन्द्र यादव, कपिल शर्मा, तनुष देओल, दिव्य सिंह सहित समस्त शिक्षकों ने सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। डॉ. कावेन्द्र यादव ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि बिना साधना के कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। ज्ञान का सर्वोत्तम स्थान शिक्षण संस्थान होते हैं, जहां से दूर रहकर पूर्ण ज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती।

कांवड़ मार्ग पर सत्यापन के लिए जा रहे स्वामी यशवीर को बॉर्डर पर रोका

मुजफ्फरनगर। कांवड़ यात्रा से पूर्व धार्मिक पहचान को लेकर सुर्खियों में आए योग साधना आश्रम बघरा के पीठाधीश्वर स्वामी यशवीर महाराज को शुक्रवार को उत्तराखंड की सीमा में प्रवेश से रोक दिया गया। वे हरिद्वार में कांवड़ मार्ग पर होटलों और ढाबों के सत्यापन अभियान के तहत जा रहे थे, लेकिन नारसन पुलिस चौकी के पास उन्हें उत्तराखंड पुलिस ने उनके समर्थकों सहित रोक लिया।इस घटनाक्रम के बाद न केवल बॉर्डर पर तनाव की स्थिति बन गई, बल्कि मुजफ्फरनगर में भी पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया। हिंदू संगठनों के कई कार्यकर्ता और समर्थक बॉर्डर पर एकत्र हो गए। वहीं, प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया और उच्च अधिकारी मौके की निगरानी कर रहे हैं। स्वामी यशवीर महाराज बीते कुछ समय से कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटलों और ढाबों के नामों और कर्मियों की धार्मिक पहचान को लेकर अभियान चला रहे हैं। इसी सिलसिले में वे हरिद्वार की ओर रवाना हुए थे। समर्थकों का कहना है कि उनका उद्देश्य यात्रा मार्ग पर 'धार्मिक भावनाओं के अनुरूप वातावरण' सुनिश्चित करना है। हालांकि, प्रशासन ने किसी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए उन्हें उत्तराखंड राज्य में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। मौके पर पहुंची उत्तराखंड पुलिस ने उन्हें सीमा पर ही रोक लिया, जिससे वहां तनावपूर्ण स्थिति बन गई। स्वामी यशवीर के रोके जाने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में उनके समर्थक बॉर्डर पर पहुंच गए। उन्होंने इसे शांतिपूर्ण धार्मिक कार्य में बाधा बताते हुए विरोध जताया। समर्थकों का आरोप है कि स्वामी जी को अनावश्यक रूप से रोका गया है, जबकि उनकी यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण और धार्मिक है। वहीं, प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा से पूर्व कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है, और यह कदम एहतियातन रूप से उठाया गया है। मीडिया से बातचीत में स्वामी यशवीर महाराज ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ सनातन संस्कृति की रक्षा और धार्मिक समरसता बनाए रखना है। मुझे रोका जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। हम कानून का सम्मान करते हैं, लेकिन अपने अधिकारों की लड़ाई भी जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका अभियान किसी भी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंदू आस्था और संस्कृति की रक्षा हेतु है।

राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाने के लिये लगवाये वाटरकूलर

खतौली। राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से चेयरमैन हाजी शाहनवाज़ लालू के आदेश पर कस्बे के व्यस्त जानसठ तिराहे पर नगर पालिका परिषद द्वारा लगवाए गए इलैक्ट्रिक आरओ वाटर कूलर का उद्घाटन सभासद विकास कौशिक ने किया। इस मौके पर सभासद विकास कौशिक ने कहा कि पालिका स्तर की सभी बेहतर सुविधाएं नागरिकों को उपलब्ध कराने के लिए चेयरमैन हाजी शाहनवाज़ लालू के नेतृत्व में पालिका बोर्ड संकल्पबद्ध है। इसी के तहत पालिका परिषद द्वारा राहगीरों को गर्मी में शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए कस्बे के वार्डों के अलावा मुख्य स्थानों पर वाटर कूलर लगवाए जा रहे हैं। इस अवसर पर पालिका लिपिक अतुल कुमार गुप्ता आदि पालिका स्टाफ मौजूद रहा।

संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

खतौली। पूज्य अरुण मुनि की शिष्या पूज्य साधिका चंदन बाला जी के सानिध्य में आयोजित संस्कार शिक्षण शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। इस अवसर पर श्री श्वेतांबर जैन स्थानक जैन मंदिर कांशीराम स्ट्रीट में आयोजित कार्यक्रम में शिविर के प्रतिभागी विजेता बच्चों को पुरस्कृत करके इनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि गुरुभक्त आशीष जैन व गौरव जैन ने कहा कि शिक्षा के साथ ही बच्चों को धर्म के प्रति जागरूक करके इन्हें संस्कारवान बनाना हर अभिभावक का पहला दायित्व होना चाहिए। धर्म के प्रति समर्पण व्यक्ति को परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाता है। कार्यक्रम में शिविर के प्रतिभागी विजेता बच्चों को पुरस्कृत करके इनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य रूप से मुकेश जैन, सतेंद्र जैन, सुनील जैन, अमित जैन, पिंकी जैन, सुरेंद्र जैन जैन वॉच, अतुल जैन, प्रमोद जैन, मनोज जैन, राकेश जैन, शशांक जैन, अनिल जैन, नीरज जैन, प्रदीप जैन, सोनिया, रजनी, अंजली, वंदना, सुनीता, बबिता, पूनम, संतोष आदि उपस्थित रहे।

ब्रह्मलीन स्वामी रूद्र देव की 17वीं तिथि श्रद्धा के साथ मनाई

खतौली। ब्रह्मलीन स्वामी रूद्र देव जी की 17वीं तिथि श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्री अखंडानंद आश्रम, गंग नहर में हवन और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय व दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रामायण जी के अखंड पाठ से हुई, जो गुरुवार से शुरू होकर शुक्रवार सुबह संपन्न हुआ। पाठ के विश्राम के उपरांत हवन का आयोजन किया गया, जिसमें नरेश नागपाल, अशोक अहलावत, सुनील भसीन, अमृतलाल और विनीत कुमार शर्मा सपत्नीक यजमान के रूप में सम्मिलित हुए। हवन की विधियां विद्वान ब्राह्मण वासुदेव शास्त्री, बॉबी शर्मा एवं पंडित पुष्पेश पाराशर द्वारा संयुक्त रूप से सम्पन्न कराई गईं। इसके पश्चात आयोजित भव्य भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आश्रम परिसर में स्थित स्वामी रूद्र देव जी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं की भीड़ शाम तक लगातार पहुंचती रही। भंडारे और समस्त आयोजन की व्यवस्थाओं में भगवान दास मेहंदीरत्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता मदन छाबड़ा, केशव अग्रवाल, संजय ग्रोवर, राम जी गगनेजा, दीपक चड्ढा, प्रदीप गुप्ता, कुलदीप तोमर, साहिल तनेजा, प्रवीण, सविता अहलावत, मधु भसीन, चंचल नागपाल, पूनम तायल, राजू खीरबाट, इंद्रजीत खीरबाट और अशोक कालड़ा आदि का सहयोग रहा।

एमडीएस विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र उमंग बालियान का साई स्पोर्ट्स एकेडमी जयपुर में चयन, विद्यालय में हुआ सम्मान समारोह

मुजफ्फरनगर। एमडीएस विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मिल मंसूरपुर एवं एमडीएस स्पोर्ट्स एकेडमी से जुड़े छात्र उमंग बालियान ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर साई स्पोर्ट्स एकेडमी, जयपुर में कबड्डी प्रशिक्षण हेतु चयनित होकर जनपद और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इससे पूर्व, इसी वर्ष अप्रैल माह में खिलाड़ी आदित्य राठी का भी चयन इसी एकेडमी में हो चुका है। इस उपलब्धि की खुशी में विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उमंग बालियान का पुष्पमालाओं, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसे विद्यालय प्रबंधक सुक्रमपाल, प्रधानाचार्य संदीप कुमार,

संचालक अनिल शास्त्री, एवं कबड्डी कोच अंकित खेरवाल द्वारा संपन्न किया गया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने बताया कि छात्र उमंग बालियान ने २० मार्च को जयपुर में आयोजित ट्रायल में भाग लिया था, जिसमें चयनित होकर अब वह साई प्रशिक्षण केंद्र, जयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय खेल प्राधिकरण, भारत सरकार के खेल मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख संस्था है, जिसका उद्देश्य देश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्रबंधक संदीप कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय, बल्कि समूचे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कोच अंकित खेरवाल की मेहनत और मार्गदर्शन को इस सफलता का मूल आधार बताया। संचालक अनिल शास्त्री ने कहा कि लक्ष्य निर्धारण और संकल्प शक्ति से ही सफलता संभव है। उन्होंने कहा कि साई का उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। सुक्रमपाल ने अपने संबोधन में कहा कि उमंग बालियान की सफलता उसके अथक परिश्रम, संघर्ष एवं कोच के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ खिलाड़ी को मानसिक सशक्तिकरण भी प्रदान किया।

कोच अंकित खेरवाल ने कहा कि खेल में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, केवल निरंतर अभ्यास और समर्पण ही खिलाड़ी को शिखर तक ले जाता है। इस सफलता के पीछे उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के महासचिव राजेश कुमार सिंह, ओम्पलिक खेल संघ के जिला सचिव रामपाल सिंह, विद्यालय परिवार तथा विशेष रूप से कोच अंकित खेरवाल का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन अनिल शास्त्री द्वारा किया गया और इसे सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

जुए के अड्डे पर छापा, पांच आरोपी रंगेहाथ गिरफ्तार

मीरापुर। पुलिस द्वारा शातिर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के अंतर्गत गुरूवार की देर रात ग्राम गढ़ी रसूलपुर में बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस ने जुआ खेलते हुए पांच आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में शानू पुत्र इसरार एवं वसीम पुत्र याकूब, दोनों निवासी मोहल्ला मुश्तर्क, थाना मीरापुर, किरणपाल पुत्र रामस्वरूप, मोहम्मद परवेज पुत्र इब्राहीम तथा आसिफ पुत्र मनव्वर, तीनों निवासी गढ़ी रसूलपुर थाना मीरापुर को भी मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों को ग्राम गढ़ी रसूलपुर स्थित आसिफ पुत्र मनव्वर के मकान से ताश की गड्डी व जुए में लगाए गए कुल 274० रूपये नकद के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूर्य ग्रहण के दौरान आसमान से क्यों गायब हो जाते हैं बादल?

साल 2024 में दो सूर्य ग्रहण लगने वाले हैं। अप्रैल में पहला सूर्य ग्रहण और दूसरा ग्रहण 2 अक्तूबर को लगेगा। 8 अप्रैल को लगने जा रहा पूर्ण सूर्य ग्रहण अमेरिका में दिखाई देगा। साल 2017 के बाद पहली ऐसा होगा। नासा के मुताबिक, सबसे पहले यह मेक्सिको के प्रशांत तट पर सुबह 11 बजकर 7 मिनट पर दिखाई देगा। यह खगोलीय घटना तब घटती है, जब सूरज और धरती के बीच चंद्रमा आ जाता है। इस धरती पर छाया पड़ती है और दिन में रात जैसा नजारा हो जाता है। इस दौरान एक आश्चर्यजनक प्रभाव दिखाई देता है।

आसमान में बादल तेजी छटने लगते हैं, ऐसा तब होता बै जब सूर्य का सिर्फ 15 प्रतिशत भाग चंद्रमा ढंक लेता है। आखिर यह क्यों होता है? यह काफी लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए भी सवाल था। अब इस रहस्य से वैज्ञानिकों ने पर्दा उठा दिया है।

रॉयल नीदरलैंड मौसम विज्ञान संस्थान और डेल्फ्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम का नेतृत्व करने वाले विक्टर ट्रीज ने सूर्य ग्रहण के दौरान धरती पर उथले क्यूम्यलस बादलों के गायब होने जाने को लेकर शोध की है। क्लाइमेट इंजीनियरिंग कोशिशों के लिए यह बेहद अहम है। इस शोध के मुताबिक, सूर्य के प्रकाश को रोकना जलवायु परिवर्तन को कम करने का एक समाधान निकल सकता है। यह अनजाने में सही, लेकिन बादलों के आवरण को कम करता है। बादलों से सूर्य का प्रकाश प्रतिबिंबित होता है। इसकी वजह से धरती को ठंडा करने में भूमिका निभाते हैं। बादल सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंबित करते हैं इसलिए वे पृथ्वी को ठंडा करने में भूमिका निभाते हैं। ग्रहण के समय धरती की सतह से बादलों के व्यवहार को समझना बेहद मुश्किल होता है।

शोधकर्ताओं की टीम ने क्लाउड टॉप परावर्तन की उपग्रह गणना में चंद्रमा की छाया पर ध्यान दिया और इसको समझा है। शोधकर्ताओं को खोज में पता चला है कि जब सूर्य का सिर्फ 15 फीसदी हिस्सा ढका होता है, तो क्यूमलस बादल हट जाते हैं और ग्रहण खत्म होने पर फिर से आ जाते हैं। सिमुलेशन ने इसे समझने के लिए क्लाउड मॉडलिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया। जब सूरज की रोशनी अवरुद्ध होती है, तो सतह ठंडी पड़ जाती है। इसके क्यूम्यलस बादल बनने के लिए गर्म हवा का प्रवाह कम हो जाता है।

भूमि पर यह प्रभाव पड़ता है, जिससे मौसम के मिजाज पर प्रभावत पड़ता है, लेकिन महासागर पर प्रभाव नहीं पड़ता है। मौसम के पैटर्न में सहायक क्यूम्यलस बादल पर जलवायु जियोइंजीनियरिंग का प्रभाव पड़ सकता है। इसके आगे की जांच की जरूरत पड़ती है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट में जटिल संबंध पर प्रकाश डालने वाली रिसर्च प्रकाशित की गई है।

क्रोएशिया के सबसे अद्भुत प्राकृतिक आश्चर्य

यूरोप के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक तटीय देश के रूप में, और एड्रियाटिक सागर तक पूरी पहुंच के साथ, क्रोएशिया के समुद्र तट अपने साफ पानी और कंकड़ वाले तटों के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। हालाँकि, देश की प्राकृतिक सुंदरता इसके समुद्र तट से कहीं आगे तक जाती है, और यह ऐसे परिदृश्य और गतिविधियाँ प्रदान करती है जो हर प्रकार के यात्रियों का मनोरंजन कर सकती हैं। इतना ही नहीं, बल्कि यह एक समृद्ध इतिहास वाला देश भी है, और इसके कई रोमन खंडहर और सेंट यूफेमिया जैसे खूबसूरती से संरक्षित चर्च जैसे स्थल सदियों पुरानी कहानियों को फिर से बताने में मदद करते हैं।

सेटीना नदी स्रोत, क्रोएशिया

पृथ्वी की आँख उपनाम प्राप्त करते हुए सेटीना रिवर स्प्रिंग वास्तव में देखने लायक है। अशुभ दिखने वाला छेद सेटिना नदी का स्रोत है, जो वर्लिका के उत्तर में कुछ मील की दूरी पर एक झरने से निकलती है और 60 मील से अधिक दूरी तक एड्रियाटिक सागर में बहती है। स्रोत की प्रभावशाली गहराई 500 फीट है। हालाँकि, गहरे समुद्र में गोताखोर यह जानना चाहते हैं कि सैटिना रिवर स्प्रिंग में क्या रहस्य छिपे हैं, उन्हें जोरदार नहीं का जवाब मिलेगा, क्योंकि ऐसा करना अवैध बना दिया गया है।

प्लिटविस झील राष्ट्रीय उद्यान

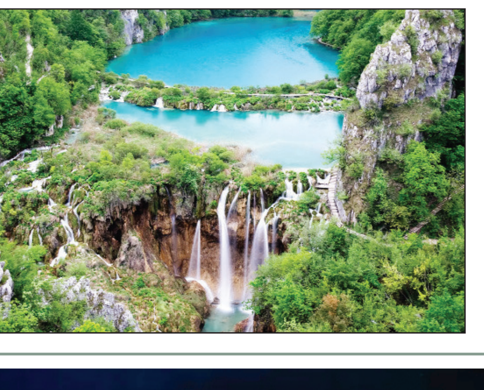

क्रोएशिया में सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक आश्चर्य और गणतंत्र के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान दोनों के स्थानों को ध्यान में रखते हुए, प्लिटविस नेशनल पार्क देश की सबसे खूबसूरत झीलों के साथ शांतिपूर्ण सैर प्रदान करता है। पार्क के खूबसूरत पानी में तैरने की अनुमति नहीं है , लेकिन इसकी फ़िरोज़ा रंग की झीलों का दृश्य और धीरे-धीरे गिरते झरनों की आवाज़ एक उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करती है।

यदि क्लौस्ट्रफ़ोबिया कोई मुद्दा नहीं है, तो बैरेडाइन गुफा के अंदर स्टैलेक्टाइट से भरी संरचना क्रोएशिया की प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाने वाले विस्मयकारी कारक को बनाए रखते हुए नियमित आउटडोर रोमांच से एक स्वागत योग्य ब्रेक हो सकती है। पूरी गुफा एक भू-आकृति विज्ञान स्मारक है जिसका निर्माण लगभग 3.5 मिलियन वर्ष पहले भू-आकृति के विघटन के दौरान पानी की गतिविधियों के कारण हुआ था।

हालाँकि, 1995 तक गुफा को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए सीढ़ियाँ और रेलिंग नहीं लगाई गई थी। और एक अनोखी प्रजाति है जो गुफा में निवास करती है, क्योंकि बेरेडाइन ओल्म एक स्थानिक प्रकार का सैलामैंडर है जिसने गुफा को अपना घर बना लिया है और भूमिगत जल के आसपास तैरते हुए देखा जा सकता है।

एमएलजेट राष्ट्रीय उद्यान

एक द्वीप के भीतर एक झील के भीतर एक द्वीप पर एक मठ। यह एक अजीब वर्णन जैसा लग सकता है, है ना? लेकिन यह एमएलजेट नेशनल पार्क के अंदर देखने के लिए उपलब्ध चीजों में से केवल एक है। एमएलजेट द्वीप के सबसे उत्तरी सिरे पर स्थित , जो पहले से ही क्रोएशिया के सबसे सुरम्य द्वीपों में से एक है , पार्क में पर्याप्त जंगल, लंबी पैदल यात्रा के रास्ते हैं, और, इसका मुख्य आकर्षण, जमीन के एक टुकड़े से विभाजित दो अलग-अलग रंग की खारे पानी की झीलें हैं। दो झीलों में से सबसे बड़ी में, सेंट मैरी द्वीप है, जो चर्च और बेनेडिक्टिन मठ का घर है, जो क्रोएशिया की रोमनस्क संस्कृति का एक स्मारक है जो नाव के माध्यम से पर्यटकों के लिए खुला है और आगंतुकों के लिए जरूरी है।

क्रका राष्ट्रीय उद्यान

क्षेत्र में पाई जाने वाली सबसे बड़ी नदी के नाम पर रखा गया, क्रका नेशनल पार्क आगंतुकों को इसके शांत और गहरे नीले पानी में डुबकी लगाने की अनुमति देता है , साथ ही पार्क के संपन्न जीव-जंतुओं और वनस्पतियों को देखने में भी सक्षम बनाता है। एमएलजेट की तरह, क्रका नदी के ठीक बीच में एक खूबसूरत पुराना चर्च स्थित है। 14वीं शताब्दी में, कैथोलिक भिक्षुओं के एक समूह ने विसोवैक के छोटे से द्वीप पर एक आकर्षक चर्च और मठ का निर्माण करके खुद को स्थापित किया। हालाँकि आक्रमणों के कारण मूल मठ को ध्वस्त कर दिया गया था, इसे 18वीं शताब्दी में फिर से बनाया गया था और आज तक इसका रखरखाव किया गया है।

कोर्नाटी द्वीप समूह

क्रोएशियाई तटरेखा के कुछ हिस्से ऐसे भी हैं जो पर्यटकों के लिए उतने प्रसिद्ध नहीं हैं, जैसे कोर्नाटी द्वीप समूह। 140 से अधिक निर्जन द्वीपों, द्वीपों और चट्टानों से बना, कोरेंटिस एड्रियाटिक सागर में सबसे बड़ा द्वीपसमूह है। द्वीपों की बंजर प्रकृति समुद्र के बीच एक अनोखा और भयानक दृश्य प्रस्तुत करती है।

वोजाक पीक, क्रोएशिया

क्रोएशिया के सभी प्राकृतिक चमत्कारों का संबंध पानी से नहीं है, और लंबी पैदल यात्रा के शौकीनों को उक्का पर्वत श्रृंखला से बाहर निकलने का मौका मिलेगा। पहाड़ और घाटियाँ शानदार पगडंडियों से भरी हुई हैं जो पार्क की विशाल सुंदरता को प्रदर्शित करती हैं। सभी चोटियों में से, सबसे प्रसिद्ध माउंट वोजाक है, जो इस्ट्रियन प्रायद्वीप की सबसे ऊंची चोटी है। शीर्ष पर पहुंचने के बाद, वोजैक टॉवर दिन भर की लंबी पैदल यात्रा के बाद आसपास के पहाड़ों को देखने के लिए एकदम सही लुकआउट पॉइंट देता है।

रिस्नजैक नेशनल पार्क, क्रोएशिया

ऐसे आकर्षणों के साथ जो मुख्य रूप से पैदल यात्रियों और प्रकृति पर नजर रखने वालों के लिए उपयुक्त हैं, रिस्नजैक नेशनल पार्क अपने प्रचुर वनस्पतियों और जीवों पर गर्व करता है। इसके घास के मैदानों में ऊंचाई के आधार पर विभिन्न प्रकार के टर्फ शामिल हैं। और, पौधों की प्रचुर विविधता के कारण, यहाँ वन्य जीवन की भी एक विस्तृत विविधता है। भालू, भेड़िये और पक्षियों की 110 से अधिक विभिन्न प्रजातियाँ कुछ ऐसे जानवर हैं जो पार्क के जंगलों को अपना घर कहते हैं।

बैसीना झीलें, क्रोएशिया

सभ्यता से लगभग अछूती एक अद्भुत भूमि के रूप में, बासीना झीलें सुंदर रंग-बिरंगी झीलें पेश करती हैं जो ठंड के महीनों के दौरान भी तैराकी के लिए उपयुक्त हैं। यह क्षेत्र झीलों को यथासंभव स्वच्छ बनाए रखने के प्रयास में स्थिरता का पूरी तरह से समर्थन करता है, और यह उन लोगों की भी मदद करता है जो सर्वोत्तम संभव अनुभव प्राप्त करने के लिए झीलों के किनारे कैंपिंग में रात बिताना चाहते हैं।

ब्लू गुफा, बिसेवो, क्रोएशिया

कुछ जगहें नीले पानी को खूबसूरत बनाने का दावा करती हैं, लेकिन ब्लू केव इसे बिल्कुल नए स्तर पर ले जाता है। एक त्वरित अवास्तविक अनुभव के लिए, गुफा बिसेवो द्वीप के अंदर है , जहां क्रोएशिया के खूबसूरत समुद्र तटीय शहर, स्प्लिट से एक छोटी नाव की सवारी के बाद पहुंचा जा सकता है। हालाँकि पर्यटक गुफा के मनमोहक पानी में कूदने के लिए प्रलोभित हो सकते हैं, लेकिन गुफा के अंदर तैरना या नाव से बाहर निकलना पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

एलियन को लेकर अक्सर खबरें सामने आती रहती हैं। अब इस बीच एक बेहद हैरान करने वाला दावा किया गया है। एक अध्ययन में कहा गया है कि हजारों प्रकाश वर्ष दूर बैठे एलियन हम पर नजर रख रहे हैं। हालांकि, वो इंसानों को 3000 साल की देरी से देख रहे हैं।

3000 साल से धरती पर नजर रख रहे हैं एलियंस! वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

अध्ययन के मुताबिक, साल 2024 में धरती पर स्थित कोई जगह एलियन के टेलीस्कोप में साल 5024 में नजर आएगी। इसका मतलब यह है कि अगर एलियन इस समय धरती पर किसी चीज को देख रहे होंगे, तो वो तीन हजार साल पुरानी होगी। एक्टा एस्ट्रोनॉटिका के मार्च 2024 संस्करण में क्या एडवांस एलियन सभ्यताएं हमें देख सकती हैं? इस नाम से एक लेख प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन में शोधकर्ता जेडएन उस्मानोव ने हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, किसी भी एलियन सभ्यता द्वारा धरती पर गतिविधियों का पता लगाने के लिए अधिकतम दूरी कम से कम 3,000 प्रकाश वर्ष है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि अगर एलियन अपने विशाल टेलीस्पोक से आज धरती पर देखते हैं, तो उन्हें रोमन या उसके समकालीन भारतीय, ग्रीक अथवा मिस्र की सभ्यता नजर आ रही होगी।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, एक आकाशगंगा दूसरी आकाशगंगा से हजारों प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इन आकाशगंगाओं में स्थित तारों या पिंडों का प्रकाश लंबा सफर तय करके धरती तक पहुंचता है। रात में दिखने वाले चमक रहे तारे सैकड़ों साल पुराने हो सकते हैं। इसी तरह कोई हजारों प्रकाश वर्ष दूर धरती पर इंसानों को देख रहा होगा तो वह हजारों साल बाद ही देख सकेगा।

क्यों नहीं मिले जीवन के संकेत

इसकी वजह हो सकता है कि दशकों के अथक कोशिश के बाद भी हमें एलियन जीवन के कोई संकेत क्यों नहीं मिल पाए। शायद वह धरती से बहुत दूर हैं या तकनीक में इंसानों से बहुत उन्नत हैं। यह भी हो सकता है कि वह धरती पर रहे इंसानों को नोटिस करने के इच्छुक नहीं हैं। तो वहीं इंसानों को संकेत भेजने के लिए प्रेरित कर सकता है, कोई संकेत पकड़ सकते हैं या प्रतिक्रिया दें।

अध्ययन का निष्कर्ष यह है कि एलियंस उन्नत तकनीक से हमारी सभ्यताओं पर नजर रख रहे हैं, लेकिन 3,000 साल के देरी के साथ। इसका मतलब यह है कि ब्रह्मांड में इंसान अकेले नहीं हैं, बल्कि ब्रह्मांडीय पड़ोसियों के साथ अभी तालमेल नहीं है। इंसान उनसे एक अलग समय, अलग वास्तविकता में और अलग इतिहास में रह रहे हैं।

कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दें अधिकारी: डीएम

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय क्लस्टर सुविधा इकाई की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में चावल निर्यातक फर्म मैसर्स केआरबीएल लिमिटेड ग्राम अच्छेजा ग्रेटर नोएडा द्वारा वर्ष 2023-24 में किए गए चावल निर्यात में से 15660 कुंतल चावल के अभिलेख निर्धारित समय अंतर्गत प्रस्तुत नहीं किए जाने के फलस्वरुप निर्यात नीति में दी गई व्यवस्था के अंतर्गत अतिरिक्त समय की मांग की गई।

जिलाधिकारी एवं इकाई के सदस्यों द्वारा चावल निर्यात को बढ़ावा देने एवं मैसर्स केआरबीएल द्वारा विगत वर्षों में किए गए कारोबार के अभिलेख जमा करने हेतु अपनी सहमति प्रदान की गई।

बैठक में मंडी सचिव द्वारा जनपद में प्रस्तावित कृषि आधारित क्लस्टरों की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। उन्होंने बताया कि मंडी परिषद की ओर से किसानों को विपणन, भंडारण, और मूल्य संवर्धन में सहूलियत देने हेतु विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि क्लस्टरों के माध्यम से एकीकृत विपणन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन की दिशा में ठोस प्रयास जरूरी हैं। मंडी सचिव यह सुनिश्चित करें कि स्थानीय किसान उत्पादक संगठनों से सतत समन्वय बना रहे और मंडियों के माध्यम से किसानों को उचित मूल्य मिल सके।

इस महत्वपूर्ण बैठक में उप कृषि निदेशक राजीव कुमार, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग सर्वेश मिश्रा, मंडी सचिव पंकज शर्मा, डीडीएम नाबार्ड अलका, गौतम बुद्धा ऑर्गेनिक फार्मिंग से शिव कुमार, हरनंदी कृषि उत्पादक संगठन संजय शर्मा एवं ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक आदि सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जमीन कब्जाने वालों पर सख्त हो कार्रवाई: नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी

नोएडा। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि आवंटियों की तरफ से आने वाले आवेदनों व शिकायतों को तय समय में अधिकारी निस्तारित करें। उनको रोककर न रखें। अगर इस तरह की शिकायत मिली तो लापरवाही करने वाले स्टाफ को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए।

शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में उक्त बातें मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' कही। बैठक में मंत्री ने विभागवार समीक्षा की। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने मंत्री के समक्ष ग्रेटर नोएडा के विकास से जुड़ी परियोजनाओं, वित्तीय स्थिति व अतिक्रमण, फ्लैट बायर्स मसले आदि पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में चल रहे विकास कार्यों को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

कार्मिक विभाग की समीक्षा के दौरान सीईओ ने मंत्री के समक्ष स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाया, जिस पर औद्योगिक विकास मंत्री ने स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए प्रतिनियुक्ति पर तैनाती का आश्वासन दिया। औद्योगिक विकास मंत्री ने ग्रेटर नोएडा को और सुंदर शहर बनाने के लिए ग्रीनरी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कंटीले तारों को हटाकर सुंदर ग्रिल लगाने को कहा है। उन्होंने सेक्टरों के मेनटेनेंस कार्य में लापरवाही करने वाले कॉन्ट्रैक्टरों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। यहां के निवासियों से फीडबैक लेने के लिए बोर्ड लगाकर कॉन्ट्रैक्ट नंबर लिखने को कहा है।

औद्योगिक विकास मंत्री ने प्राधिकरण की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। बैठक में सीईओ के अलावा एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ सुमित यादव, ओएसडी ओएसडी गुंजा सिंह, ओएसडी गिरीश कुमार झा, ओएसडी एनके सिंह, महाप्रबंधक परियोजना एके अरोड़ा, महाप्रबंधक परियोजना लीनू सहगल, ओएसडी राम नयन सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा स्टेडियम में जल्द होंगे दिन-रात के मैच, इस दिशा में काम शुरू

नोएडा। सेक्टर-21 ए स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जल्द ही रात दिन मुकाबले होंगे। स्टेडियम में फल्ड लाइट लगाई जाएंगी। इसके लिए नई कंपनी का चयन किया जाएगा। नई कंपनी करीब 15 सालों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का संचालन करेगी।साथ ही पुरानी कंपनी की ओर से छोड़े गए अधूरे कार्य को पूरा करेगी। जिसमें फल्ड लाइट, कुर्सी, ड्रेसिंग रूम, लिफ्ट का कार्य शामिल है। बता दें नोएडा प्राधिकरण ने संचालन करने वाली पहली कंपनी फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को बर्खास्त कर दिया है।

अब रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) जारी की जाएगी, जिसमें हिस्सा लेने वाली कंपनियों में किसी एक कंपनी का चयन किया जाएगा। यहीं कंपनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का संचालन और अधूरे काम पूरे कराएगी। बता दे पुरानी कंपनी को स्टेडियम में फ्लड लाइट लगाने व दर्शक दीर्घा में कुर्सी लगाने के साथ दूसरी सुविधाएं विकसित करनी थी। इसके अलावा प्रतिमाह होने वाली एक लाख रुपये की आय को बढ़ाने के लिए भी प्रयास करने थे।

कोई बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन भी नहीं हो सका। लीज के तीन साल बीत जाने के बाद भी कंपनी ने इस दिशा में काम नहीं दिया। करीब 400 करोड़ रुपये खर्च कर बनाए गए अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम में बेहतर इंफ्रा होने के बावजूद रणजी स्तर के मैचों की भी मेजबानी नहीं हो सकी। स्टेडियम केवल शौकिया मैचों का आयोजन स्थल बनकर रह गया है। ऐसे में आरएफपी के जरिये आने वाली कंपनी इसके अधूरे कार्य को पूरा करने के साथ यहां बड़ी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करेगी।

सिविल विभाग उप महाप्रबंधक विजय कुमार रावल ने बताया कि यह स्टेडियम किसी क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी को देने की बात है। ताकि नोएडा के उभरते हुए खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय पटल पर स्थान बना सके।

जल्द पूरा होगा सिंथेटिक एथलेक्टिस ट्रैक का काम: जिले का पहला सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक काम जल्द पूरा हो जाएगा। इसे सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम में बनाया जा रहा है। ट्रैक की लंबाई 300 मीटर है। इसके निर्माण में करीब तीन करोड़ रुपये खर्च हो रहे है। इसके पूरा होने के बाद करीब 200 से अधिक नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ियों को फायदा होगा।

सिथेंटिक ट्रैक का इस्तेमाल 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और बाधा दौड़ समेत अन्य खेलों के लिए किया जा सकेगा। इसके बीच में खाली हिस्से पर लंबी कूद, ऊंची कूद, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, शाटपुट, भाला फेंक और पोल वाल्ट खेल का आयोजन हो सकता है। इसका काम तेजी से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल की सुरक्षा में तैनात कांस्टेबलों से मारपीट, अस्पताल में भर्ती

नोएडा। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती द्वारा सेक्टर-95 में राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन की स्थापना की गई है। यहं पर कई भव्य मूर्तियां लगी हुई है। एक तरह से यह पर्यटक स्थल भी बना हुआ है। मूर्तियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती की गई है। 3 जुलाई की रात की ड्यूटी में तैनात दो कांस्टेबल के साथ तीन-चार अज्ञात बदमाशों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस मारपीट में दोनों कांस्टेबल घायल हो गए हैं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसके अलावा एक सिक्योरिटी सुपरवाइजर के साथ भी सेक्टर-36 में मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ितों की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जानकारी के अनुसार थाना फेस-वन में उत्तर प्रदेश विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा वाहिनी के एक अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दलित प्रेरणा स्थल पर उनके दो कांस्टेबलों की ड्यूटी रात्रि के समय लगी थी। वहां पर तीन चार अज्ञात व्यक्ति आए तथा उन्होंने उनके साथ मारपीट की। जिससे दो कांस्टेबल घायल हो गए, उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि प्लाटून कमांडर जगबीर सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उत्तर प्रदेश विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा वाहिनी लखनऊ की बटालियन सेक्टर-14ए के पास सेक्टर-95 में स्थित राष्ट्रीय दलित परिणाम स्थल की निगरानी में लगी है। पीड़ित के अनुसार 3 जुलाई की रात को आरक्षी विजय कुमार व आरक्षी रामकिशन की ड्यूटी रात एक बजे से सुबह 9 बजे तक लगी थी। तभी तीन चार अज्ञात व्यक्ति वहां पर आए तथा रात 2 बजे के करीब दोनों आरक्षियों के साथ मारपीट की। इस घटना में दोनों को गंभीर चोट आई है। उन्हें एंबुलेंस के द्वारा नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं मारपीट का दूसरा मामला थाना सेक्टर-36 का है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गौरव पुत्र सतबीर में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-36 की रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी की तरफ से सुरक्षा सुपरवाइजर के रूप में तैनात है। पीड़ित के अनुसार गेट नंबर-8 के सामने भंडारा चल रहा था। जिसकी वजह से वहां पर जाम लगा था। वहां पर खड़े अल्ताफ, विजय और अन्य लोगों से उसने गेट से हटकर खड़े होने के लिए कहा तो इन लोगों ने उसके साथ मारपीट कर गाली-गलौज की, और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा के एक थाना क्षेत्र से चार किशोरियां लापता, दो बच्चे अन्य जगहों से हुए गायब

ग्रेटर नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रहने वाले 6 बच्चे घर से लापता हो गए है। लापता होने वाले में 4 लड़कियां व 2 लड़के है। पीड़ित परिजनों ने बच्चों को अज्ञात लोगों द्वारा अगवा करने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि चिपियाना खुर्द में रहने वाली एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी 12 वर्षीय बेटी सुबोध नाम के लड़के से इंस्टाग्राम पर बात करती थी। महिला के अनुसार 3 जुलाई से उसकी लड़की घर से गायब है। पीड़िता ने आशंका व्यक्त की है कि उसकी बेटी को सुबोध बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के अनुसार उसकी बेटी एक स्कूल में पढ़ती है।

थाना बिसरख में ही एक सोसायटी में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 2 जुलाई से उसकी 15 वर्षीय बेटी लापता है। पीड़ित के अनुसार वह 2 जुलाई को पढ़ने के लिए एक निजी स्कूल गई थी, लेकिन वापस नहीं आई। पीड़ित ने आशंका व्यक्ति है कि उसकी बेटी को किसी ने बहला फुसलाकर अगवा कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस दोनों मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि दोनों किशोरी को बरामद करने के लिए पुलिस की दो टीम में लगाई गई है।

एक अन्य मामले की जानकारी देते हुए थाना बिसरख प्रभारी ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह पैरामाउंट सोसायटी के पीछे हनुमान मंदिर के पास रहता हैं। पीड़ित के अनुसार उसकी 12 वर्षीय बेटी को सोमवीर, अमलेश तथा अवधेश नामक तीन लोग बहला-फुसलाकर घर से ले गए हैं। पीड़ित के अनुसार वह 4 जून को अपने पैतृक गांव गए हुए थे। उनकी पत्नी नौकरी करने चली गई। जब दोपहर को उनकी पत्नी वापस आई तो उसने देखा कि बेटी घर पर नहीं है। पीड़ित के अनुसार उसने अपनी बेटी की काफी तलाश की। इस दौरान पता चला कि उसकी बेटी को तीनों आरोपियों ने अगवा किया है। उन्होंने बताया कि तीनों किशोरी को बरामद करने के लिए पुलिस की टीम लगाई गई है।

नोएडा के थाना सेक्टर-142 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्राम शाहदरा में रहता है। पीड़ित के अनुसार उसकी बेटी जिसकी उम्र 14 वर्ष है। वह 2 जुलाई से घर से लापता है। पीड़ित ने भारत पुत्र पवन कुमार पर अपनी बेटी को बहला फुसलाकर अगवा करने का शक जाहिर करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इसके अलावा थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका 15 वर्षीय बेटा मोंटी 25 जून से घर से बिना बताए कहीं पर चला गया। उन्होंने मोबाइल फोन और अन्य माध्यम से अपने नाते- रिश्तेदारियों में उसकी तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। पीड़ित को आशंका है कि उसके बेटे को अगवा किया गया है। वहीं थाना रबूपुरा के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि प्रेम राज भाटी ने रिपोर्ट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका 12 वर्षीय बेटा घर से लापता हो गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सावन में इस बार चार सोमवार होंगे

नोएडा। इस बार सावन की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है। शिव मंदिरों में साफ-सफाई, सजावट और विशेष पूजा-अर्चना की तैयारियां शुरू हो गई है। इस बार सावन में चार सोमवार का संयोग बन रहा है। सावन पर पूजा अर्चना के लिए सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, वोडा महादेव मंदिर और सेक्टर-44 स्थित शिव शक्ति मंदिर और सेक्टर- 20 श्रीहनुमान मंदिर के साथ-साथ सभी मंदिरों में खास इंतजाम किए जा रहे हैं। श्रीहनुमान मंदिर के महासचिव संदीप पोरवाल ने बताया सावन में श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में खास इंतजाम किए जाएंगे। इसे लेकर आठ जुलाई को मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

इसमें तैयारियां को लेकर चर्चा की जाएगी। सेक्टर - 19 सनातन धर्म मंदिर के पुजारी हरेंद्र नाथ दुबे से बताया कि भगवान शिव की विशेष स्तुति और शिव महापुराण कथा चलेगी। वहीं, प्रत्येक सोमवार विशेष आरती और कीर्तन भी होंगे। इस साल

पावन सावन माह 11 जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगा। पंडित प्रकाश जोशी के अनुसार सावन के पहले ही दिन शिववास योग बन रहा है। इसे अत्यंत शुभ और फलदायी माना गया है। मान्यता है कि इस योग में भोलेनाथ का जलाभिषेक करने से साधक को सौभाग्य, सुख-समृद्धि और मनचाहा वरदान प्राप्त होता है।

कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व: सावन में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व होता है। शहर के विभिन्न मुख्य मंदिरों में मेले जैसा माहोल रहता है। दूर-दूर से शिव भक्त कांवड़ लेकर पहुंचते हैं। सावन 9 अगस्त रक्षाबंधन पर खत्म होगा। 23 जुलाई को श्रावण शिवरात्रि मनाई जाएगी। इसपर शिवभक्त दूस दराज से गंगा जल लाकर भगवान शिवा का अभिषेक करेंगे।

सावन माह में इस वर्ष चार सोमवार व्रत: पहला सोमवार 14 जुलाई 2025 दूसरा सोमवार 21 जुलाई 2025 तीसरा सोमवार 28 जुलाई 2025 चौथा सोमवार 4 अगस्त 2025

शिक्षिका की अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के थाना दादरी में एक शिक्षिका ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात लोगों ने उसकी फोटो को एडिट करके किसी अन्य व्यक्ति के साथ अश्लील वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इस वजह से उसकी छवि इंस्टिट्यूट व समाज में खराब हो रही है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि एक शिक्षिका ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एक नामी इंस्टिट्यूट में 13 वर्ष से छात्रों को पढ़ाने का काम कर रही है। पीड़िता के अनुसार कुछ शरारती तत्वों ने फरवरी 2025 में इंस्टाग्राम पर एक ग्रुप बनाया तथा उनके व्हाट्सएप प्रोफाइल से फोटो निकालकर उसे एडिट करके किसी अन्य व्यक्ति के साथ अश्लील रूप से दिखाकर वीडियो बनाई और उसे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल कर दिया।

पीड़िता के अनुसार इस घटना के बाद से वह काफी परेशान है। उनकी शिक्षिका पद व सामाजिक गरिमा को काफी ठेस पहुंच रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिक्षिका की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मजदूरों पर हमला- देश की जनता पर हमला: गंगेश्वर दत्त शर्मा

ग्रेटर नोएडा। मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों को रद्द करवाने व न्यूनतम वेतन 26000 घोषित करवाने सहित कई मुद्दों/ मांगों को लेकर के ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर 9 जुलाई 2025 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को गौतम बुद्ध नगर में सफल बनाने के लिए सीटू कार्यकर्ता लगातार जनसंपर्क के जरिए हड़ताल का माहोल तैयार करने में जुटे हुए हैं।

आज ग्रेटर नोएडा उद्योग विहार अनमोल इंडस्ट्रीज के पास सीटू द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मजदूर नेता सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त ने कहा कि मजदूरों पर हमला- देश की जनता पर हमला है! इसीलिए सीटू गौतम बुध नगर कमेटी 9 जुलाई 2025 को मजदूर संगठनों द्वारा प्रस्तावित श्रमिकों की देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने में लगी हुई है।उन्होंने कहा लेवर कोड़ मजदूरों के साथ धोखा है क्योंकि प्रस्तावित लेवर कोड्स मजदूरों को कानूनी सुरक्षा से वंचित कर देंगे मजदूरों को संगठित होने व यूनियन बनाने की आजादी छीन जाएगी तथा हड़ताल करने का हक भी नहीं रहेगा और मजदूरों को मालिकों की हर बात चुपचाप मानने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और मजदूरों की जिंदगी दिन ब दिन मुश्किल होती जाएगी। उन्होंने कहा कि लेवर कोड्स के खिलाफ सिर्फ मजदूरों की ही लड़ाई नहीं है यह हर उस इंसान की लड़ाई है जो मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पेट पालना चाहता है, यह उन करोड़ों लोगों की लड़ाई है जो एक सम्मानजनक जीवन जीना चाहते हैं। शिक्षा- स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा के साथ।

उन्होंने कहा कि मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएं अगर आज चुप रहे तो आने वाली पीढ़ियां गुलामी की जिन्दगी जीने को मजबूर होंगी। केंद्र व प्रदेश सरकारों की जन विरोधी नीतियों को रेखांकित करते हुए उन्होंने सभी मेहनतकश लोगों से 9 जुलाई की आम हड़ताल में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने और मजदूरों के अधिकारों, लोकतंत्र और एकता पर हो रहे हमलों के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए मेहनतकश लोगों को प्रेरित किया।

सभा को सीटू जिला नेता राम सागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामस्वारथ मुकेश कुमार राघव, सुखलाल, रंजीत तिवारी, फिरोज खान, संतोष तिवारी, रामकिशन सिंह, सुनील पंडित, हुकम सिंह, जोगिंदर सैनी आदि नेताओं ने संबोधित किया।

सभा का संचालन कर रहे सेंटर ऑफ़ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू गौतम बुध नगर महासचिव राम सागर ने सभा का समापन करते हुए सभा में आए सभी लोगो का धन्यवाद व्यक्त किया। और सभी से हड़ताल की तैयारी में जुट जाने की अपील किया। साथ ही उन्होंने बताया कि आज की सभा को सीपीआई(एम) के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड एम ए बेबी को संबोधित करना था लेकिन खराब मौसम की वजह से उनका कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अनिल रॉयल
फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

सपा-बसपा सरकार में पर्ची-खर्ची का खेल चलता था: औद्योगिक विकास मंत्री

नोएडा। भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने का काम किया है। पहले चाहें मायावती की सरकार रही हो, या समाजवादी पार्टी की। विभागों में काम कराने के लिए पर्ची चलती थी। पर्ची और खर्ची पर ही सब खेल होता था। अब ये बंद हो चुका है। ये बातें औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने शुक्रवार को नोएडा में कही। वह यहां नोएडा विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्रदेश का मुकुट है: नंद गोपाल गुप्ता ने कहा- जैसे भारत का मुकुट कश्मीर है। वैसे नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्रदेश का मुकुट है। यहां पर देश के बड़े उधोगपतियों की इंडस्ट्रियां चल रही हैं। बहुत से लोग इंडस्ट्री लगाने के लिए आ रहे हैं। रोड, नाली सड़क, हार्टिकल्चर पार्क के साथ लैंड बैंक कैसा बढ़ाया जाए। इंडस्ट्रियलिस्ट को कैसे और अच्छी सहूलियतें दी जाए। इसी पर चर्चा करने के लिए आज यहां पर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इंडस्ट्रियलिस्ट को सहूलियत देने का सरकार कर रही प्रयास: औद्योगिक विकास मंत्री ने बताया- ये बैठक 5 घंटे चली। इसमें पाया गया कि कुछ अधिकारियों ने बहुत ही अच्छा काम किया है। कुछ जगह पर थोड़ी कमियां थी, उसमे सुधार करने को कहा गया है। सरकार चाहती है कि इंडस्ट्रियलिस्ट को और सहूलियत दी जाए ताकि वे कंपनियां खोल सके। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा।

यूपी ने ओडीओपी के जरिए दुनिया में नई पहचान दिलाई: मंत्री ने कहा- पिछले आठ सालों में उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश बनने की डगर पर है। थोड़ी बहुत कमी मिली है। सुधार के लिए निर्देश दे दिए हैं। अधिकारियों को आर्किटेक्ट के साथ समीक्षा बैठक कर समन्वय बनाने के लिए निर्देश दिया गया है। इंटरनेशनल ट्रैड शो का नतीजा है पूरी दुनिया के लोग इसमें हिस्सा लेते हैं। बायर्स पार्टिसिपेट करते हैं। 2027-28 तक के ऑर्डर मिल चुके हैं। ओडीओपी के जरिए दुनिया में नई पहचान दिलाई।

स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में सक्षम मंडार ने प्राप्त किया सिल्वर मेंडल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की एनएसजी सोसायटी निवासी अमित मंडार के पुत्र सक्षम मंडार ने उत्तर प्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन के तत्वाधान में मथुरा में आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर मथुरा के जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने मेंडल पहनकर सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन के द्वारा शूटिंग प्रतियोगिता प्रदेश के जनपद मथुरा में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश भर के युवाओं ने भाग लिया। वहीं ग्रेटर नोएडा की एनएसजी सोसाइटी में रहने वाले सक्षम मंडार ने 10 मी. शूटिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए सिल्वर मेंडल प्राप्त कर शहर का नाम रोशन किया। सक्षम मंडार के चाचा एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर मथुरा के जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने सक्षम मंडार के द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर मेडल पहनकर एवं 5100 की नगद सहयोग राशि देकर हौसला अफजाई की। सक्षम मंडार के द्वारा प्रतियोगिता में सिल्वर मेंडल प्राप्त करने पर परिवार एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

साल के अंत तक लोगों को मिल जाएगी 25 करोड़ की सौगात

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने शहर के 16 सेक्टर व गांव के लोगों को सामुदायिक केंद्र की सौगात दी है। 12 स्थानों पर सामुदायिक केंद्र का निर्माण चल रहा है जबकि 4 स्थानों पर निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में भी है। सभी के निर्माण पर लगभग 25 करोड़ रुपए का खर्चा आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि इस साल के अंत तक सभी सामुदायिक केंद्र तैयार हो जाएंगे। सामुदायिक केंद्र बनने से हजारों लोगों को शादी, पार्टी व कार्यक्रम आयोजन में सुविधा होगी।

16 सेक्टरों व गांवों में सामुदायिक केंद्र बनाए जा रहे हैं। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि सामुदायिक केंद्र सेक्टर ओमीक्रान वन ए, ज्यू वन, ज्यू टू, ज्यू थ्री, ईटा वन, जीटा वन, डेल्टा थ्री, सेक्टर 37, सेक्टर 36, पाई वन, स्वर्णनगरी और चिपियाना बुजुर्ग में बन रहे हैं। जबकि सेक्टर-3, सिरसा, डाढ़ा और लुक्सर में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण जल्द शुरू कराया जाएगा। सभी सामुदायिक केंद्र दो मंजिला बन रहे हैं। ग्राउंड तल पर लॉबी पार्टी हॉल, किचन, स्टोर, एक रूम और लेडीज व जेंट्स ट्वॉयलेट और प्रथम तल पर लॉबी, लाइब्रेरी और लेडीज व जेंट्स ट्वॉयलेट की सुविधा होगी। हर सामुदायिक केंद्र में लगभग 50 वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था होगी।

धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलदेव की रथ यात्रा

नोएडा। भगवान जगन्नाथ बलदेव और सुभद्रा की रथयात्रा में शुक्रवार को यात्रा कामनगर गांव से चलकर गुर्जा डेरिन होते हुए बदौली सेक्टर 151 पहुंची। रास्ते में महिलाएं रथ के सामने झाड़ू लगाती हुई आगे आगे चल रही थी। रास्ते में भक्तगण अपने दरवाजे के सामने भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की पूजा अर्चना करते नजर आए तो दूसरी तरफ रास्ते में भंडारा प्रसाद, कोल्ड ड्रिंक, बिस्किट, फल आदि का भी वितरण करते हुए भक्तगण दिखाई पड़ रहे थे। मंदिर के मीडिया कोऑर्डिनेटर बैकुंठ निवास दास ने बताया कि इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष श्याम गोपाल दास, कृष्णानंद गर्ग मुनि, मंदिर निर्माण इंचार्ज ओमपाल सिंह, शरदोत्सव प्रभु देवानंद पंडित, रामाश्रय, श्याम, अंकित, राम कृष्ण, सुशील भड़ाना, सुनील भाटी, हिमांशु लीला प्रभु आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चावल निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया

नोएडा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को क्लस्टर सुविधा इकाई की बैठक ली। बैठक में चावल निर्यातक फर्म मेसर्स केआरबीएल लिमिटेड ने वर्ष 2023-24 में किए गए चावल निर्यात में से 15660 कुंतल चावल के अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। डीएम ने चावल निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही केआरबीएल को विगत वर्षों में किए गए कारोबार के अभिलेख जमा करने पर सहमति दी। बैठक में मंडी सचिव द्वारा प्रस्तावित कृषि आधारित क्लस्टरों पर प्रस्तुति दी गई। उन्होंने बताया कि मंडी परिषद की ओर से किसानों को विपणन, भंडारण, और मूल्य संवर्धन में सहूलियत देने हेतु विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

कब्जा न देने पर ब्याज समेत जमा धनराशि लौटाने के निर्देश

नोएडा। प्लाट के पूरा पैसा लेने के बाद भी कब्जा नहीं देने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने सामिहा इंटरनेशनल बिल्डर को 6 फीसदी ब्याज समेत पूरा पैसा 30 दिन में लौटाने का आदेश दिया है। पांच हजार रुपये वाद व्यय के भी देने होंगे। आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने सुनवाई की।

गाजियाबाद के लोनी निवासी रविंद्र सिंह ने सामिहा इंटरनेशनल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड की आवासीय योजना में एक प्लाट 200 वर्ग गज का 11.50 लाख रुपये में तय किया। 25 फरवरी 2008 को एग्रीमेंट हुआ। बिल्डर को 11.50 लाख रुपये का भुगतान किया। शेष 60 हजार रुपये कब्जा देने और रजिस्ट्री के दौरान देना तय हुआ। कई बार कहने के बाद बिल्डर ने प्लाट पर कब्जा नहीं दिया। कब्जा नहीं देने पर पैसा लौटाने के लिए कहा गया। बिल्डर ने नही पैसा लौटाया। जिला उपभोक्ता आयोग में वाद दायर करके जमा पैसा दिलाने की गुहार लगाई गई।

आयोग में सुनवाई के दौरान बिल्डर ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उत्तराखंड में आवासीय योजना में प्लाट बुक किया था, जो व्यवसायिक उद्देश्य के लिए लिया था। यह उपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आता है। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद माना कि कोई भी संपत्ति व्यवसाय कमाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह नहीं कहा जा सकता है। बिल्डर ने पूरी रकम लेने के बाद भी कब्जा नहीं देने और न ही पैसा लौटाने पर सेवा में कमी की है। आयोग ने 6 फीसदी ब्याज समेत जमा की धनराशि 11.50 लाख रुपये बिल्डर को 30 दिन में लौटाने का आदेश दिया।

महिला का कीमती बैग ऑटो में छूटा, नोएडा पुलिस ने कुछ ही घंटों में ढूंढकर लौटाया

नोएडा। नोएडा पुलिस की सतर्कता और साइबर तकनीक की मदद से आज एक महिला का महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सामान से भरा बैग सकुशल वापस किया गया। यह घटना सेक्टर-52 स्थित पिंक बूथ पर दर्ज की गई, जहां महिला ने बताया कि उसका बैग ऑटो में छूट गया है। महिला सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन से गौर सिटी की ओर जा रही थीं, तभी सफर के दौरान उनका बैग, जिसमें महत्वपूर्ण दस्तावेज, रुपए और ऋ्ढ्ढ कार्ड मौजूद थे, ऑटो में छूट गया। परेशान महिला ने तुरंत पिंक बूथ पर मौजूद उप निरीक्षक नूरद्दीन को घटना की जानकारी दी और ऑटो चालक को किए गए किराए के डिजिटल भुगतान की जानकारी साझा की।

सूचना मिलते ही कार्यवाही: सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-49 पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए साइबर हेल्पडेस्क की मदद ली। कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेन्द्र कुमार सिंह और आरक्षी अतुल कुमार ने ऋ्ढ्ढ लेन-देन के आधार पर ऑटो चालक की पहचान की और उससे संपर्क कर बैग बरामद किया। जांच में पाया गया कि बैग की सभी सामग्री सुरक्षित थी। इसके बाद सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी-3) ट्विंकल जैन द्वारा महिला को उसका बैग सौंपा गया। महिला ने नोएडा पुलिस की त्वरित कार्रवाई और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

धमकी देकर निकाह का बनाया दबाव, सोशल मीडिया पर फोटो किए वायरल

नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जो एक युवती को डरा-धमकाकर जबरन निकाह करने के लिए मजबूर कर रहा था। आरोपी पर युवती की आपत्तिजनक फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर डालने का भी आरोप है।

पुलिस ने जानकारी दी कि आरोपी आजिम उर्फ नाजिम, पुत्र मौ. कलामुद्दीन, निवासी ग्राम सिंघा खुर्द, थाना सिगांही, जनपद लखीमपुर खीरी को बस स्टैण्ड, फेस-2 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। वह वर्तमान में बाल विद्या इंटर कॉलेज के पास, हल्दोनी, थाना ईकोटेक-3, नोएडा में रह रहा था।आरोपी के खिलाफ थाना फेस-2 में मुकदमा बीएनएस, एवं आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पीड़िता को धमकाकर शादी करने का दबाव बनाया और उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

फिलहाल आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जारी है और उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

महिला पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाला गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने फेज-2 क्षेत्र स्थित कंपनी में काम करने वाली महिला पर धर्म परिवर्तन करके निकाह के लिए दबाव बनाने वाले आरोपी को गुरुवार शाम गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने महिला को फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दो लाख रुपये भी ऐंठ थे। जिला जालौन की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि वह कुछ समय पहले तक नोएडा की कंपनी में काम करती थी। इस कंपनी में लखीमपुर खीरी निवासी आजिम उर्फ नाजिम भी काम करता था। यहां दोनों की मुलाकात हुई। आरोप है कि आजिम ने उसे झांसे में लेकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

धीरे-धीरे आरोपी ने उससे दो लाख रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद आरोपी ने उस पर जबरन धर्म परिवर्तन करके निकाह करने के लिए दबाव बनाया। उसने इससे इनकार कर दिया तो आरोपी ने उसके भाइयों और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता नोएडा छोड़कर जिला जालौन स्थित अपने पैतृक गांव पहुंची। जहां पता चला कि आरोपी ने महिला के फोटो और वीडियो से छेड़छाड़ करके सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी का पिता कमलउद्दीन आपराधिक प्रवृत्ति का है। वह उसके परिजन को हत्या की धमकी दे रहा है। एडीसीपी ह्रदेश कठेरिया का कहना है कि जांच के बाद आरोपी आजिम उर्फ नाजिम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी के पिता पर लगे आरोपों की जांच की जा रही है।

यथार्थ अस्पताल ने पैसे किए वापस लेकिन टूटा मरीज का भरोसा

नोएडा। यथार्थ अस्पताल प्रबंधन ने बिना जांच किए ही मरीज से लगभग 23 हजार रुपए अवैध रूप से वसूल लिए थे। पीड़ित के साथ अस्पताल जाकर लोगों ने विरोध दर्ज कराया था। मामले में अस्पताल प्रबंधन ने अपनी गलती को स्वीकार किया था। मरीज के साथ यथार्थ अस्पताल में हुए फर्जीवाड़े की खबर को द न्यूज गली ने प्रमुखता के साथ चलाया था। जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया और मरीज से संपर्क कर फर्जी रूप से वसूला गया पूरा पैसा ऑनलाइन उसके बैंक खाते में ट्रांसफर्र कर दिया।

शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर म्यू 2 में रहने वाले विपिन कुमार की आँखों मे दिक्कत थी। जाँच करवाने के लिए यथार्थ अस्पताल पहुंचे, डॉक्टरों ने 28 जून को यथार्थ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था और 2 दिन रखने के बाद 1 जुलाई को डिस्चार्ज कर डेढ़ लाख रुपये का बिल बना दिया। अस्पताल का डेढ़ लाख रुपये बिल भुगतान मरीज घर आ गया। लेकिन जब जाँच रिपोर्ट और अन्य चीजों का खर्चा जोड़ा तो संदेह हुआ उन्होंने सैक्टर के ऋ्ढ्ढ अध्यक्ष धर्मेंद्र राठी पूरी बात बताई। धर्मेंद्र राठी ने विपिन कुमार लेकर अस्पताल में इसकी शिकायत की। अस्पताल में एक जांच का लगभग 23 हजार रुपए वसूला गया था। लोगों ने उसकी जांच रिपोर्ट मांग ली थी। अस्पताल प्रबंधन जांच की रिपोर्ट नहीं दिखा सका था।

लोगों का यह है कहना: लोगों का कहना है कि बिना जांच किए ही फर्जी रूप से पैसों की वसूली करना गलत है। कपिल व विशाल कुमार का कहना है कि पीड़ित मरीज ने सतर्कता दिखाते हुए जांच रिपोर्ट मांग ली, यदि वह जागरुक नहीं होते तो उन्हें फर्जीवाड़े का पता ही नहीं चलता। उनका कहना है संभावना है कि अस्पताल ने इसी प्रकार से अन्य लोगों के साथ भी फर्जीवाड़ा किया होगा।

केंद्रीय मंत्री इस दिन फरीदाबाद-नोएडा एयरपोर्ट का करेंगे निरीक्षण

नोएडा। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए बनाए गए लिंक एक्सप्रेस वे का निरीक्षण करने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आठ जून को आएंगे। निरीक्षण के अलावा केंद्रीय मंत्री वहां पौधारोपण भी करेंगे। कार्यक्रम के लिए तैयारी शुरू हो गई हैं।

नोएडा एयरपोर्ट से दिल्ली मुंबई एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी के लिए फरीदाबाद के बल्लभगढ़ से एयरपोर्ट के बीच 31 किमी लंबा एक्सप्रेस वे बनाया गया है। इसके साथ ही यमुना एक्सप्रेस वे से कनेक्टिविटी के लिए इंटरचेंज बनाया गया है। एक्सप्रेस वे व इंटरचेंज का निर्माण एनएचएआइ ने किया है।लिंक एक्सप्रेस वे के जरिये फरीदाबाद समेत हरियाणा के जिलों से सीधे एयरपोर्ट पहुंचा जा सकता है। अभी एक्सप्रेस वे पर वाहनों की आवाजाही शुरू नहीं हुई है। एयरपोर्ट शुरू होने के साथ ही वाहनों के लिए लिंक एक्सप्रेस वे को भी खोल दिया जाएगा।

पुलिस ने चलाया मिशन शक्ति फेस-5 अभियान, महिलाओं को किया जागरूक

नोएडा। फेलिक्स अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने एक महिला की जान बचाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। लंबे समय से अत्यधिक मासिक रक्तस्राव और गर्भाशय में गांठों (फाइब्रॉइड्स) से पीड़ित 40 वर्षीय महिला पूनम का सफल ऑपरेशन कर उनका गर्भाशय और दोनों अंडाशय निकाले गए। इस जटिल ऑपरेशन का नेतृत्व वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा छपराना ने किया।

डॉक्टर सीमा के अनुसार मरीज पूनम ऑपरेशन से पूर्व हेवी ब्लीडिंग की शिकायत पर एक सप्ताह पहले अस्पताल आई थी। महिला को हैवी ब्लीडिंग इतनी ज्यादा थी कि वह प्रतिदिंग छह से सात पैड उपयोग कर रही थी। पूर्व में उसने कई सरकारी और निजी अस्पताल के चिकित्सकों की सलाह पर कई दवाएं ली। लेकिन कोई आराम नहीं मिला था। महिला ने बताया कि पहले उसकी दो सिजेरियन सर्जरी हो चुकी थी। बाद महिला को अस्पताल में भर्ती किया गया । प्रारंभिक जांच के बाद पाया कि महिला के गर्भाशय में कई फाइब्रॉइड्स मौजूद थीं। यूट्रस चिपका हुआ था। यह गांठें गर्भाशय की आगे और पीछे की दीवारों में फैली हुई थीं। जिससे यह 14-16 सप्ताह की गर्भावस्था जितना बड़ा प्रतीत हो रहा था। डॉ. सीमा छपराना और डॉक्टरों की टीम ने ओपन सर्जरी करने का निर्णय लिया। लेकिन सर्जरी आगे के बजाए पीछे से की गई। जांच में पता चला कि अंडाशय गर्भाशय की पिछली सतह से चिपका हुआ था।

जबकि ब्लैडर गर्भाशय की अगली सतह से चिपका मिला। ऑपरेशन करते समय डॉक्टरों ने जमे हुए टिश्यू को ध्यानपूर्वक हटाया और ब्लैडर की सतह को सुरक्षित रूप से अलग किया। इसके बाद गर्भाशय को सहारा देने वाली संरचनाएं जैसे यूटेराइन लिगामेंट, फैलोपियन ट्यूब्स और अंडाशय को सावधानीपूर्वक काटकर हटाया गया। सर्जरी के दौरान रक्तस्राव पर पूरी तरह नियंत्रण रखा गया और पेशाब की थैली की कार्यक्षमता भी सुरक्षित बनी रही। करीब तीन घंटे तक चली सर्जरी के बाद ऑपरेशन सफल रहा। ऑपरेशन के बाद मरीज को विशेष निगरानी में आईसीयू में रखा गया। मरीज को कुछ भी खाने-पीने से रोक रखा और कैथेटर के माध्यम से पेशाब की निगरानी की गई। मरीज को तरल आहार, एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक इंजेक्शन, एंटी-वोमिटिंग दवाएं दी गई। खून बहाव रोकने के लिए ट्रैपिक इंजेक्शन भी दिया गया। डॉ. सीमा छपराना और डॉक्टरों की टीम की लगातार निगरानी और देखभाल के चलते महिला की हालत अब स्थिर है और उन्हें शीघ्र ही अस्पताल से छुट्टी दी जाएगी। इस सर्जरी में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप ने बेहोशी एवं दर्द प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली। महिला अब पूरी तरह खतरे से बाहर है।

फाइब्रॉइड्स की समस्या को नहीं करें नजरअंदाज: डॉ. सीमा छपराना ने बताया कि महिलाओं में फाइब्रॉइड्स (गांठें) एक आम समस्या है। जो गर्भाशय की मांसपेशियों में बनती हैं। यह स्थिति कई बार अत्यधिक और अनियमित मासिक रक्तस्राव, पेट में भारीपन, दर्द, बांझपन और थकावट का कारण बनती है। कई बार यह गांठें दवाओं से नियंत्रित नहीं होतीं, ऐसे में ऑपरेशन ही अंतिम विकल्प बन जाता है। समय पर सफल सर्जरी से मरीज की जान बची है। आज आधुनिक तकनीक और कुशल चिकित्सा विशेषज्ञता से गंभीर स्त्रीरोग संबंधी समस्याओं का समाधान संभव है। समय पर जांच और सही उपचार से इस प्रकार की जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है।

विवाद, राजनीतिक दांवपेच और यू-टर्न... दिल्ली में 15 साल पुरानी गाड़ियों पर रोक की कहानी पुरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए 15 साल से पुराने पेट्रोल और 10 साल से पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला एक बार फिर सुर्खियों में है। यह नीति, जो 1 जुलाई 2025 से लागू होने वाली थी, जनता के भारी विरोध और तकनीकी चुनौतियों के कारण स्थगित कर दी गई है। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। कभी आप सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी इस नीति को लागू करने में ढिलाई बरती थी। दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों पर प्रतिबंध की कहानी नई नहीं है।

जनता की नाराजगी का पलड़ा भारी: दिल्ली, जो दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है, में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने अप्रैल 2025 में आदेश जारी किया था कि 1 जुलाई से पुराने वाहनों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जाएगा। इस नीति के तहत, 498 पेट्रोल पंपों पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरे

लगाए गए, ताकि 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहनों की पहचान की जा सके। इन वाहनों को सड़कों से हटाने और स्क्रैप करने की योजना थी।

हालांकि, इस फैसले ने दिल्ली की सड़कों पर तूफान खड़ा कर दिया। अनुमानित 62 लाख वाहन, जिनमें 41 लाख दोपहिया शामिल हैं, इस प्रतिबंध के दायरे में आते हैं। आम जनता, खासकर निम्न और मध्यम वर्ग, जिनके लिए पुराने वाहन रोजमर्रा की जरूरत हैं, ने इस नीति को तुगलकी फरमान करार दिया। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, लोगों ने इसे अव्यावहारिक और आर्थिक रूप से बोझिल बताते हुए विरोध जताया।

तकनीकी खामियां और कानूनी उलझनें

दिल्ली सरकार ने इस नीति को लागू करने में कई तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं का हवाला दिया। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने [illegible]को पत्र लिखकर कहा कि [illegible]सिस्टम पूरे एनसीआर में एकीकृत नहीं है, और कई पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरे सही ढंग से काम नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन ने तर्क दिया कि ईंधन को आवश्यक वस्तु माना जाता है, और इसे देने से मना करना आवश्यक वस्तु अधिनियम का उल्लंघन हो सकता है। पंप कर्मचारियों को प्रवर्तन अधिकारी की भूमिका निभाने के लिए मजबूर करना भी विवादास्पद रहा, क्योंकि इससे कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है।

राजनीतिक घमासान

देखा जाए तो इस नीति पर बीजेपी और आप दोनों ने दूरी बनाई है। बीजेपी सरकार ने शुरू में इस प्रतिबंध को प्रदूषण नियंत्रण के लिए जरूरी कदम बताया था। पर्यावरण मंत्री सिरसा ने मार्च 2025 में घोषणा की थी कि 31 मार्च के बाद पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। लेकिन जनता के गुस्से और तकनीकी दिक्कतों के बाद, सरकार ने 3 जुलाई 2025 को CAQM से इस आदेश को स्थगित करने की अपील की। वहीं, आप ने इस नीति को बीजेपी का तुगलकी फरमान करार देते हुए इसका विरोध किया। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि यह नीति आम लोगों, खासकर दोपहिया वाहन चालकों और बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करेगी। [illegible]ने दावा किया कि बीजेपी इस नीति के जरिए वाहन निर्माता कंपनियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि आप सरकार ने भी 2018 में सुप्रीम कोर्ट और [illegible] के आदेशों के बावजूद इस नीति को पूरी तरह लागू नहीं किया था, जिसे अब बीजेपी सरकार ने उलाहना दिया है।

दिल्ली में यहां है मुगलों का आखिरी किला, कभी सजता था दरबार अब खंडहर हो चुका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली शहर इतिहास के हर पन्ने पर अपनी छाप छोड़ता है। दिल्ली में कई ऐतिहासिक इमारत मौजूद हैं। लाल किला, कुतुब मीनार और हुमायूं के मकबरे की भव्यता तो हर कोई जानता है, लेकिन महरौली की संकरी गलियों में छिपा एक ऐसा किला है, जो मुगल साम्राज्य की आखिरी निशानी है। यह है जफर महल, जो कभी शाही दरबार की शान था और आज खंडहरों में तब्दील हो चुका है। आइए, इस गुमनाम स्मारक की कहानी को इतिहास के पन्नों से उकेरते हैं और जानते हैं कि कैसे यह भव्य इमारत गुमनामी के अंधेरे में खो गई।

मुगल साम्राज्य की अंतिम इमारत: साउथ दिल्ली के महरौली में स्थित जफर महल मुगल काल की आखिरी स्मारकीय संरचना मानी जाती है। इसका निर्माण 18वीं शताब्दी में मुगल सम्राट अकबर शाह द्वितीय ने शुरू किया था, लेकिन इसे पूरा बहादुर शाह जफर द्वितीय ने 19वीं शताब्दी में करवाया। बहादुर शाह जफर ने इस महल को गर्मियों में रहने के लिए बनवाया था। उस दौर

में महरौली के घने जंगल और शांत वातावरण इसे गर्मियों में शाही परिवार के लिए आदर्श बनाते थे।

जफर महल की संरचना में मुगल और यूरोपीय वास्तुकला का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। लाल बलुआ पत्थर से निर्मित इस तीन मंजिला इमारत में एक भव्य प्रवेश द्वार और विशाल छज्जा शामिल किया गया, जो इसे अपने समय का एक आलीशान नमूना बनाता था। महल के पास ही हजरत कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह है, जिसके कारण यह स्थान शाही और आध्यात्मिक महत्व का केंद्र बन गया था।

शाही ठाठ और फूलवालों की सैर: जफर महल केवल एक गर्मियों में रहने का महल नहीं था, यह उस दौर की संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक था। इतिहासकार राणा सफवी के अनुसार, यह महल फूलवालों की सैर जैसे समारोहों का गवाह रहा, जो हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक था। इस उत्सव में लोग दरगाह और आसपास के मंदिरों में फूल चढ़ाते थे, और जफर महल इसका केंद्र हुआ करता था।

महल के परिसर में एक छोटा कब्रिस्तान भी है, जहां मुगल शाही परिवार के कई सदस्यों की कब्रें हैं। खास बात यह है कि बहादुर शाह जफर ने भी यहीं दफन होने की इच्छा जताई थी, लेकिन नियति को कुछ और मंजूर था।

1857 की क्रांति और जफर का निर्वासन: जफर महल की कहानी उस दौर की त्रासदी से अटूट रूप से जुड़ी है, जब 1857 में भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हुआ। बहादुर शाह जफर, जो एक कवि और शायर भी थे, इस क्रांति के प्रतीक बन गए। लेकिन अंग्रेजों ने उन्हें विद्रोह का दोषी ठहराया और 7 अक्टूबर 1858 को देशद्रोह के आरोप में दिल्ली से रंगून (अब यंगून, म्यांमार) निर्वासित कर दिया।

उस समय की कहानियां बताती हैं कि जफर को एक बैलगाड़ी में रंगून ले जाया गया, और उनके साथ ब्रिटिश सैनिकों का एक दल था। उनकी इच्छा थी कि उनकी मृत्यु के बाद उन्हें जफर महल के पास दरगाह के आहाते में दफन किया जाए, लेकिन यह ख्वाहिश पूरी न हो सकी। 1862 में रंगून में उनकी मौत हुई और उनकी कब्र को शुरू में अचिह्नित छोड़ दिया गया।

केजरीवाल के शीश महल में लगे पर्दों की कीमत से भी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने शुक्रवार को सीएम रेखा गुप्ता के जन सेवा सदन के उद्घाटन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इसकी लागत अरविंद केजरीवाल के 'शीश महल' में लगे पर्दों की कीमत से भी कम है। मिश्रा ने बताया कि जन सेवा सदन को कैमरों और मीडिया कर्मियों के लिए खोला गया है ताकि वे आम लोगों के लिए की गए इंतजामों को देख सकें। बता दें कि, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली में सीएम के जन सेवा सदन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएम कैंप ऑफिस में हवन किया गया, जिसमें उनके पति मनीष गुप्ता और बेटे निकुंज मौजूद रहे।

इस अवसर पर कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के जन सेवा सदन का आज उद्घाटन हुआ है। आज पहला दिन है। यह मीडिया और कैमरों के लिए खुला है, ताकि आम लोगों के लिए किए गए सभी इंतजामों को देखा जा सके। 11 साल बाद सीएम का आवास या ऑफिस लोगों के लिए खोला गया है। पूरा जन सेवा सदन अरविंद केजरीवाल के शीश महल में लगे पर्दों की कीमत से भी कम लागत में बना है। दिल्ली के मंत्री ने कहा कि जन सेवा सदन के लिए जारी हुआ टेंडर सार्वजनिक है, जबकि शीश महल के जारी सार्वजनिक नहीं था। दिल्ली के लोगों की सभी शिकायतें यहां सुनी और दर्ज की जाएंगी।

सीएम आवास के लिए 60 लाख का टेंडर जारी

2 जुलाई को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सरकारी आवास के रेनोवेशन के लिए 60 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। पीडब्ल्यूडी की ओर से मुख्यमंत्री को राजनिवास मार्ग पर बंगला नंबर-1 और बंगला नंबर-2 आवंटित किए गए हैं। रेनोवेशन का काम बंगला नंबर 1 में होगा, जहां मुख्यमंत्री रहेंगी। वहीं बंगला नंबर 2 का उपयोग कैंप ऑफिस के रूप में किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

डांट, मजाक, पेट की पथरी और पैसा; दिल्ली में गर्दन काटने वाले नौकर की क्या पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाजपत नगर में बुधवार रात डांटने से नाराज नौकर ने चाकू से गोदकर मालिकन और उसके बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने दीनदयाल जंक्शन से चलती ट्रेन से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। 44 वर्षीय कुलदीप अपने परिवार के साथ लाजपत नगर पार्ट 1 में रहता था। परिवार में पत्नी रुचिका सेवानी, 14 वर्षीय बेटा कृष और एक बेटी थे। बेटी जम्मू में पढ़ाई कर रही है, जबकि बेटा निजी स्कूल की दसवीं कक्षा का छात्र था। कुलदीप और रुचिका लाजपत नगर स्थित सेंट्रल मार्केट में कपड़े की दुकान चलाते है। उनके यहां घरेलू सहायक मुकेश काम करता था। आरोपी मुकेश सिर्फ रुचिका पर गुस्सा था। लेकिन जब वह शाम को कुलदीप के घर पहुंचा तो वहां कृष भी मौजूद था। मां की हत्या होते देख वह उसे बचाने आया था, जिसके चलते आरोपी ने कृष की भी गर्दन रेत दी। आरोपी रुचिका पर इस कदर गुस्सा था कि उसने पहले तीन वार किए और फिर उसकी गर्दन काट दी। आरोपी ने रुचिका की गर्दन 80 प्रतिशत तक काट दी थी। इससे रुचिका की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। अभी तक हुई पूछताछ में मुकेश ने बताया कि रुचिका ने उसे पहली बार नहीं डांटा था, वह अक्सर उसे बाकी स्टाफ के सामने भी डांट दिया करती थी। जिससे उसका मजाक बनता था। इसलिए वह उससे नाराज रहता था।

13 दिन तक बुजुर्ग को किया डिजिटल अरेस्ट, ऐंठे 59 लाख; नोएडा में हैरान कर देने वाली वारदात

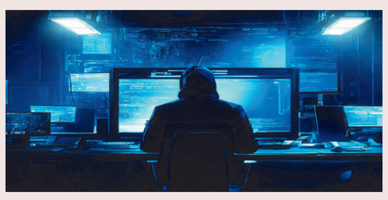

नोएडा एजेंसी। साइबर अपराधियों ने पेंट बनाने बनाने वाली एक नामचीन कंपनी के पूर्व अधिकारी को 13 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 59 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए। आरोपियों ने बुजुर्ग पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी, मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराध में शामिल होने का भय दिखाया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-29 निवासी 78 वर्षीय राजीव कुमार ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के साथ घर पर अकेले रहते हैं। उनके लैंडलाइन नंबर पर 18 जून को एक कॉल आई। कॉलर ने खुद को भारत के दूरसंचार नियामक प्राधिकरण का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि आपके मोबाइल नंबर का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया गया है, इसलिए नंबर दो घंटे में बंद कर दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए पीड़ित को मोबाइल पर तीन दबाने के लिए कहा। नंबर दबाने पर एक व्यक्ति ने खुद को ग्राहक सेवा केंद्र का कर्मचारी बताते हुए कहा कि मुंबई पुलिस के कहने पर नंबर बंद किया जा रहा है। कारण पूछने पर कहा कि उनके आधार नबर का उपयोग कर मुंबई में चार बैंक खाते खोले गए हैं। खातों में आई रकम का इस्तेमाल आतंकवाद, मानव और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी गतिविधियों में किया जा रहा है। सीबीआई मामले में केस दर्ज कर जांच कर रही है। तभी कॉल कथित तौर पर मुंबई पुलिस को ट्रांसफर कर दी गई। फिर सीबीआई के कथित डीसीपी प्रवीण सूद और कथित इंस्पेक्टर संजय सिंह ने जांच शुरू करने और गिरफ्तार किए जाने का दावा किया। पीड़ित राजीव इतना डर गए कि गिरफ्तारी और जांच से बचने के लिए उन्होंने जालसाजों के बताए बैंक खातों में तीन बार में अपनी मेहनत से कमाई जमा पूंजी ट्रांसफर कर दी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 20 जून को उन्होंने आरोपियों के बताए बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते में 10 लाख 70 हजार रुपये, 21 जून को 16 लाख 20 हजार रुपये और 25 जून को 32 लाख 60 हजार रुपये ट्रांसफर किए।

दिल्ली में प्रदूषण के चलते जन्म ले रहे कम वजन वाले बच्चे, रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण एक बड़ी चिंता का सबब बनता जा रहा है। वायु प्रदूषण का असर महिलाओं की कोख पर भी पड़ रहा है। एक अध्ययन के अनुसार, खराब हवा के चलते दिल्ली में 13 फीसदी बच्चों ने समय से पहले जन्म ले लिया, जबकि 17 फीसदी बच्चे कम वजन के साथ पैदा हुए। आईआईटी दिल्ली, मुंबई के अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, ब्रिटेन और आयरलैंड के संस्थानों के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-2021 और रिमोट सेंसिंग डेटा के विस्तृत विश्लेषण के आधार पर यह बात कही। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि पीएम 2.5 के बढ़ते संपर्क के कारण महिलाओं में समय से पहले प्रसव की 70 फीसदी संभावना और कम वजन वाले बच्चों के जन्म की 40 प्रतिशत संभावना पाई गई। वैज्ञानिकों ने पाया कि उत्तर भारत में रहने वाले बच्चे वायु प्रदूषण के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। रिसर्च में यह भी पाया गया कि 30 साल की आयु के बाद महिलाओं में समय से पहले प्रसव की दरें बढ़ती नजर आईं। रिपोर्ट में शैक्षिक और सामाजिक-आर्थिक असमानताएं भी स्पष्ट थीं। इसके अलावा, कम वजन वाली माताओं में कम वजन पैदा होने वाले बच्चों की दर 22 प्रतिशत और समय पूर्व प्रसव की दर 13 फीसदी सबसे अधिक थी। वहीं सामान्य वजन वाली महिलाओं में यह दर 17 और 12 फीसदी थी।

दस सालों में बदले हालात

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-2016 के डाटा के अनुसार, तब पीएम 2.5 के संपर्क में आने से 12 फीसदी बच्चों का समय से पहले जन्म हुआ, जबकि पांच फीसदी बच्चे कम वजन के साथ पैदा हुए।

खराब हवा ने खून में घोले घातक रसायन

कानपुर में चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला प्रदूषण लोगों को बीमार कर रहा है। औद्योगिक क्षेत्र सहित आठ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के खून में क्रोमियम, मर्करी तय मात्रा से अधिक पाया गया है। इससे लोग गंभीर बीमार हो सकते हैं।

रामपुर से रोज ट्रेन से दिल्ली आकर दोस्त के साथ करता था झपटमारी, दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की कस्टडी से फरार होने के बाद एक शातिर बदमाश उत्तर प्रदेश के रामपुर अपने घर पहुंच गया था। इसके बाद वह हर रात अपने दोस्त के साथ रामपुर से ट्रेन पकड़कर दिल्ली आता और लूट व झपटमारी की वारदातों अंजाम देने के बाद सुबह वापस लौट जाता। दिल्ली पुलिस की न्यायिक अभिरक्षा वाहिनी (एनएवी) के पुलिस कर्मियों ने आरोपी को साथी समेत रामपुर से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। न्यायिक अभिरक्षा वाहिनी (एनएवी) के डीसीपी चंदर कुमार सिंह ने बताया कि अदनान उर्फ फरहान को बाड़ा हिंदूराव पुलिस ने मोबाइल झपटमारी के मामले में गिरफ्तार किया था। तिहाड़ से पेशी पर लाया गया अदनान 24 जून को तीस हजारी कोर्ट परिसर से फरार हो गया था। इस बाबत सब्जी मंडी थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

एनएवी ने फरार आरोपी को दबोचा: एनएवी के इंस्पेक्टर संजय कुमार गुप्ता की देखरेख में एसआई प्रभात एवं हेड कॉन्स्टेबल अमित कुमार की टीम अदनान की तलाश में जुटी थी। टीम ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर अदनान के रामपुर स्थित घर एवं वारदात में शामिल साथी अकरम के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद अकरम की मां से जानकारी हासिल करने के बाद मंगलवार को रामपुर से अदनान और अकरम को गिरफ्तार कर लिया।

रात की ट्रेन से दिल्ली, वारदात के बाद वापसी

पुलिस ने जब अदनान और अकरम को गिरफ्तार किया तो दोनों रेलवे स्टेशन से उतरकर घर जा रहे थे। पूछताछ में मालूम हुआ कि दोनों रात 11 बजे ट्रेन में सवार होते और सुबह 5 बजे दिल्ली उतर जाते। इन्होंने गाजियाबाद से चुराई एक स्कूटी को दिल्ली में छिपाकर रखा था। वे इस स्कूटी से पुरानी दिल्ली के इलाकों में झपटमारी करने के बाद सुबह 7.30 बजे अवध आसाम ट्रेन में सवार होकर फिर से रामपुर पहुंच जाते। इसके बाद वे इलाके में घूम-घूम कर अपनी उपस्थिति दिखाते थे। दोनों ने फरारी के दौरान एक दर्जन झपटमारी की वारदातों को अंजाम दिया था। जांच में सामने आया कि अदनान को वर्ष 2020 के बाड़ा हिंदूराव थाने में दर्ज झपटमारी के मामले में भगोड़ा घोषित किया गया था। जब उसे बाड़ा हिंदू राव पुलिस द्वारा इस साल अप्रैल में गिरफ्तार किया गया तो उसने गलत नाम बताया और अकरम के बारे में भी जानकारी नहीं दी थी।

दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा, रेड में 11 लड़की-लड़के दबोचे; 20 मोबाइल और 200 सिम कार्ड बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के पलवल की साइबर अपराध थाना पुलिस ने 100 से अधिक लोगों से साइबर ठगी करने के मामले में दिल्ली के उत्तम नगर में छापेमारी कर फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां से तीन युवतियों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 40 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी को अंजाम दिया है। गिरफ्तार आरोपियों से 20 मोबाइल और 200 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शुभम ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध थाना की टीम ने साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साइबर ठग बैंककर्मी बनकर लोगों से रकम ऐंठते थे। पुलिस को करीब 100 शिकायतें

मिली थीं, जिसमें शिकायतों के आधार पर दिल्ली के उत्तम नगर में छापेमारी की गई। कॉल सेंटर में ग्राहकों को अपने जाल में फंसाने के लिए लड़कियां फोन करती थीं।

बैंक ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए कहा जाता और ओटीपी लेने के बाद ग्राहक उनके झांसे में आ जाता और उसे ठगी का शिकार बना लिया जाता था।

किराए के फ्लैट को बनाया था ठगी का अड्डा

सभी गिरफ्तार आरोपी पूरे देश के अलग अलग राज्यों से अलग अलग लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं। उन्होंने सौ से ज्यादा लोगों को अपना ठगी का शिकार बनाया है। आरोपियों ने दिल्ली में एक फ्लैट किराए पर लिया हुआ था और यहां कॉल सेंटर चला रहे थे। पुलिस को सौ से ज्यादा शिकायतें मिली। गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली निवासी प्रदीप मोहित, वीरेंद्र, रोहित, साक्षी, खुशबू, अविशका, साहिल, साहिब, आयुष और नितिन शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी ज्यादातर ग्रेजुएट हैं। एएसपी शुभम ने बताया कि आरोपियों से पुलिस ने 200 सिम कार्ड और 20 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लेगी। रिमांड पर लेकर आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी।

बघौला निवासी से ऐंठी थी राशि

साइबर अपराध थाना पुलिस ने बघौला गांव निवासी संजय कुमार की शिकायत पर साइबर ठगी का मामला दर्ज किया था। आरोपियों ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उनके साथ 33 हजार रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने यह मामला इसी माह एक जुलाई को दर्ज किया था। इस मामले की जांच के लिए पुलिस ने दिल्ली में छापेमारी कर इस गिरोह का पर्दाफाश किया है।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर बघौला पुल के पास जाम खत्म करने का नया प्लान तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर निर्माणधीन बघौला पुल के पास रोजाना लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए प्रशासन ठोस कदम उठाने जा रहा है। यहां भारी और हल्के वाहनों के लिए अलग-अलग लेन बनाने की तैयारी है, ताकि लोगों को जाम से मुक्ति मिल सके। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने मौका मुआयना करने के बाद यह जानकारी दी।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने गुरुवार को एनएच-2 पर बघौला गांव के पास निर्माणाधीन पुल क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गांव का गंदा पानी सड़क पर न आए, जिससे रास्ता खराब न हो और जाम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि गड्ढों में भरे पानी के कारण भी परेशानी बढ़ जाती है, ऐसे में नाले की उचित सफाई और पानी रोकने की पुख्ता व्यवस्था जरूरी है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि एनएचएआई, जनस्वास्थ्य, पंचायती राज और पुलिस विभाग आपसी तालमेल के साथ समाधान करें। जनस्वास्थ्य विभाग व पंचायत विभाग को कहा गया कि वे गांव के पानी की निकासी की तुरंत व्यवस्था करें। एनएचएआई के परियोजना निदेशक से सड़क निर्माण की प्रोजेक्ट रिपोर्ट जल्द भेजने और तय समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

विराट और रोहित को नीली जर्सी में देखने के लिए करना पड़ेगा और इंतजार!

रद्द हो सकता बांग्लादेश का दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले चुके विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैदान पर देखने के लिए क्रिकेट फैंस बेकरार हैं. ये दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे क्रिकेट में ही खेलते हुए नजर आएंगे. क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में ये दोनों खिलाड़ी नीली जर्सी में दिखाई देंगे, लेकिन अब बांग्लादेश का दौरा खटाई में पड़ता हुआ दिख रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा रद्द हो सकता है. पड़ोसी देश में हालात अच्छे नहीं है. शायद इसी वजह से केंद्र सरकार इस दौरे की इजाजत भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को नहीं दे रही है, क्योंकि वहां पर खिलाड़ियों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है.

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने बांग्लादेश के दौरे पर जाने वाली थी, लेकिन अब इस दौरे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में इन दिनों हालात अच्छे नहीं हैं. सत्ता परिवर्तन के बाद वहां पर माहौल काफी बिगड़ गए हैं. माना जा रहा है कि केंद्र सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए भारतीय टीम को बांग्लादेश दौरे पर जाने की इजाजत नहीं देगी. इस बारे में जल्दी ही ऑफिशियल घोषणा हो सकती है.इसके अलावा बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड आगामी सीरीज को लेकर जल्दी ही बड़ा फैसला ले सकते हैं. संभावना जताई जा रही है कि ये दौरा रद्द हो सकता है, लेकिन दोनों बोर्ड दौरा रद्द करने के बजाय इसे कुछ दिनों के लिए टालने पर सहमत हो सकते हैं. बीसीबी ने इस सीरीज के लिए मीडिया राइट्स की बिटिंग भी टाल दी है.

एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत आने की मंजूरी पर बिफरे आदित्य ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया था कि वे बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में किसी टीम के शामिल होने के विरुद्ध नहीं हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत आने की मंजूरी देने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। आदित्य ठाकरे ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। ऐसी खबरें आई थी कि खेल मंत्रालय पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत में होने वाले एशिया कप में शामिल होने से नहीं रोकेगी। अब इस पर आदित्य ठाकरे ने सवाल खड़े किए हैं और सरकार की आलोचना की है। हॉकी एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में होना है। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों से चल रहे तनाव के मद्देनजर इस पर संशय चल रहा था कि पाकिस्तान की हॉकी टीम इस टूर्नामेंट के लिए भारत आएगी या नहीं।

घरेलू मैदान पर अपने ही नाम के टूर्नामेंट में दम दिखाने उतरेंगे नीरज, खिताब के होंगे दावेदार

बंगलूरू, एजेंसी। नीरज इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 90 मीटर की बहुप्रतिक्षित बाधा भी पार कर ली है। उन्होंने 24 जून को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत हासिल की थी और अब उनकी नजरें एनसी क्लासिक में जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारत में प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी) टूर्नामेंट में नीरज अपने ही नाम के टूर्नामेंट में दम दिखाने उतरेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन शनिवार को बंगलूरू के कांतीरावा स्टेडियम में होगा जिसमें नीरज खिताब जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे। नीरज इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 90 मीटर की बहुप्रतिक्षित बाधा भी पार कर ली है। उन्होंने 24 जून को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक और 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में जीत हासिल की थी और अब उनकी नजरें एनसी क्लासिक में जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। 27 वर्ष के नीरज इस खेल में लगभग सभी खिताब जीत चुके हैं जिनमें ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक, डायमंड लीग फाइनल ट्रॉफी, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक शामिल हैं।इस टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ियों में सात विदेशी एथलीट और नीरज सहित पांच भारतीय होंगे। नीरज के अलावा चार भारतीय सचिन यादव, यशवीर सिंह, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। जर्मनी के 2016 ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिकी कर्टिस थॉम्पसन, चेक गणराज्य के मार्टिन कोनेकनी, ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और पोलैंड के साइप्रियन मिर्जिगलोड विदेशी प्रतियोगी हैं। नीरज चोपड़ा क्लासिक का पहला सत्र भारतीय प्रशंसकों को विश्व स्तरीय टूर्नामेंट देखने का मौका देने के मकसद से आयोजित किया गया है जिससे खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी।

शिखर धवन की आत्मकथा द वन की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन के जीवन पर उनकी आत्मकथा द वन आ रही है। उन्होंने इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके दी। धवन ने बताया कि मेरी किताब सिर्फ क्रिकेट के मैदान की बात नहीं करती। यह मेरे जीवन के उन पड़ावों, अनदेखे पलों, और मुश्किल दिनों की कहानी है, जब मुझे चोटों और चुनौतियों से जूझना पड़ा। यह किताब बताती है कि मैं आज जहां हूं, वहां तक कैसे पहुंचा। द वन में धवन के दिल्ली में बचपन से लेकर भारतीय जर्सी पहनने के सपने और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे शानदार ओपनर बनने तक का सफर शामिल है। किताब में उनके क्रिकेट करियर के शानदार पल तो होंगे ही, लेकिन इसमें उनकी निजी जिंदगी की चुनौतियां, चोटों का दर्द और क्रिकेट कमबैक की कहानियां भी होंगी।धवन क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट के जरिए अपने शानदार करियर को अलविदा कहा था। धवन ने 167 वनडे मैचों में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 5 अर्धशतक थे। टी20 में उन्होंने 68 मैचों में 1,759 रन बनाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 122 मैचों में 8,499 रन हैं।

शुभमन ने गावस्कर, तेंदुलकर और कोहली के रिकॉर्ड तोड़े

इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर, बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाए

बर्मिंघम/नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम टेस्ट में भारत ने 587 रन बनाए थे। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन की पारी खेलकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़े। वे सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय कप्तान बने। वहीं भारत ने 18 साल बाद इंग्लैंड में 500 रन का आंकड़ा पार किया।

25 की उम्र में 2 फॉर्मेट में दोहरे शतक -कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम में पहले दिन शतक लगाया, जिसे दूसरे दिन उन्होंने डबल सेंचुरी में बदल दिया। 25 साल के शुभमन 269 रन बनाकर आउट हुए। यह टेस्ट में उनका पहला ही दोहरा शतक रहा। वे 23 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट में भी डबल सेंचुरी लगा चुके हैं। शुभमन 2 अलग-अलग फॉर्मेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने रोहित का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 32 साल की उम्र में दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाई थी।

भारतीय कप्तान का बेस्ट टेस्ट स्कोर

प्लेयर	स्कोर	खिलाफ	कहां	कब
शुभमन गिल	269	इंग्लैंड	बर्मिंघम	2025
विराट कोहली	254*	सा. अफ्रीका	पुणे	2019
विराट कोहली	243	श्रीलंका	दिल्ली	2017
विराट कोहली	235	इंग्लैंड	मुंबई	2016
एमएस धोनी	224	ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई	2013

शुभमन ने इंग्लैंड में बेस्ट स्कोर बनाया - शुभमन इंग्लैंड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय प्लेयर भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गावस्कर ने 1979 में द ओवल के मैदान पर 221 रन बनाए थे। इन 2 के अलावा राहुल द्रविड़ ही 2002 में इंग्लैंड के मैदान पर दोहरा शतक लगा सके हैं।

एशिया के बाहर बेस्ट टेस्ट स्कोर बनाने वाले भारतीय - शुभमन एशिया के बाहर भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2004 में सिडनी के मैदान पर 241 रन बनाए थे।

भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर -शुभमन की डबल सेंचुरी किसी भारतीय कप्तान का भी टेस्ट में बेस्ट स्कोर रहा। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में 254 रन की नॉटआउट इनिंग खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने - शुभमन ने अपने टेस्ट करियर का पहला ही दोहरा शतक लगाया, लेकिन यह उन्होंने अपनी कप्तानी में किया। वे टेस्ट में डबल सेंचुरी लगाने वाले छठे भारतीय कप्तान बने। विराट कोहली, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और मंसूर अली खां पटौदी भी बतौर कप्तान दोहरा शतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड में भारतीय कप्तान का बेस्ट स्कोर बनाया - शुभमन ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के रूप में भी बेस्ट स्कोर बनाया। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1990 में मैनचेस्टर के मैदान पर 179 रन की पारी खेली थी।

इंग्लैंड में विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर - शुभमन के 269 रन इंग्लैंड में किसी विदेशी कप्तान का तीसरा बेस्ट स्कोर रहा। वे साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ से आगे निकले, जिन्होंने लॉर्ड्स स्टेडियम में 259 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के बॉब सिम्प्सन 311 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं।

भारत के बाहर 250+ बनाने वाले तीसरे भारतीय - शुभमन गिल भारत के बाहर 250 से ज्यादा का टेस्ट स्कोर बनाने वाले तीसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ ही ऐसा कर सके। दोनों ने पाकिस्तान ने 250 प्लस का स्कोर बनाया था।

शुभमन ने अपना बेस्ट फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया -शुभमन गिल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी अपना बेस्ट स्कोर बना लिया। इससे पहले 2018 में उन्होंने मोहाली के मैदान पर तमिलनाडु के खिलाफ 268 रन बनाए थे। तब वे अपनी घरेलू टीम पंजाब के लिए खेल रहे थे।

कार दुर्घटना में पुर्तगाली फुटबॉलर डिएगो जोटा की मौत

टायर फटने से पलटी कार, आग लगी; भाई की भी गई जान

पुर्तगाल (एजेंसी)। 28 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डिएगो जोटा का कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। वह लिवरपूल से भी खेलते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के जमोरा प्रांत में उनके कार का एक्सीडेंट हो गया। डिएगो जोटा एक लेम्बोर्गिनी चला रहे थे। स्थानीय खबरों के अनुसार उनके कार का टायर फट गया। उनकी कार पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार की सुबह हुई।

डिएगो जोटा के भाई की भी जान चली गई -जोटा के साथ उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे। वह भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाली टीम स्र्ष्ट पेनाफिल के लिए खेलते थे। दोनों भाइयों की इस हादसे में मौत हो गई।

जोटा की दो हफ्ते पहले हुई थी शादी -जोटा की दो हफ्ते पहले ही शादी हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के जमोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 28 और 26 साल थी।

एवर्टन के खिलाफ डिएगो जोटा के करियर का आखिरी गोल - डिएगो जोटा के नाम 130 से ज्यादा गोल हैं। मौजूदा समय में वह लिवरपूल से खेल रहे थे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी गोल 2 अप्रैल को किया था। ये गोल एवर्टन और लिवरपूल के बीच खेले गए मुकाबले में आया था। डिएगो जोटा का ये गोल बेहद धमाकेदार था। उन्हें मिडफील्डर से एक पास मिला। इसके बाद जोटा ने एक-दो नहीं, बल्कि एवर्टन के 5 डिफेंडर्स को चकमा देते हुए गेंद को गोल पोस्ट तक पहुंचाया था। इस गोल में जोटा की शानदार ड्रिबलिंग देखने को मिली थी। इस गोल के दम पर लिवरपूल ने इस मुकाबले को 1-0 से जीत लिया।

मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है

गुकेश से हारने के बाद बोले वर्ल्ड नम्बर 1 कार्लसन

जगरेब (क्रोसिया) (एजेंसी)। विश्व चैम्पियन डी गुकेश के खिलाफ लगातार दूसरी हार के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने कहा कि उन्हें अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। भारत के 19 वर्ष के ग्रैंडमास्टर गुकेश ने पूर्व विश्व चैम्पियन को सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग में हराया। इससे पहले नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने क्लासिकल प्रारूप में मात दी थी।

कार्लसन ने हार के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे अब शतरंज खेलने में मजा नहीं आ रहा है। जब मैं खेल रहा हूं तो कोई प्रवाह नहीं लग रहा। मेरा खेल लगातार खराब हो रहा है। उन्होंने गुकेश के बारे में कहा, 'वह शानदार खेल रहा है। अभी टूर्नामेंट काफी लंबा है लेकिन लगातार पांच मैच जीतना कोई छोटी बात नहीं है।

सुपरयूनाइटेड रैपिड के दूसरे दिन का समापन हो गया। गुकेश ने दिन की शुरुआत पहले उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव को पराजित करते हुए की और उसके बाद उन्होने यूएसए के फबियानों करूआना को मात देते हुए लगातार दूसरी जीत से एकल बढ़त कायम कर ली। लेकिन इसके बाद सबसे बड़े मुकाबले में गुकेश ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन के बीच मुकाबला हुआ जिसमें काले मोहरो से खेल रहे गुकेश एक समय इंग्लिश ओपनिंग मे मुश्किल मे नजर आ रहे थे पर कार्लसन की प्यादे की एक गलत चाल के बाद गुकेश नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए 49 चालों मे जीत दर्ज की।

गुकेश की यह जीत इसीलिए भी खास है क्योंकि प्रतियोगिता के पहले कार्लसन नें गुकेश को रैपिड मे कमजोर खिलाड़ी करार दिया था। फिलहाल अब गुकेश 10 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है। गुकेश न केवल हर मैच में गहरी तैयारी और आत्मविश्वास दिखा रहे हैं बल्कि उन्होंने समय का भी बेहतरीन प्रबंधन किया है, जिससे उनके विरोधियों पर लगातार दबाव बना हुआ है। अब टूर्नामेंट में तीन राउंड बाकी हैं और गुकेश फिलहाल सभी को पछाड़ते हुए पहले स्थान पर काबिज हैं।

भारत-पाक तनावों के बीच क्या पाकिस्तान की टीम भारत खेलने आएगी या नहीं? पीसीबी ने कहा अभी इजाजत नहीं मिली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की हॉकी टीमों का इस साल भारत में होने वाले दो बड़े टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना अभी भी तय नहीं है। पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ)के वरिष्ठ अधिकारियों ने जानकारी दी है कि उन्हें अब तक सरकार से टूर्नामेंट में भाग लेने की इजाज़त नहीं मिली है।गौरतलब है कि इस साल एशिया कप का आयोजन बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर तक होना है, जबकि जूनियर हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

भारत के खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा है कि पाकिस्तान की टीमों को इन बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोका नहीं जाएगा, क्योंकि ऐसा कोई भी फैसला ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन माना जाएगा। यानी भारत की तरफ से पाकिस्तान की टीमों को आने से रोकने की कोई योजना नहीं है।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ के महासचिव राणा मुजाहिद ने बताया कि उन्होंने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) से भारत में टीम भेजने की मंजूरी मांगी है। लेकिन अब तक इस पर कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि पीएसबी ने उनका अनुरोध आगे संबंधित मंत्रालयों को भेज दिया है।

पीएसबी के प्रवक्ता खुर्रम शहजाद ने भी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जब तक सरकार भारत में टीम भेजने को लेकर कोई नीति नहीं बनाती, तब तक पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पीएचएफ की तरफ से जो अनुरोध आया था, उसे अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय को भेजा गया है, और वहां से यह मामला गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के पास भेजा गया है। अब सभी को उनके अंतिम फैसले का इंतजार है।

यानी फिलहाल पाकिस्तान की हॉकी टीमों की भारत यात्रा और टूर्नामेंट में भागीदारी पर संशय बना हुआ है, और सबकी नजर अब पाक सरकार के फैसले पर टिकी है।

कनाडा ओपन

कनाडा ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे किदांबी श्रीकांत, चीनी ताइपे के खिलाड़ी को हराया

कालगैरी, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और 2022 थॉमस कप विजेता श्रीकांत ने दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी वांग को 21-19, 21-12 से शिकस्त दी।भारत के किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत ने पुरुष एकल वर्ग में तीनी ताइपे के वांग पो वेई को सीधे गेम में हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता और 2022 थॉमस कप विजेता श्रीकांत ने दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी वांग को 21-19, 21-12 से शिकस्त दी। इस साल मई में मलयेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले दुनिया के 49वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोउ टिएन चेन से हो सकता है। शुरुआती गेम में श्रीकांत ज्यादातर समय पीछे चल रहे थे और उन्होंने 5-11 के स्कोर से वापसी करते हुए स्कोर 18-18 किया। इसके बाद उन्होंने अगले चार प्वाइंट हासिल किए।

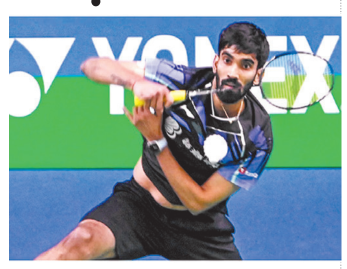

चेस

विश्व चैंपियन गुकेश ने दी नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को मात, छठे दौर में हराया; लगातार दूसरी जीत दर्ज की

जागरेब, एजेंसी। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया था। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। विश्व शतरंज चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने ग्रैंड शतरंज टूर रैपिड 2025 के जागरेब चरण में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को काले मोहरों के साथ छठे राउंड में हरा दिया। वह 10 अंकों के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष बढ़त पर आ गए हैं। पहले दिन तीन में से दो मैच जीतने वाले गुकेश ने चौथे और पांचवें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया था। यह गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। पिछले महीने उन्होंने कार्लसन को नार्वे शतरंज में हराया था। गुकेश को पहले मुकाबले में पोलैंड के डूडा ने 59 चालों में मात दी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और हमवतन प्रज्ञानंद को मात दी।